जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

A Jew Singing Sufi The curiousness and the bewilderment amongst the listeners, the rather 'unusual ensemble' certainly call for introspection.

The Surprising Benefits Of 'Donating Blood'

How To Stimulate The *Vagus* Nerve The *vagus nerve* halts stress and regulates emotions. Here's how to get it in tip-top shape.

एन्टार्कटिक में एक किंग पैनग्विन के मरने की खबर मिली है, जो संभवतया बर्ड फ्लू से मरी है। अगर इस बात की पुष्टि हो गई तो यह एन्टार्कटिका में एच 5 एन 1 से मरने वाली पहली किंग पैनग्विन होगी। शोधकर्ताओं ने पूर्व में चिंता जताई थी कि, अगर बर्ड फ्लू एन्टार्कटिक की पैनग्विन आबादी तक पहुंच गया तो यह आधुनिक दौर का सबसे भारी विनाश होगा। इस समय प्रजनन के लिए ये पक्षी झुंड बनाकर रह रहे हैं, इसका अर्थ है कि, अगर बीमारी फैली तो समूची आबादी को चपेट में ले लेगी। किंग पैनग्विन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी पैनग्विन हैं। तीन फीट ऊंचाई वाली ये चिड़ियाँ अपने प्राकृतिक आवास में 20 साल तक जीवित रहती हैं। उक्त संदिग्ध केस एन्टार्कटिका के साउथ जॉर्जिया क्षेत्र का है। साइन्टिफिक कमेटी ऑन एन्टार्कटिक रिसर्च की नवीनतम जानकारी के अनुसार, यहीं से एच 5 एन 1 से मरने वाली एक जैन्टू पैनग्विन का संदिग्ध केस भी आया है। फॉकलैंड्स द्वीप समूह, जो साउथ जॉर्जिया से 900 मील दूर है, में 19 जनवरी को 20 चूज़ों के मरने की खबर मिली थी। एन्टार्कटिक में बर्ड फ्लू के आने के बाद से बड़ी संख्या में एलिफैंट सील के मरने की खबर मिली है। इसके साथ ही, फर सील्स, कैल्प गल्स और ब्राउन स्कुआ की मौतों की संख्या में वृद्धि हुई है। साउथ अफ्रीका, चिली एवं अर्जैन्टीना में पूर्व में फैले बर्ड फ्लू से यह स्पष्ट हो गया था कि, पैनग्विन इस रोग के प्रति संवेदनशील हैं जबसे यह रोग दक्षिण अमेरिका में आया है 5 लाख सी बर्ड्स मारे जा चुके हैं। इनमें पैनग्विन, पैलिकन और बूबी पक्षी शामिल हैं। साइन्टिफिक कमेटी ऑन आर्कटिक रिसर्च के मैपिंग डेटा के अनुसार अभी तक भी एन्टार्कटिक मेनलैण्ड में कोई केस रिकॉर्ड नहीं हुआ है, शायद इसका कारण यह है कि, वहां पक्षियों की मौत को रिकॉर्ड करने के लिए बहुत कम लोग हैं।

कांग्रेस पार्टी के सभी बैंक खाते ''फ्रीज़'' किये इन्कम टैक्स विभाग ने

इन खातों में अब न तो पैसा जमा कराया जा सकता है और न ही निकाला जा सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने एक परेशानी भरी खबर शुक्रवार को साझा की। उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा जारी चैक बाउन्स हो रहे हैं और जांच में पता चला कि कांग्रेस के सभी खाते फ्रीज़ कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के खाते नहीं बल्कि लोकतंत्र को फ्रीज़ कर दिया गया है। इनकम टैक्स विभाग द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए 210 करोड़ रुपए की डिमांड निकाले जाने के कारण यूथ कांग्रेस के खाते भी सीज़ कर दिए गए हैं।

- **इसी प्रकार आयकर विभाग ने यूथ कांग्रेस के भी सभी बैंक अकाउन्ट ''फ्रीज़'' कर दिये।**
- **आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट ने वर्ष 2018-19 में यूथ कांग्रेस के व्यय-खर्च की रिटर्न पर 210 करोड़ की डिमाण्ड की अदायगी न होने के कारण अकाउन्ट फ्रीज़ किये हैं।**
- **कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने यह जानकारी देते हुए, कहा कि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ''क्राउड फण्डिंग'' एक्टिविटी से राशि एकत्रित की गई है, उनके पास यह राशि गैर-कानूनी व कॉरपोरेट बॉण्ड्स से नहीं आई है।**

उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस के पास जो पैसा है वह कॉरपोरेट्स का नहीं है, वह बॉण्ड्स का भी नहीं है और बड़े बिज़नैस घरानों से प्राप्त मोटी राशि भी नहीं है। यह वह पैसा है जो पार्टी कार्यकर्ताओं की क्राउडफण्डिंग से प्राप्त हुआ है। हमने हमारे कार्यकर्ताओं की क्राउडफंडिंग से करीब 25 करोड़ रुपए जुटाए। उसमें से करीब 25 प्रतिशत राशि सौ रुपए से कम डोनेशन्स के रुप में प्राप्त है। यह यू.पी.आई. के जरिए वैधानिक रुप से किया गया है। यह ऑन लाइन फण्डिंग के मार्फत किया गया है। कोई भी नकदी नहीं ली गई तथा हमारे पास यही धन है।''

माकन ने यूथ कांग्रेस के संदर्भ में कहा कि उसके पास सदस्यता अभियान के माध्यम से पैसा आया है, इसके विपरीत प्रतिद्वंद्वी पार्टी ने असंवैधानिक कॉरपोरेट बॉण्ड्स के जरिए 6 हजार 5 सौ करोड़ से अधिक जुटाए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ही भाजपा द्वारा प्राप्त फण्ड्स को असंवैधानिक करार दिया था।

माकन ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा कि ''हमारे देश में लोकतंत्र अस्तित्व में नहीं है। यहां एक पार्टी का शासन एवं एक पार्टी का लोकतंत्र है और भारत के लोकतंत्र के लिए आज का दिन बहुत दु:खद है जहां मुख्य विपक्षी पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रीय महिला आयोग ने प. बंगाल सरकार व पुलिस के दावों को नकारा

आयोग ने कहा कि, संदेशखाली में महिलाओं ने आगे बढ़कर लिखित में शिकायत दर्ज कराई है, वहां हुई ''रेप'' व घृणित अत्याचार की घटनाओं के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। राष्ट्रीय महिला आयोग की पश्चिम बंगाल सरकार और वहां की पुलिस के झूठ को उजागर करते हुए राज्य के संदेशखाली क्षेत्र के एस.सी. व एस.टी. की महिलाओं के यौन-उत्पीड़न की शिकायतें प्राप्त होने की पुष्टि की है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कल दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ यौन-हिंसा की एक भी शिकायत नहीं है।

- **प. बंगाल सरकार अभी तक यही दावा कर रही है कि, संदेशखाली में ऐसी कोई वारदातें नहीं हुईं, क्योंकि, किसी ने भी इस बारे में शिकायत दर्ज नहीं कराई।**

इसके विपरीत, राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रतिनिधियों ने औपचारिक घोषणा की है, कि एस.सी. व एस.टी. समुदायों की स्थानीय महिलाओं ने इस संबंध में शिकायतें की थीं।

इन महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ताओं पर जबरन अपहरण व बन्दी बनाए जाने के आरोप लगाए। इस क्षेत्र के और बंगाल के अन्य भागों में तृणमूल कांग्रेस की कारगुजारियों के खिलाफ चल रहे आंदोलन में महिलाएं सबसे ज्यादा हैं। इन संदेशखाली की महिलाओं का आरोप है कि अगर तीनों अभियुक्त क्षेत्र में लौट आए तो समूचा क्षेत्र शमशान बन जाएगा।

शिकायतों में शेख शाहजहां, शिबु हाज़रा और उत्तम सरदार के खिलाफ विशेष रूप से नामजद शिकायतें की गई हैं। शेख ने तो पूछताछ करने आई ई.डी. की टीम पर भी हमला किया था। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया के शपथ पत्र को चुनौती

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। एक स्थानीय भाजपा नेता योगेन्द्र सिंह तंवर ने रिटर्निंग अधिकारी से शिकायत की है कि, सोनिया गांधी ने इटली की अपनी पैतृक संपत्ति में स्वयं के हिस्से का पूर्ण विवरण नहीं दिया है और इसलिए

- **एक भाजपा नेता ने पीठासीन अधिकारी से शिकायत की है कि, सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए दायर शपथ पत्र में इटली में मौजूद पैतृक सम्पत्ति की हिस्सेदारी का पूर्ण विवरण नहीं दिया है।**

राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए जमा किया गया उनका नामांकन फॉर्म अधूरा है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राज्यसभा के चुनाव के लिए दिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

24 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली पर महत्वपूर्ण सेमीनार!

6 वर्ष हुए सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जज़ों ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर मुख्य न्यायाधीश के जजों को मुकदमे एलॉट करने पर एकाधिकार गलत बताया था, पर गत चार सालों में मुख्य न्यायाधीश के अधिकारों में कुछ खास परिवर्तन नहीं हुए हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। द वायर तथा ''लाइव लॉ'' के सहयोग से कैंपेन फॉर जूडीशियल अकाउन्टेबिलिटी एण्ड रिफॉर्म्स द्वारा न्यायिक ट्रैंड्स व नागरिक स्वतंत्रता को लेकर दिल्ली में एक सेमीनार आयोजित किया जा रहा है। इसमें केसों की चुनिंदा लिस्टिंग अथवा उन्हें लिस्ट ना किया जाना, ओपन कोर्ट सिस्टम से ईमेल आधारित क्लोज़्ड डोर सिस्टम की ओर शिफ्ट व नियम और प्रक्रियाओं की अनुपालना न होने जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

- **सेमीनार में सुप्रीम कोर्ट की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया पर पुनः मंथन होगा।**
- **सेमीनार में न्यायालय की रजिस्ट्री के काम के तरीकों पर भी गहन विचार-विमर्श होगा। उदाहरण के लिये ''ओपन कोर्ट'' सिस्टम से अब ''क्लोज़्ड डोर'' ई-मेल पर आधारित सिस्टम के आने से कानून-कायदों की अवहेलना पर भी चिन्तन होगा।**
- **रजिस्ट्री के खिलाफ वकीलों की इस शिकायत पर कि, ज्यूडिशियल आदेश के बावजूद मुकदमों के लिस्ट न होने पर भी खुली चर्चा होगी।**

जनवरी 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम जजों ने एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में चीफ जस्टिस के बतौर ''मास्टर ऑफ रोस्टर'' नामक अधिकार की आलोचना की थी। चीफ जस्टिस इसके तहत केसों को विभिन्न बैंचों को आवंटित करते हैं। उस अभूतपूर्व प्रेस कॉन्फ्रैंस में जजों ने शक्तियों के संभावित दुरुपयोग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायकों के त्यागपत्र देने के प्रकरण में कभी जाँच क्यों नहीं आरंभ की पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने?

राजेंद्र राठौड़ द्वारा दायर याचिका में विधानसभा अध्यक्ष की ओर से इस प्रकरण से संबंधित सभी दस्तावेज़ अदालत से साझा किए गए

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 16 फरवरी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से, पिछली कांग्रेस सरकार में विधायकों द्वारा दिए गए त्याग पत्रों के प्रकरण में दायर जनहित याचिका, पर आज अदालत में सुनवाई हुई। मामले में राजेन्द्र राठौड़ ने संशोधित याचिका पेश की थी, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की ओर से अदालत में जवाब पेश किया गया। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से सीनियर अधिवक्ता आर.एन. माथुर पैरवी कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने जवाब में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी द्वारा विधायकों के त्याग पत्रों को अस्वीकार करने में 90 दिन से अधिक समय लेने की प्रक्रिया को अवैधानिक बताया और साथ ही कहा कि प्रकरण में महेश जोशी, रफीक खान, शांति धारीवाल, रामलाल जाट व महेन्द्र चौधरी को पक्षकार बनाया जाए। न्यायधीश पंकज भंडारी व भुवन गोयल की खंडपीठ ने इस जवाब को रिकॉर्ड पर भी लिया और मामले में सुनवाई की अगली तारीख 5 मार्च तय की है।

विधानसभा अध्यक्ष की ओर से दायर जवाब में बताया गया है कि 81 विधायकों द्वारा त्याग पत्र प्रस्तुत किए गए थे और महेश जोशी, महेंद्र चौधरी, संयम लोढ़ा, शांति धारीवाल, रफीक खान एवं रामलाल जाट ने ही सामूहिक तौर पर सभी विधायकों के त्याग पत्र तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी को पेश किए थे। इन त्याग पत्रों के संदर्भ में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय के सभी दस्तावेज भी अदालत में प्रस्तुत किए गए, जिसमें यह तो बताया गया है कि विधायकों द्वारा अलग-अलग त्याग पत्र प्रस्तुत नहीं किए गए, और केवल छः विधायकों द्वारा 81 विधायकों के त्याग पत्र सामूहिक रूप से प्रस्तुत किए गए। इस वजह से तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष को प्रकरण के संदर्भ में संशय हुआ और उन्होंने तभी इस टिप्पणी को रिकार्ड पर भी लिया।

- **दस्तावेजों से जाहिर है कि, केवल औपचारिक रूप से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने एक दस्तावेज़ में यह संशय जाहिर किया है कि, 81 विधायकों के त्यागपत्र उन्हें सामूहिक तौर पर छः विधायकों ने दिए हैं, परंतु ना तो उन्होंने उन छः विधायकों से कोई प्रश्न किया और ना 81 विधायकों से।**
- **दस्तावेजों से यह भी स्पष्ट है कि, राजेंद्र राठौड़ द्वारा जनहित याचिका दायर करने के तुरंत बाद ही विधायकों ने अपने त्यागपत्र वापस लेने के लिए पत्र लिखे, जिनकी भाषा एक समान है, परंतु तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष को इस पर भी कोई संदेह नहीं हुआ।**
- **दस्तावेज़ों से जाहिर है कि, सभी 81 विधायकगण, जिनमें वर्तमान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल हैं, ने तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष को कहा था कि, उन्होंने स्वेच्छा से त्यागपत्र नहीं दिए थे। परंतु उन पर किस व्यक्ति विशेष का दबाव था, इस विषय में ना तो टीकाराम जूली और ना ही 80 अन्य विधायकों ने कोई स्पष्टीकरण तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष को दिया और ना ही राजस्थान की जनता को।**

परंतु पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने अपने संदेह को दूर करने के लिए, और विधायकों की मंशा जानने के लिए कोई भी प्रयास किया हो, इस संदर्भ में कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, यानि 25 सितंबर, 2022 से लेकर जनवरी 2023 तक सी.पी. जोशी केवल विधायकों के इस्तीफों पर बैठे रहे और कोई फैसला नहीं लिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विधायकों के त्यागपत्र में स्पष्ट लिखा था कि उनका इस्तीफा त्वरित रूप से प्रभाव में लाया जाए।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के दस्तावेजों में त्याग पत्रों की वास्तविकता की जांच करने के संबंध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पवार ने सुप्रीम कोर्ट से तुरंत सुनवाई की गुहार की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी।

- **नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार ने कहा, कि, आगामी मंगलवार को विधानसभा सत्र शुरू होने जा रहा है, उससे पहले ट्रायल शुरू कर दिया जाए। पवार ने अजीत पवार के गुट को असली एन.सी.पी. बताने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की है।**

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस निर्णय के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है अत: वे पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगी जिसने उत्तर प्रदेश से बिहार में अब प्रवेश किया है।

- **प्रियंका गांधी ने कहा कि, एक बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से यू.पी. में न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगी। हालांकि, प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वे किस अस्पताल में भर्ती हैं।**

प्रियंका ने न्याय यात्रा की सफलता को लेकर अपने भाई राहुल गांधी व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की भजनलाल सरकार

यह सरकार की ईच्छा शक्ति और अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का ही परिणाम है कि सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान की सफलता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेशभर में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई। अभियान के दौरान खास बात यह रही कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान केवल खाना पूर्ति बनकर नहीं रह जाये, इस कारण अवैध खनन की जड़ पर प्रहार करने पर जोर दिया गया। अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते वाहनों की पकड़ा-पकड़ी तक ही सीमित नहीं रहकर स्रोत को खोजने और उस पर कार्यवाही करने पर बल दिया गया। परिणाम भी आशा से अधिक उत्साहजनक प्राप्त हुए। जिला कलक्टरों को पांच विभागों यथा माइंस, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग के संयुक्त अभियान के संचालन, मोनेटरिंग, समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। इससे पुलिस व प्रशासन की सक्रिय भागीदारी भी तय हो सकी।

अभियान को आंकड़ों में समझा जाएं तो अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्य व्यापी अभियान के दौरान 2643 कार्यवाहियां की गई, इसमें भी यह पहला मौका होगा जब बड़े स्तर पर अवैध खनन स्थलों पर 613 कार्यवाहियां की गई। पुलिस में 564 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई और इस दौरान अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 264 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 12 करोड़ 62 लाख से अधिक का ढ्राई लाख टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। 54 एक्सक्वेटर, 69 जेसीबी, 6 क्रेन और 1773 वाहनों को जब्त किया गया। मौके पर ही 12 करोड़ 76 लाख रु. से अधिक का जुर्माना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। इसके साथ ही गोपनीय सूचनाओं से प्राप्त जानकारी पर दूसरे जिलों के अधिकारियों की टीम को भेज कर कार्यवाही की गई और करोड़ों रुपयों का जुर्माना लगाया गया। खास बात यह रही कि कई कार्यवाहियों में तो जिला कलक्टर स्वयं मौके पर पहुंचे। सवाल आंकड़ों का नहीं हैं। सवाल सरकार के गुणगान करने का भी नहीं है अपितु सवाल सरकार की इच्छा शक्ति और माइंस विभाग की मशीनरी के सक्रिय होकर कार्यवाही करने का है और इतने कम समय में जिस तरह से योजनावद्ध तरीके से अन्य विभागों के साथ ही माइंस विभाग की मशीनरी ने काम किया वह सराहनीय है।

सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान की सफलता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेशभर में अवैघ खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई।

खास बात यह कि सरकार नई, मुख्यमंत्री नए, मुख्य सचिव नए, खान सचिव नए और माइंस निदेशक का पद रिक्त होने के बावजूद खनन माफिया के खिलाफ अभियान की चंद घंटों में ही इतनी चाक चोबंद कार्ययोजना तैयार की गई कि परिणाम आने पर अभियान की सफलता पर संदेह उठाने वालों को भी दांतों तले उंगली दबानी पड़ी। इसे यों समझा जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद दिसंबर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 15 दिसंबर को शपथ ली, जनवरी के पहले सप्ताह 1 जनवरी कों नए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कार्यभार संभाला। 10 जनवरी को आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में आनन्दी को खान सचिव लगाया गया और अगले दिन खान सचिव के कार्यभार संभालते ही यानी कि 11 जनवरी को देर शाम मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि स्वयं खान मंत्री भी है, द्वारा खान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में अगले दिन 12 जनवरी को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 15 जनवरी से 31 जनवरी, 2024 तक खान, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश जारी कर दिए। इसके लिए जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कमेटी की बैठक तत्काल आयोजित कराने और जिला कलक्टर के निर्देशन में राज्य व्यापी अभियान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जिला कलक्टरों के नाम जारी निर्देशों में चैक लिस्ट भी जारी की। मांइस डिपार्टमेंट को एक्टिवेट करने की जिम्मेदारी माइंस सचिव आनन्दी ने संभाली और पूरी मशीनरी चंद घंटों में ही एक्टिवेट हो गई। शासन सचिव माइंस स्तर पर मोनेटरिंग के साथ ही मुख्यालय उदयपुर में अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस को समन्वयक प्रभारी बनाया गया। अभियान में जनभागीदारी तय करने के लिए 24 गुणा 7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एसएमई स्तर के अधिकारी को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी बनाया गया। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष का अलग से मोबाईल नंबर भी जारी किया गया जिस पर प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटे में कार्यवाही के निर्देश देते हुए प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही की प्रभावी मोनेटरिंग सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही उच्च स्तर पर गोपनीय तरीके से प्राप्त शिकायतों/जानकारी पर गोपनीय तरीके से अन्य स्थानों से अधिकारियों की टीम भेज कर कार्यवाही की गई, जिसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सफल अभियान चलाकर उस आम मिथक को भी तोड़ दिया है जिसमें सरकार की अभियानों के प्रति गंभीरता को लेकर प्रश्न उठाया जाता है। बल्कि कहना यह चाहिए कि जिस तरह से डिजास्टर मैनेजमेंट में काम होता है ठीक उस तरह से प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान संचालित किया गया और आमजन में सरकार की जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। लाख आरोप प्रत्यारोप लगाए जाये पर इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अभियान को सफल बनाने में खान विभाग की टीम ने जिस तरह से सरकार की मंशा और इच्छा शक्ति को अमलीजामा पहनाया है वह भी सराहनीय है। अभियान समाप्त हो गया है पर अभियान की स्प्रिट यानी की भावना कि अवैध खनन गतिविधियां नहीं होने देनी है इसके लिए मशीनरी को चाक चोबंद होना पड़ेगा तभी अभियान अपने उद्देश्यों में कामयाब हो सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 17 फरवरी, 2024

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र प्रात: 8:46 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 1:43 तक, बव करण प्रात: 8:16 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मेष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रात: 8:16 तक है और प्रात: 8:46 से पुन: आरम्भ होगा। सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग प्रात: 8:46 से सूर्योदय तक है। रवियोग प्रात: 8:46 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:30 से 9:53 तक, चर 12:41 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 4:52 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 6:16

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

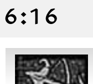

धनु
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

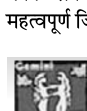

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

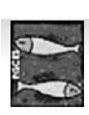

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सुनियोजित विकास की सोच से जुड़ा राजस्थान का अंतरिम बजट

डॉ. अरुणा व्यास

राज्य सरकार में वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा हाल ही में राजस्थान का जो अंतरिम बजट पेश किया है वह बहुत सुनियोजित एवं दीर्घकालीन विकास से जुड़ा हैं। ऐसे समय में जब राजस्थान ऋण के जाल में डूबा हुआ है, इस बजट में भविष्य की सम्भावनाएं दिखाई देती है। युवाओं के लिए 70 हजार नौकरियों की घोषणा हो या बजट के अन्तर्गत राजस्व का घाटा कम करके सकल घेरलु दर (जी.डी.पी) बढ़ाने के दूसरे प्रावधान सभी महत्वपूर्ण है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालिक ऋण देने, जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने, 'लाडो प्रोत्साहन योजना' आदि के अंतर्गत सुनियोजित सोच से विकास के साथ अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस अंतरिम बजट में युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र में ही नहीं निजी क्षेत्र में भी स्वर्णिम भविष्य तलाशत हुए विशेष प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल विकास और करियर निर्माण के लिए राज्य के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव इसी तरह का है। इसके अंतर्गत 10 करोड़ रुपये खर्च कर कार्य करने से युवाओं के भविष्य की उज्ज्वल राहों का निर्माण हो सकेगा। इसी तरह कृषि क्षेत्र के लिए जो घोषणाएं की गई है उससे राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से सुदृढ़ होगी। मैट्रों की रूकी हुई सीतापुरा से अंबाबाड़ी की योजना भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय मैट्रों जयपुर के लिए बहुत अधिक फायदेमंद नहीं है। क्या कारण रहे कहा नहीं जा सकता परन्तु मैट्रों के प्रथम चरण में ही अगर सीतापुरा से अंबाबाडी का रूट निर्धारित होता तो जयपुर महानगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में सुधार होता।

बजट में लगभग सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। एक महत्वपूर्ण पहलू इस बजट का यह भी है इसमें अल्प आय वर्ग, लघु सीमा क्षेत्र के किसानों को केन्द्र में रखकर जो घोषणाएं की गई है वह समावेशी विकास की ओर बढ़ाएं गये कदम है। अंतरिम बजट में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए व्यावहारिक घोषणाएं की गई है। गरीब परिवार में बेटी पैदा होने पर 'लाडो योजना', गर्भवती महिला को दी जाने वाली राशि में वृद्धि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका आशा के भत्तों में बढ़ोतरी आदि से महिलाओं का सशक्तिकरण होगा। गरीब बच्चों के के.जी. से पी.जी. की नि:शुल्क किये जाने की घोषणा भी प्रदेश के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

राजस्थान पर्यटन की विविध संभावनाओं वाला प्रदेश है। इस दृष्टि से अंतरिम बजट में महाराणा प्रताप पर्यटन सर्किट, संग्रहालयों के विकास, धार्मिक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली है।

लेखानुदान में जल, विद्युत आपूर्ति के साथ प्रदेश के विकास में संतुलन साधा गया है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के तहत प्रदेश के 21 जिलों को लाभ देने के अंतर्गत उपलब्ध पानी की मात्रा बढ़ाने हेतु आवश्यक राशि 37 हजार 250 करोड़ रुपए को बढ़ाकर लगभग 45 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा महत्वपूर्ण है। यही नहीं 25 लाख परिवारों को नल से जल योजन से लाभान्वित करने से पेयजल की समस्या से जूझ रहे परिवारों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा।

कृषि को अंततिम बजट में विशेष महत्व दिया गया है। इसके अंतर्गत राजस्थान एग्रीक्लचर इन्फ्रा मिशन के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान महत्वपूर्ण है। मोटे अनाज के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि यूनेस्को ने भारत की पहल पर मोटा अनाज वर्ष मनाने की पहल की है। राजस्थान में सर्वाधिक मोटा अनाज होता है। इसके उत्पादन को और बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों को अपनी आवश्यकता का अनाज पैदा करने की दृष्टि से आगामी वर्ष 12 लाख किसानों को मक्का, आठ लाख किसानों को बाजरा, सात लाख किसानों को सरसों, चार लाख किसानों को मूंग एवं 1-1 लाख किसानों को ज्वार व मोठ के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने की पहल से कृषि से विकास को प्रभावी रूप में सुनिश्चित किया जा सकेगा। कृषि आज भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि इस पर ध्यान दिया जाता है तो भविष्य में आर्थिक विकास दर भी तेजी से बढेगी। इस दृष्टि से अंतरिम बजट के यह प्रावधान दीर्घकालीन विकास की सोच लिए हैं।

अंतरिम बजट में जल संरक्षण के लिए 'वाटर हार्वेस्टिंग संरचना' की जल स्वावलंबन योजना, विद्युत क्षेत्र में रूफटोप सोलर पैनल प्रोत्साहन के साथ सड़क विकास और हाईटैक सिटी के अन्तर्गत ई बसों की जो घोषणाएं की गई है उससे पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास को बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर यह बजट राजस्थान के सुनियोजित विकास के साथ उससे जुड़ी चुनौतियों और कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था से राजस्थान को उबारने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अंतरिम बजट का व्यावहारिक क्रियान्वयन भी सुनियोजित होगा।

– डॉ. अरुणा व्यास,
स्वतंत्र टिप्पणीकार

ए.एस.आई. ने पुत्र की शादी में दुल्हन पक्ष से शगुन में एक रुपया लिया

टोंक, (निसं)। समाजों में आम तौर पर शादी-विवाहों में दिखावे के तौर पर खूब पैसा खर्च किया जाता है। यहां तक कि लोग हेलीकॉप्टर से दुल्हन तक लाने में लाखों रूपया खर्च कर देते है लेकिन इसके विपरीत पुलिस महकमे में तैनात टोंक के संतोष नगर निवासी रामदेव गुर्जर ए.एस.आई. ने दुल्हन पक्ष से मात्र एक रूपया शगुन लेकर अपने पुत्र की शादी करवाई जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

उच्च शिक्षित दूल्हा एवं दुल्हन ही नहीं वरन खुद रामदेव गुर्जर का कहना है कि उनके इस कदम का मकसद युवाओं को भी दहेज प्रथा व शादियों में अनावश्यक खर्चे से दूरी बनाने का संदेश देना है। जानकारी के अनुसार रामदेव गुर्जर के पुत्र इन्द्रदेव गुर्जर ने जहां बीएड तक की शिक्षा ग्रहण की है, वहीं दुल्हन मनीषा बीएड कर रही है। कुछ दिनों पहले दुल्हन के परिवार के एक परिचित मिले एवं

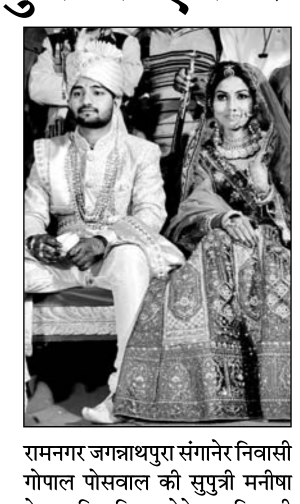

रामनगर जगन्नाथपुरा संगानेर निवासी गोपाल पोसवाल की सुपुत्री मनीषा के अविवाहित होने आदि की जानकारी दी। रामदेव ने सम्पर्क साधा एवं दहेज जैसी सामाजिक कुरूति को दूर करने की मंशा जताते हुये कहा कि उन्हें एक शिक्षित बहु चाहिये और कुछ नहीं। ऐसे में मात्र एक रूपया सगुन लेकर 14 फरवरी बसंत पंचमी

- **शादी में मेहमानों को भी सामान्य भोज ही कराया**
- **इन्द्रदेव गुर्जर ने जहां बीएड तक की शिक्षा ग्रहण की है, वहीं दुल्हन मनीषा बीएड कर रही है**

को इन्द्रदेव की मनीषा से शादी करवा दी। इतना ही नहीं इस शादी में फालतू का दिखावा नहीं कर मेहमानों को भी सामान्य भोज ही कराया गया। इधर विवाह समारोह में शामिल होने आए मेहमानों के अलावा समाज बंधुओं ने भी सादगी से हुए इस विवाह की प्रशंसा की है। लोगों का कहना है कि सादगी से की गई शादी से बेटियों के पिता का आर्थिक बोझ कम होगा। इससे बेटियों के पिता उनकी शिक्षा की ओर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की कार्यशाला आयोजित

जोधपुर, (कासं)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की जिला स्तरीय कार्यशाला शुक्रवार को पंचायत समिति मंडोर के सभागार में राजस्थान सरकार के प्रदेश समन्वयक और पूर्व सभापति नगर परिषद डूंगरपुर के. के. गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपतलाल सुथार, विकास अधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी और कार्मिक उपस्थित रहे।

गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बहुत बड़ा संकल्प है कि सम्पूर्ण देश स्वच्छ और स्वस्थ होना चाहिए। इसी परिकल्पना को साकार करते हुए हमारा देश विकसित देश की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं झाडू लेकर श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं।

गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का प्रथम बिंदु यह है कि गांव अथवा शहर में कहीं पर भी

- **के. के. गुप्ता की अध्यक्षता में पंचायत समिति मंडोर सभागार में आयोजित हुई कार्यशाला**

गली नुक्कड़ या घरों के बाहर कचरा पात्र नहीं रहना चाहिए। गीला और सूखा कचरा अलग-अलग कचरा पात्र में एकत्र होना चाहिए और ऐसे कचरा पात्र बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जैसे सार्वजनिक स्थानों पर ही रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जोधपुर जिले में कुछ ग्राम पंचायत के निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह पाया कि यहां पर मैजिक पीट बनाए गए हैं जो सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। यहां की मिट्टी बलुई है इसलिए पानी तुरंत सोख लेती है। इसी प्रकार से तकनीकी अधिकारियों को अपनी दक्षता के साथ कार्य करते हुए ब्लैक वाटर और ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट में भी अच्छे कार्य करने होंगे।

श्री रामदेव पशु मेला : पर्यटन विभाग की ओर से विभिन्न पशु प्रतियोगितायें हुई

नागौर, (निसं)। पशु मेला मैदान में आयोजित हो रहे श्री रामदेव पशु मेले (नागौर मेला) में पर्यटन विभाग द्वारा 15-18 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि श्री रामदेव पशु मेले के आयोजन के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा 15 फरवरी को श्री अमरसिंह राठौड़ की छतरियों पर नगाड़ा, शहनाई वादन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, वहीं 16 फरवरी को पशुमेला मैदान में प्रात: 11 बजे से ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मेले में आये हुए

मेले में ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

पशुपालकों व ऊँटपालकों ने उत्साह से भाग लिया। अच्छा प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि 16 फरवरी

- **ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया**
- **18 फरवरी तक आयोजित होंगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम**

को पशु मेला मैदान में सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रख्यात राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक राजस्थानी लोक संगीत एवं नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें मश्क वादन, कालबेलिया नृत्य, तेरहताली नृत्य, घूमर नृत्य एवं ब्रज की होली व मयूर नृत्य प्रमुख हैं।

पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक ने बताया कि मेले के आयोजन के दौरान 17 फरवरी को नागौर किले में हैरिटेज वॉक का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही पशु मेला मैदान में अश्व नृत्य व मूंछ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा तथा शाम को ख्यातिप्राप्त कवियों द्वारा हास्य-व्यंग्य एवं श्रृंगार रस की रसधारा बहाई जायेगी। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी को भी प्रात:काल अमर सिंह की छतरियों पर कठपुतली नृत्य का प्रदर्शन किया जायेगा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान-आदर्श स्थिति तो यह है कि जिन अतिक्रमणों से यातायात बाधित हो, वे होने ही नहीं दिए जाएं

महावीर सिंह

अतिक्रमण हटाओ कार्यक्रम के अंतर्गत

दिनांक 6 फरवरी को खातीपुरा से हसनपुरा मार्ग पर अमानीशाह नाले से जलदाय विभाग से आगे रेलवे पुलिया तक गाड़ियों का जाम लगा हुआ था। पुलिस जाब्ता, नगर निगम जयपुर के अधिकारी-कर्मचारी, गाड़िया लगी हुई थी। सड़क के दोनों तरफ वर्षों से लगी अस्थाई थड़िया, ठेले, टिन से बनी अस्थाई दुकान नुमा स्ट्रक्चर्स को हटाया जा रहा था। थड़ी, दुकानों के ऑवनर अपना स्टूल-कुर्सियां, स्टोव, बर्तन आदि जितना सामान बचा सकते थे, लेकर इधर से उधर ऑफर-तफरी में आ-जा रहे थे। ट्रैफिक रुक हुआ था, इसलिए घुमन्तु को लोगों से बात करने, लोगों के बीच चल रहे वार्तालाप सुनने का अवसर भी मिला।

एक आवाज जो बहुत से लोगों के मुँह से निकल रही थी वह थी-- यह थड़िया आदि तो दशकों से लगी हुई थी--हमेशा ही नगर निगम के छोटे-बड़े अधिकारी इधर आते रहे हैं--तो फिर यह थड़ियां लगी ही क्यों?

दूसरी आवाजें भी सुनाई दी--थड़िया कोई यों ही थोड़े ही लग जाती है--सब जन प्रतिनिधियों-निगम अधिकारियों की मिलीभगत- वोट ह या नकद लेनदेन से होता है।

कुछ यों भी सुनाई दिया--यह कोई हसनपुरा अकेले का मामला थोड़े ही है--बहुत सी सड़कों पर इस प्रकार के अस्थाई अतिक्रमण हैं--

साथ के दूसरे आदमी नें ऊंची आवाज में कहा, यह कोई अकेले जयपुर का ममला थोडे ही है, सारी नगर निकायों में करीब-करीब यही हाल है।

तीसरे आदमी नें कुछ भिन्न आवाज उठाई--आखिर गरीब आदमी परिवार चलाने के लिए यह सब करता है, उसके पास कोई बड़ी पूंजी नहीं होती, ओर कोई विकल्प नहीं होता, इसलिए थड़ी आदि लगाकर हजार-पांचसौ रोज कमाता है, तब परिवार को दाल-रोटी मिलती है--इनके लिए सरकारों के पास है कोई ओर विकल्प जिस से उनके परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति हो तो बताओ?

थोड़ी दूर पर एक सामाजिक कार्यकर्ता-नेता नुमा आदमी कुछ यों कहते सुना गया--जहां यातायात सुगम बनाने के लिए अतिक्रमण हटाया जाना जरूरी है, जरूर हटाएं किन्तु इन लोगों को अपना सामान, बिना नुकसान के हटाने का पर्याप्त समय दिया जाए।

ज्यादा अच्छा तो यह होगा कि इन लोगों को या तो अन्यत्र जगह देकर बैठाया जाए या घूम-घूम कर अपना धन्दा चलाने के लिए इनके लिए रूट तय करदें ताकि इनके सामने रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न न हो।

आगे उसने यों भी कहा कि जितने कोमर्सियल मॉल्स वगैरा बने है, उनमें से बहुत सों में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं। इतना ही नहीं बहुत से मॉल्स में पूरी बाउंड्री के आगे 2, 3 फिट ऊंचा और 4, 5, 6 लम्बा रैम्प बनाकर सड़कों पर अतिक्रमण किया हुआ है। इन रैम्पस पर मॉल्स में काम करने वाले कर्मचारी अपने वाहन खड़े कर देते है। ग्राहकों के वाहन सड़को पर अव्यवस्थित खड़े होते और यातायात अवरुद्ध करते है। इनकी तरफ कोई ध्यान क्यों नहीं देता?

10 दिन बाद घुमन्तु फिर हसनपुरा रोड से जा रहा था। स्थिति कुछ यों दिखी---अनुमानत: 15-20 थड़ियाँ-ठेले-सब्जी-फल-टी स्टाल आदि अपनी जगहों पर लगे थे। कुछ जगह खाई भी थी, वहां पर 1, 2 जगह रोड़ी, बजरी, ईट की ढेरियां लगी थी। कुछ अतिक्रमण मुक्त स्पेस में दुकानदारों नें अपना सामान जमाया हुआ था। एक राहगीर कहता जा रहा था, जिनकी सेटिंग थे, वे आ गये, दूसरे भी किसी न किसी प्रकार की सेटिंग बैठा ही लेंगे।

– महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

डबल इंजन सरकार का संकल्प

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी की गारंटी हो रही साकार

"अदम्य साहस, स्वाभिमान और शौर्य के कीर्ति स्तंभ महाराणा प्रताप अखिल विश्व के प्रेरणा पुंज हैं। इनकी जन्म और कर्मस्थली के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के लिए हम कृत संकल्पित हैं।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

पर्यटकों के लिए प्रेरणादायी

महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट

चावण्ड

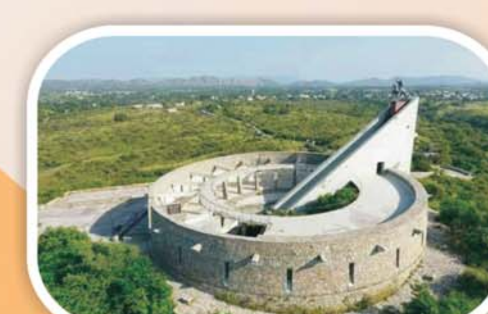

दिवेर

कुम्भलगढ़

गोगुन्दा

हल्दीघाटी

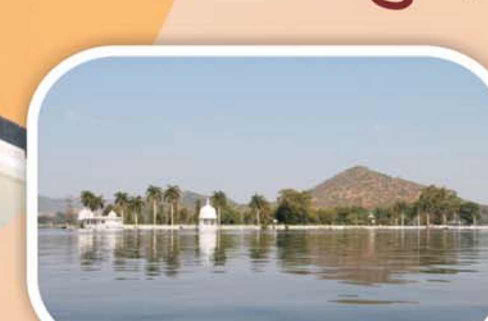

उदयपुर

इस हेतु

₹100 करोड़ का प्रावधान

आपणों अग्रणी राजस्थान

पर्यटन विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

नौ डी.आई.जी.और 39 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले

राज्य सरकार ने पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया, 65 आई. पी. एस. अधिकारियों के तबादले

- जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में पांच और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के चारों डीसीपी बदले हैं
- आईपीएस प्रीति चंद्रा को एडिशनल कमिश्नर डीसीपी ट्रैफिक जयपुर और डॉ. विकास पाठक को आईजी पुलिस कार्मिक पुलिस मुख्यालय के पद पर लगाया

जयपुर। राज्य सरकार ने पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के 65 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें 9 डीआईजी और 39 जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले हैं। वहीं दो आईपीएस को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। इसके अलावा जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में पांच और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में चारों डीसीपी बदले है।

कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में आईपीएस प्रीति चंद्रा को एडिशनल कमिश्नर डीसीपी ट्रैफिक जयपुर और डॉ. विकास पाठक को आईजी पुलिस कार्मिक पुलिस मुख्यालय के पद पर लगाया गया हैं। वहीं आपीएस अजय सिंह को डीआईजी पुलिस भर्ती और पदोन्नित बोर्ड जयपुर, योगेश यादव को डीआईजी सीआईडी सीबी जयपुर और मनीष अग्रवाल द्वितीय को डीआईजी आर्ल्ड बटालियन जयपुर लगाया गया हैं।

इसके अलावा सीकर एसपी देशमुख परिस अनिल को पदोन्नित के बाद डीआईजी के पद पर पहली पोस्टिंग मिली है। उन्हें डीआईजी एसओजी जयपुर लगाया गया हैं। इसी तरह से विकास शर्मा को डीआईजी एसएसबी जयपुर, डॉ. राजीव प्रचार को डीआईजी इंटेलिजेंस पुलिस मुख्यालय जयपुर, योगेश दाधीच को डीआईजी एसओजी जयपुर, मनोज कुमार को डीआईजी सिविल राइट्स और राजेंद्र कुमार को डीआईजी एसडीआरएफ लगाया गया है। वहीं अभिषेक शिवहरे का परिसहाय, राज्यपाल जयपुर के पद पर तबादला किया गया है।

इसके अलावा आईपीएस गौरव यादव को पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर, भुवन भूषण यादव को पुलिस उपायुक्त पूर्व, पुलिस आयुक्तालय जोधपुर के पद पर लगाया है। एपीओ चल रहे प्रहलाद सिंह कृष्णिया को पुलिस अधीक्षक सी.आई.डी (सीबी) जयपुर, शरद चौधरी को पुलिस उपायुक्त मुख्यालय पुलिस आयुक्तालय जोधपुर, राजन दुष्यंत को पुलिस उपायुक्त पश्चिम जोधपुर शहर पुलिस आयुक्तालय जोधपुर, शंकर दत्त शर्मा को पुलिस अधीक्षक सी.आई.डी क्राइम ब्रांच जयपुर, राम मूर्ति जोशी को पुलिस अधीक्षक सीकर, आलोक श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा, को ममता गुप्ता को पुलिस अधीक्षक सवाईमाधोपुर, जय यादव को पुलिस अधीक्षक डीडवाना-कुचामन, अभिजीत सिंह को पुलिस अधीक्षक बालोतरा, देवेंद्र कुमार विश्नोई को पुलिस अधीक्षक अजमेर, बिनीत कुमार बंसल को पुलिस अधीक्षक ब्यावर, श्याम सिंह को पुलिस अधीक्षक जालोर, चूनाराम जाट को पुलिस अधीक्षक पाली, मनीष त्रिपाठी को पुलिस अधीक्षक राजसमंद, सुधीर जोशी को पुलिस अधीक्षक, चित्तौड़गढ़, सुरेंद्र सिंह को पुलिस उपायुक्त, क्राइम पुलिस आयुक्तालय जयपुर, संजीव नैन को पुलिस अधीक्षक टोंक, नरेंद्र सिंह को पुलिस अधीक्षक केकड़ी, योगेश गोयल को पुलिस अधीक्षक उदयपुर, अनिल कुमार को पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी, मोनिका सेन को पुलिस उपायुक्त (यातायात) पुलिस आयुक्तालय जोधपुर और ज्ञान चन्द्र यादव को पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं के पद पर लगाया है।

वहीं आईपीएस करण शर्मा को पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण, कृष्ण चंद को पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (सीबी) जयपुर, राजेश कुमार यादव को पुलिस उपायुक्त मुख्यालय पुलिस आयुक्तालय, जयपुर, हनुमान प्रसाद मीणा को पुलिस अधीक्षक बूंदी, राजेश कुमार कॉवट को पुलिस अधीक्षक शाहपुरा, नरेंद्र सिंह मीणा को पुलिस अधीक्षक बाड़मेर, रमेश मौर्य को पुलिस अधीक्षक अनूपगढ़, राजेंद्र कुमार मीणा को पुलिस अधीक्षक चूरू, सुधीर चौधरी को पुलिस अधीक्षक जैसलमेर, कावेंद्र सागर को पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व पुलिस आयुक्तालय, हर्षवर्धन अगरवाला को पुलिस अधीक्षक बांसवाड़ा, डॉ. अमृता दुहान को पुलिस अधीक्षक कोटा शहर, राजेश कुमार मीणा को पुलिस अधीक्षक, डीग, दिगंत आनंद को पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण पुलिस आयुक्तालय, राजर्षि राज वर्मा को पुलिस अधीक्षक डूंगरपुर, वन्दिता राणा को पुलिस अधीक्षक सिरोही, विकास सांगवान को पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़, ज्येष्ठा मैत्रयी को पुलिस अधीक्षक कोटपुतली-बहरोड, अमित कुमार को पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम पुलिस आयुक्तालय, कुन्दन कंवरिया को पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़, सुशील कुमार को पुलिस अधीक्षक एसओजी जयपुर, बृजेश ज्योति उपाध्याय को पुलिस अधीक्षक धौलपुर, रंजीता शर्मा को पुलिस अधीक्षक दौसा, हरि शंकर को पुलिस अधीक्षक सांचोर, सुमित मेहरडा को पुलिस अधीक्षक करौली, प्रवीण नायक नूनावत को पुलिस अधीक्षक नीम का थाना, सागर को पुलिस अधीक्षक फलौदी, सुजीत शंकर को पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी और मनीष कुमार चौधरी को पुलिस अधीक्षक एससीआरबी जयपुर के पद पर लगाया गया है।

वहीं जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक, दूदू का और पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी अनिल कुमार को पुलिस अधीक्षक खैरथल-तिजारा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा।

आर.ए.एस. संदीप चौधरी निलंबित

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर आर.ए.एस. संदीप चौधरी को निलंबित कर दिया है। तारानगर (चुरू) के उपखंड अधिकारी चौधरी को राजस्थान सिविल सेवाएं नियम, 1958 के नियम-13 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार ने आदेश निलंबन आदेश दिया है। चौधरी का निलंबन अवधि में मुख्यालय, प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय के कार्यालय में रहेगा।

पीएम मोदी ने लाभार्थियों को किया संबोधित

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विकसित भारत विकसित राजस्थान कार्यक्रम के तहत प्रदेश की 17 हजार करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण, शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने प्रदेश की सभी विधानसभाओं के लाभार्थियों को वीसी के माध्यम से संबोधित भी किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपना उद्बोधन दिया। वहीं भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी प्रदेश कार्यालय के मुख्य हॉल में वीसी के जरिये संबोधन सुना।

राज्यपाल मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि 17 हजार करोड़ रुपए की रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेयजल, पेट्रोलियम सहित अन्य विभागों से संबद्ध विकास योजनाओं के राजस्थान में क्रियान्वित होने से आने वाले समय में प्रदेश तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर, महामंत्री महेंद्र सिंह पंवार, भाजपा कार्यालय प्रभारी महेश शर्मा, और पार्षद जितेंद्र श्रीमाली सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सी.एम.ने राधेश्याम गंगानगर के निधन पर शोक जताया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री राधेश्याम गंगानगर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. राधेश्याम का निधन भारतीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व देशवासियों के मानस पटल पर सदा अंकित रहेगा। शर्मा ने दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान देने व शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मिश्र से खींवसर ने की भेंट

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से शुक्रवार को प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी।

जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हड़कंप मचा

- 'डॉन ऑफ इंडिया' के नाम से आए ई-मेल के बाद सांगानेर एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने 2 घंटे तक चलाया सर्च ऑपरेशन
- राहत की बात यह है कि तकरीबन दो घंटे की छानबीन के बाद सुरक्षाबलों को ऐसी एक भी वस्तु नहीं मिली, जो संदिग्ध हो।
- दो महीने पहले भी जयपुर सहित आधा दर्जन एयरपोर्ट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी

जयपुर । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी का ई-मेल जयपुर एयरपोर्ट की ऑफिशियल आईडी पर मिलने के बाद शुक्रवार को हड़कंप मचा। इसके बाद एयरपोर्ट सुरक्षा जवानों के साथ ही बम निरोधक दस्ते की टीम ने करीब 2 घंटे तक एयरपोर्ट पर सर्च अभियान चलाया। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट थाने को भी शिकायत दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के साथ ही साइबर टीम भी जांच में जुट गई। राहत की बात यह है कि तकरीबन दो घंटे की छानबीन के बाद सुरक्षाबलों को ऐसे एक भी वस्तु नहीं मिले जो संदिग्ध हो।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 11:29 बजे पुलिस को जयपुर एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी देने के ई-मेल के बारे में सूचना मिली। जयपुर एयरपोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल पर अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भरा ई-मेल भेजा है। इसमें जयपुर एयरपोर्ट के लैंड स्केप एरिया को बम से उडाने की धमकी दी गई थी। एयरपोर्ट पर बम की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। साइबर की तीन टीमें ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, पैसेंजर्स को फीडबैक के लिए दी गई ई-मेल पर शुक्रवार सुबह "डॉन ऑफ इंडिया" नाम की आई.डी. से यह मैसेज आया। इसके बाद बी.डी.एस., सीआईएसएफ और डॉग स्क्वायड टीम की ओर से एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। करीब 2 घंटे चले सर्च ऑपरेशन में एयरपोर्ट परिसर में कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है।

ज्ञात रहे कि करीब 2 महीने पहले 27 दिसंबर को भी जयपुर सहित करीब आधा दर्जन से अधिक एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी दी गई थी। ऑफिशियल कस्टमर केयर आईडी पर ईमेल मिलने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया था। जांच में सुरक्षा एजेंसी और पुलिस को कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला था। जांच में कुछ नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली थी।

108 बार सामूहिक सूर्य नमस्कार किये

क्रीडा भारती की ओर से जयपुर के अल्बर्ट हाल, रामनिवास बाग में साधकों ने 108 सूर्य नमस्कार किया।

जयपुर। क्रीडा भारती की ओर से गुरुवार और शुक्रवार को राजस्थान के सभी जिलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। आयोजन में सभी आयु वर्ग के लाखों लोगों ने भाग लेकर स्वयं के स्वास्थ्य के साथ-साथ राष्ट्र का स्वास्थ्य अच्छा रखने का संकल्प लिया। स्वस्थ भारत- समर्थ भारत की कल्पना को साकार करते हुए शुक्रवार को जयपुर के अल्बर्ट हाल, रामनिवास बाग में 108 सूर्य नमस्कार करने वाले साधकों का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में 8 वर्ष से लेकर 67 वर्ष की आयु तक के व्यक्तियों ने 108 बार सूर्य नमस्कार बिना रूके एक ही बार में पूरे कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

इस अवसर पर जयपुर प्रांत के सह संघचालक डॉ. हेमंत सेठिया ने कहा कि एक स्वस्थ्य व्यक्ति से ही स्वस्थ्य समाज बनता हैं और स्वस्थ्य समाज से स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। इसी संकल्पना को ध्यान में रखकर क्रीड़ा भारती पूरे देश भर में स्वास्थ्य और खेलों पर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी से नागरिक अनुशासन का पालन करने और प्लास्टिक का उपयोग बंद करने संकल्प लेने का आव्हान किया।

क्रीडा भारती के प्रदेश संयोजक मेघसिंह चौहान ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए क्रीड़ा भारती के प्रयासों व सूर्यनमस्कार के लाभ बताए और इसे दिनचर्या का अंग बनाने का आव्हान किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, अंतरराष्ट्रीय योग गुरु ढाकाराम, जयपुर नगर निगम ग्रैटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर व डॉ. जीएल शर्मा, पंतजली और गायत्री परिवार सहित अनेक योग संगठन व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिभा रत्नू ने किया।

'खुद मंत्री और पत्नी जिला प्रमुख बनी, अब कह रहे हैं, मेरी मां गद्दार निकली, इससे दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं'

महेंद्रजीत मालवीय के कांग्रेस के खिलाफ दिए बयान पर डोटासरा और जूली का पलटवार

- 'भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले बौखलाहट में, वे जीत नहीं रहे, इसलिए कांग्रेस नेताओं को चुन-चुनकर बुला रहे हैं'

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय सहित कई कांग्रेसी नेताओं के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच मालवीय ने कांग्रेस के खिलाफ बयान देते हुए पुराना विजन नहीं होने का आरोप लगाया और तय कर दिया है कि वह कांग्रेस को छोड़ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थामने की चर्चा के बीच मालवीय ने कांग्रेस को लेकर जो बयान दिया है। उस बयान को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पलटवार करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा है।

मीडिया से बात करते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि वे भाजपा में जा रहे हैं या नहीं जा रहे। इसकी खबर आ जाएगी। कोई जाए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। किस उद्देश्य को लेकर जा रहे हैं, किस दबाव में जा रहे हैं। किस लालच में जा रहे हैं। समय आने पर खुलासा हो जाएगा। डोटासरा ने आगे कहा कि कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास करके, कांग्रेस को मां कहकर सांसद बने, पांच बार विधायक बने। खुद मंत्री और पत्नी जिला प्रमुख बनी। आज इस उम्र में जाकर वो ये कह रहे हैं कि मेरी मां गद्दार निकली। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता है। राजनीति में जो गिरावट आ रही है। उसका एक नमूना सामने है। अगर वो इस तरह की हरकत करते हैं।

मालवीय के कांग्रेस छोड़ने से पार्टी को नुकसान के सवाल पर डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में इससे कोई झटका नहीं लगेगा। अगर वो भाजपा में जाकर लोकसभा का चुनाव लड़ते हैं तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वो लोकसभा में नहीं जा पाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा अब भाजपा मुक्त हो रही है। जब वो कांग्रेस के लोगों को ले रहे हैं, तो भाजपा के लोग कहां जाएंगे। उनका मिशन है कि भाजपा की जो मूल विचारधारा है। उनके लोगों को और लीडरशिप को खत्म किया जाए। केवल पीएम मोदी दिखे उनके अलावा कुछ नहीं दिखे। इसी मिशन के तहत वे यह काम कर रहे हैं। मालवीय के साथ ही कुछ अन्य नेताओं के पार्टी छोड़ने की चर्चा के सवाल पर डोटासरा ने कहा कि ये कुछ भी कर लें, कोई नहीं जा रहा है। ये सब अफवाह फैलाकर इस तरह का वातावरण बना रहे हैं। इससे लगता है कि भाजपा-एनडीए की सरकार अबकी बार नहीं बनती दिख रही है। इसलिए इनमें बौखलाहट है। प्रधानमंत्री जो 370 सीट का दावा कर रहे थे। वो दंभ की बात है। उसमें कोई दम नहीं है। अबकी बार दिल्ली में एनडीए सरकार नहीं आ रही है। उस बौखलाहट में इस तरह से डरा-धमकाकर अपना पाला बदलवा रहे हैं। इसमें वो कामयाब नहीं होंगे। दिल्ली में इंडिया अलायंस की सरकार बनेगी। इसी मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अगर इसी के कारण वो गए हैं, तो मैं तो उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए तैयार हूं। वो कहते तो सही। यह सही नहीं है। जब कहीं जाने का मन होता है तो ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ा जाता है। रही बात मेरे काम की, तो मैं मेरा काम भली-भांति जानता हूं। इस पर मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वो सर्टिफिकेट मेरी पार्टी और जनता देगी। जूली ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले बौखलाहट में हैं। उनको लग रहा है कि वे जीत नहीं रहे हैं। इसलिए कांग्रेस के नेताओं को चुन-चुनकर बुला रहे हैं। दबाव देकर भाजपा में लेकर जा रहे हैं। भाजपा सक्षम है तो कांग्रेस के लोगों की जरूरत क्यों पड़ रही है। आप एक तरफ तो कह रहे हो 400 पार। फिर क्यों कांग्रेस वालों के पीछे पड़ रहे हो। चारों तरफ भर्ती खोल रखी है कि कोई आ जाए और हमारी तीसरी बार सरकार आ जाए।

आनन्द शर्मा, हिरेन जोशी संभालेंगे मुख्यमंत्री के मीडिया का काम

हिरेन जोशी

आनंद शर्मा

सतीश सरीन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मीडिया सलाहाकार को लेकर चल रहा लंबे समय का इंतजार खत्म हो गया। भजनलाल सरकार में मीडिया सलाहकार, कॉर्डिनेटर, जन समन्वय अधिकारी की नियुक्ति की गई है। पत्रकार हिरेन जोशी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मीडिया सलाहकार के रूप में मंजूरी मिल चुकी है, जबकि दो महीने से मुख्यमंत्री मीडिया का जिम्मा संभाल रहे आनंद शर्मा को मीडिया कॉर्डिनेटर बनाया गया है। वहीं एक आदेश में सीए सतीश सरीन को जन समन्वय अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

हिरेन जोशी राजस्थान की पत्रकारिता क्षेत्र का जाना पहचाना नाम हैं। जोशी एक बड़े मीडिया समूह में संपादक पद पर रहे हैं। लंबे समय से पत्रकारिता का अनुभव के साथ हिरेन एक अच्छे लेखक और वक्ता के रूप में भी पहचान रखते हैं। हीरेन मूलतः अलवर जिले के रहने वाले हैं और आरएसएस विचार परिवार के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे हैं। आध्यात्मिक विषयों पर भी पकड़ रखने वाले जोशी एक युवा चेहरे हैं।

दो महीने से मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मीडिया मैनेजमेंट को देख रहे आनंद शर्मा को मीडिया समन्वयक (कॉर्डिनेटर) की जिम्मेदारी दी गई है। पेशे से वकील आनंद शर्मा को भाजपा संगठन में काम करने का लंबा अनुभव, भाजपा में मीडिया संपर्क प्रमुख से लेकर अनेक महत्वपूर्ण भूमिका में रहे शर्मा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरुआत की थी।

इसके अलावा तीसरे आदेश में सीए सतीश सरीन को जन समन्वय अधिकारी की जिम्मेदारी मिली है।

जयपुर को खातीपुरा रेलवे स्टेशन की सौगात

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में 17000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित हुए खातीपुरा रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर 205 करोड़ की लागत से बनने वाले कोच केयर कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर कोच केयर कॉम्प्लेक्स एवं सेटेलाईट स्टेशन की सौगात देने के लिए जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। सांसद बोहरा ने कहा कि खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर कोच केयर कॉम्प्लेक्स बनने से जयपुर जंक्शन स्थित मेंटेनेंस डिपो पर दबाव कम होगा। इससे गाड़ियों का मेंटेनेंस खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर हो सकेगा।

जिससे जयपुर से संचालित होने वाली रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ सकेगी। सांसद बोहरा ने कहा कि 190 करोड़ रुपए की लागत से खातीपुरा रेलवे स्टेशन को सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है जिससे यहां से ट्रेनों का संचालन किया जा सकेगा। जिससे जयपुर जंक्शन एवं गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर यात्री भार कम होगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरे मकान- 117/544 मानसरोवर योजना के मूल दस्तावेज नोड्यूज लेटर थड़ी मार्केट से विजय पथ तक कहीं गिर गया है। मिलने पर सूचित करें- जितेंद्र मेठवानी- 7891112525

मेरे फ्लैट संख्या2/292,जवाहर नगर, जयपुर का ओरिजिनल डिक्लेरेशन लैटर कही खो गया है। मिलने पर सुचित करे-9001995453.जेठानंद गंगवानी

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम विवाहोपरान्त रेनूका गुरूनाथ भागवत (Renuka Gurunath Bhagwat) से बदल कर रेनू भागवत (Renu Bhagwat) पत्नी श्री अरविन्द प्रताप सिंह रख लिया है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है। निवासी- 3806, सदर्न हाईट्स अपार्टमेन्ट, एनआरआई कॉलोनी के सामने, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302033

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
क्र.सं. 687 **आम जाहिर सूचना** दि. 13.02.2024
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवासीय भूखण्ड संख्या- 4/H/115 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 236.25 वर्ग मीटर का आवंटन श्री सीताराम पिता महादेव प्रसाद, भोग श्री सीताराम जी खुद कास्त को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3646 दिनांक 22/05/2007 जारी किया गया था। श्री सीताराम अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 31/12/2008 को हो जाने के पश्चात् श्री राम किशन अग्रवाल पुत्र स्व. श्री सीताराम अग्रवाल के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, हकत्याग पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री राम किशन अग्रवाल पुत्र स्व. श्री सीताराम अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेंगी।
सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त तृतीय, रा. आ. म. जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
क्र.सं. 685 **आम जाहिर सूचना** दि. 13.02.2024
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवासीय भूखण्ड संख्या- 4/H/116 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 240.45 वर्ग मीटर का आवंटन श्री सीताराम पिता महादेव प्रसाद, भोग श्री सीताराम जी खुद कास्त को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3647 दिनांक 22/05/2007 जारी किया गया था। श्री सीताराम अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 31/12/2008 को हो जाने के पश्चात् श्री दिनेश कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री सीताराम अग्रवाल के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, हकत्याग पत्र एव मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री दिनेश कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री सीताराम अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवासीय भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेंगी।
सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त तृतीय, रा. आ. म. जयपुर

PUBLIC NOTICE
मंगलम हॉस्पीटल, सी-29-30-ए, बर्फखाना आदर्श नगर जयपुर। सूचित करता है कि 15 मार्च 2002 से 31 दिसम्बर 2018 का अन्तरंग रोगी मेडिकल रिकॉर्ड (जन्म एवं मृतक रोगी के रिकॉर्ड को छोडकर) सोनोग्राफी एवं लैब रिकॉर्ड अस्पताल की नीति और अन्य नियामक मानदण्डों के अनुसार नष्ट कर दिया जायेगा। यदि इस अस्पताल में उपरोक्त समय अवधि के बीच स्वास्थ्य लाभ के लिए भर्ती हुए तथा आपको भविष्य में अन्तरंग रोगी मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित करने की इच्छा है तो आपसे अनुरोध है कि इस काम में लिए टेलीफोन नं.0141-2603373, 8107368529 अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड विभाग में 17-2-24 से 16 मार्च 2024 तक समय 10 से 5 बजे तक सम्पर्क करें। आप इस नोटिस के प्रेक्षण की तारीख से इसके पश्चात इस अवधि के मेडिकल रिकॉर्ड की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की नहीं होगी।
प्रबन्धक
मंगलम् हॉस्पिटल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.बि.इंजी. (टी.आर.डी.), उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **(1) एनआईटी संख्या:** ईएल-टीआरडी-जेपी-2023-24-02-आर-III **कार्य का नाम:** टीआरडी वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोज्ड डेड-एन्ड एक्सटेंशन ऑफ लाईन नम्बर-3 एट मण्डावरिया स्टेशन इन फुलेरा-मदार सेक्शन ऑफ जयपुर डिविजन। **अनुमानित लागत:** ₹ 64,89,293.40/- **बिड सिक्युरिटि राशि:** ₹ 1,29,800/- **निविदा खोलने की तिथि:** 12.03.2024. **नोट:** **ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता:** http:/www.ireps.gov.in 206-DP/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 59/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री ललित मोहन भटनागर पुत्र श्री जी. एस. भटनागर निवासी मकान नं.23 रामालय वाटिका सिरसी रोड पांच्यावाला, जयपुर राजस्थान 302034 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मनस्विनी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट मकान नं.23 रामालय वाटिका सिरसी रोड पांच्यावाला, जयपुर राजस्थान 302034 ने राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.02.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 19.04.24
मोहर अदालत
आकाश रंजन (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय पारिवारिक न्यायालय क्रम 1 जयपुर स्थान महानगर-प्रथम
इन्द्रसिंह उर्फ सुखसिंह विरुद्ध मूमल कंवर
वाद/प्रार्थना पत्र 13 HMA
प्रार्थना-पत्र संख्या 147/2024 सन्
नाम श्रीमती मूमल कंवर पुत्री श्री गोविंद सिंह खंगारोत जाति राजपूत 173, ए.के. गोपालनगर, खातीपुरा तहसील जयपुर राज
उक्त इन्द्रसिंह उर्फ सुखसिंह ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 26 माह 03 सन् 24 को 10.00 AM पूर्वाह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल के तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 16 माह 02 सन् 24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-मुन्सरिम
पारिवारिक न्यायालय क्रम 1
जयपुर, महानगर-प्रथम जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
साधारण प्रारूप
व्यवहार प्रकिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक जि. जयपुर
गुलाबचन्द वगैरह बनाम श्रवण व अन्य
प्रार्थना पत्र 32/2021
प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 128 एलआर ऐक्ट
बनामः-1-श्रवण पुत्र रामदयाल 2-किशन पुत्र रामदयाल 3-औंकार पुत्र नारायण 4-कमलेश पुत्र धन्ना 5-मदन पुत्र धन्ना 6-पोखर पुत्र धन्ना 7-नाथू पुत्र हणमान समस्त जाति कुमावत निवासी दयालनगर काचरोदा तहसील फुलेरा जिला जयपुर। 8- तहसीलदार तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज.
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.............................
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 05/03/24 को 10.00 बजे ए. एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो । यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगे तो उक्त आदेश को सुनवायी और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
अतः आज दि.13/2/24 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी
सांभर लेक

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2, जयपुर महानगर प्रथम, कैलाश नारायण झालानी विरूद्ध जगदीश नारायण झालानी
48
14/02/2024 वाद/ प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 40 नियम1 प्रार्थना पत्र 02 सन् 2017
नाम श्री विपिन बिहारी झालानी पुत्र स्व. श्री जगदीश नारायण झालानी पता: बी -49, गणेश मार्ग, बापू नगर जयपुर। उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है।
अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 20 माह 02 सन् 2024 को प्रात: 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज दिनांक 14 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम 02, जयपुर महानगर प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2, जयपुर महानगर प्रथम, कैलाश नारायण झालानी विरूद्ध जगदीश नारायण झालानी
48
14/02/2024 वाद/ प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 40 नियम1 प्रार्थना पत्र 02 सन् 2017
नाम श्री आनन्द बिहारी झालानी पुत्र स्व. श्री जगदीश नारायण झालानी पता: बी -49, गणेश मार्ग, बापू नगर जयपुर। उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है।
अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 20 माह 02 सन् 2024 को प्रात: 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज दिनांक 14 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम 02, जयपुर महानगर प्रथम

राजस्थान में नई 'टाउन प्लानिंग पॉलिसी' लाने की तैयारी में जुटी भजनलाल सरकार

यू.डी.एच. प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने अफसरों की बैठक लेकर नगर नियोजनों की नीति व नियमों के पुनरावलोकन तथा टाउन प्लानिंग का नया अधिनियम लागू करने पर चर्चा की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान के शहरों व गांवों में सुनियोजित विकास के लिए सरकार जल्द ही टाउन प्लानिंग की नई पॉलिसी लाने की तैयारी में है। क्योंकि शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी और उच्च जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों में बहुमंजिला मकान बन रहे हैं, लेकिन इनकी नीतियां पुरानी है। इस कारण संकरी गलियों और छोटी-छोटी सड़कों पर बहुमंजिला इमारतें बन गई है, लेकिन लोगों को पार्क, सड़क और पानी-शुद्ध हवा जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही है।

शुक्रवार को नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने राजस्थान में बेहतर नगर नियोजन के लिए अधिकारियों की बैठक ली। इस मीटिंग में मुख्य नगर नियोजक राजस्थान, जयपुर विकास प्राधिकरण के आयोजना निदेशक, सभी अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक और वरिष्ठ नगर नियोजक उपस्थित रहे।

बताया जा रहा है कि टी. रविकांत की मौजूदगी में हुई इस बैठक में शहरों के सुनियोजित विकास के लिए नीतियां, नियम-उपनियमों का वर्तमान परिपेक्ष में भविष्य की जरूरत के हिसाब से पुनरावलोकन करने के बारे में चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान नगरीय एवं ग्रामीण अधिनियम वर्ष 2018 में बनाया गया था, लेकिन इस पर विशेष काम नहीं हो पाया है। करीब 5 साल का समय बीतने के बाद भी इसे लागू नहीं किया जा सका, जबकि देश के अधिकांश राज्यों में यह अधिनियम लागू किया जा चुका है।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने अधिकारियों की बैठक लेकर शहरों के सुनियोजित विकास पर चर्चा की।

- **टी. रविकांत ने नगर नियोजन अधिकारियों का एक दल मध्यप्रदेश में प्रचलित भवन नीति-नियमों का अध्ययन करने के लिए जल्द भेजने के निर्देश दिए**
- **राजस्थान नगरीय एवं ग्रामीण अधिनियम-2018, पांच साल बीतने के बावजूद प्रदेश में लागू नहीं हुआ, जबकि देश के अधिकांश राज्य इसे लागू कर चुके**

इस अधिनियम के लागू होने से नगर विकास के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के लिए भी एकीकृत योजनाबद्ध विकास के लिए योजना बनाई जाकर क्रियान्वित किया जा सकेगा। बैठक में टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बारे में चर्चा की गई, साथ ही इस पर भी पुनरावलोकन की जरूरत जताई गई। इस पॉलिसी के लागू होने से नई विकसित होने वाली योजनाओं में आमजन के लिए पार्क और जन सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी।

सूत्रों की मानें तो सभी नियम-उपनियमों के पुनरावलोकन के लिए नीति नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। नगर नियोजन से संबंधित एजेंसियां जैसे, जे.डी.ए, नगर विकास न्यास और अन्य विभाग के अधिकारी दूसरे राज्यों में जाकर वहां के नीति-नियमों का अध्ययन करेंगे। फिर इसे राजस्थान में भी लागू करने पर विचार होगा। टी. रविकांत ने नगर नियोजन विभाग के अधिकारियों का एक दल मध्य प्रदेश में प्रचलित भवन नीति-नियमों का अध्ययन करने के लिए शीघ्र भेजने को कहा।

इसके साथ ही नगर नियोजन विभाग के वरिष्ठतम अधिकारियों को अलग-अलग नगर विकास न्यास, प्राधिकरण एवं नगर निगमों में भेजा जायेगा। यह टीमें मौके पर जाकर योजनाओं के भवन ले-आउट तथा भवन स्वीकृति की तकनीकी पत्रावलियों का निरीक्षण करके आ रही कठिनाइयों के संबंध में रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करेगी। पूर्व में भी प्रमुख शासन सचिव की अध्यक्षता में नगर नियोजन विभाग के अधिकारियों के साथ दो बार बैठक कर चर्चा की जा चुकी है। टी. रविकांत ने नगर विकास न्यासों, प्राधिकरणों और नगर निगमों की ऑनलाइन सर्विसेज की ऑडिट करने के भी निर्देश दिए है।

बैठक में बताया गया कि सम्बंधित स्टेक होल्डर्स जैसे कि आर्किटेक्ट एसोसिएशन, बिल्डर्स एसोसिएशन, नगर विकास न्यास, प्राधिकरण तथा नगर निगमों के साथ अलग-अलग बैठक होगी। आगामी 5 मार्च को टाउन प्लानिंग एक्ट, 12मार्च को टाउनशिप पॉलिसी तथा 15 मार्च को डी.सी.आर. तथा 21 मार्च को जन आवास योजना की बैठक आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में नगर नियोजन से संबंधित विशेषज्ञ भी आमंत्रित किए जाएंगे, जिनसे सुझाव प्राप्त कर नगर नियोजन से संबंधित नीति नियमों में पुनरावलोकन में सहायता मिलेगी।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा

जयपुर । कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 में पास एक अभ्यर्थी की बायोमेट्रिक जांच में की गई तो उसका मिलान नहीं हुआ। इस पर अभ्यर्थी के खिलाफ जयसिंहपुरा खोर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस का मानना है कि अभ्यर्थी के स्थान पर किसी और ने परीक्षा दी थी। ऐसे में अब पुलिस उस आरोपी का भी पता लगाने में जुट गई है। पुलिस के अनुसार नोखा बीकानेर निवासी रामकिशन ने मामला दर्ज करवाया कि 13वीं बटालियन आरएसी (जेल सुरक्षा) चैनपुरा में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 में लिखित परीक्षा में पास एक अभ्यर्थी अशोक कुमार निवासी विजयपुरा सीकर निवासी आया था। इस पर उसका सत्यापन करने के लिए अभ्यर्थी की अंगुली की बायोमेट्रिक लिया गया, लेकिन लिखित परीक्षा में बैठे अभ्यर्थी से उसका मिलान नहीं हुआ। इस पर परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने सहित अन्य धाराओं में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर । अशोक नगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से 50.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और 35 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाली महिला तस्कर नैनी देवी और मालती देवी को को गिरफ्तार किया गया है और दोनों ही दूनी जिला टोंक हाल अशोक नगर थाना इलाके की रहने वाली है।

ज्योतिष विज्ञान ही दे सकता है अंधकार से छुटकारा : पं.किशन

जयपुर । दिल्ली में प्रगति मैदान के नक्षत्र हॉल नं.7 स्टाल नं. 7बी-6डी, पर रामा शिवशक्ति भृगु दरबार मंदिर का स्टाल आम लोगों की जिज्ञासा व आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

स्टाल पर काफी भीड़ उमड़ी हुई है। मंदिर में गोल्ड मैडलिस्ट पंडित किशन लाल शास्त्रों द्वारा संशोधन करके जन्मपत्री हस्तरेखा देखकर जीवन का पूरा हाल बताते हैं। उनका कहना है कि ज्योतिष वेदों का नेत्र माना जाता है। जिस प्रकार से व्यक्ति अपने नेत्रों के सारे संसार को देखता है, उसी प्रकार से व्यक्ति के भविष्य जानने के लिये ज्यातिष का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है और हजारों लोगों ने फायदा उठाया है। उन पर ही विश्वास करके अपनी समस्याओं को जाने ना कि किसी दिखावटी व सजावटी चीजों पर विश्वास करें, नहीं तो बाद में उन्हें पछताना पड़ सकता है और जिसके कारण अंधविश्वास पैदा हो जाता है क्योंकि पूर्ण ज्यातिष विज्ञान को ग्रहण करने में सालों लग जाते हैं। इसलिये दिखावट पर ना जाएं। व्यक्ति के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिये ज्योतिष अच्छा मार्गदर्शन देता है जिससे व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली परिस्थितियों का निवारण ग्रहों की पूजा जप-दान आदि करके अपने अनुकूल फल प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन में ज्योषि विज्ञान का बहुत महत्व है।

आवासन आयुक्त ने प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स का जायजा लिया

जयपुर । आवासन आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने शुक्रवार को मानसरोवर में प्रगतिरत फांउटेन स्क्वायर, बॉटनिकल गार्डन और प्रतापनगर में ए.आई.एस. रेजिडेंसी फेज-प्रथम तथा इंदिरा गांधी नगर में 200 फीट गंगा मार्ग के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी-अभियंता विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उन्हें समय पर पूरा करें, जिससे आमजन को शीघ्र सुविधाएं मिल सके।

इंद्रजीत सिंह ने मानसरोवर के उप आवासन आयुक्त वृत्त कार्यालय में प्रस्तावित जन सुनवाई केन्द्र की योजना पर मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी विकास राजपुरोहित के साथ विस्तृत चर्चा की और प्रतापनगर स्थित कोचिंग हब का अवलोकन भी किया। उन्होंने मानसरोवर चौपाटी एवं प्रतापनगर में उप आवासन आयुक्त वृत्त कार्यालय का औचक निरीक्षण किया।

इंद्रजीत सिंह ने कि आगामी दिनों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से हाऊसिंग बोर्ड के प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कराया जायेगा। ऐसे में अधिकारी शीघ्र लंबित कार्यो को पूर्ण करें। संबंधित अभियंता विकास और निर्माण कार्यों में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का ही उपयोग करें। कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने पर संबंधित अभियंता की जिम्मेदारी तय की जाएगी और उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि मानसरोवर में प्रस्तवित जन सुनवाई केन्द्र को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसे नागरिकों की समस्त आवष्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की मंषा के अनुरूप मण्डल के कार्मिक समय पर कार्यालय आए और पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करें। इंद्रजीत सिंह ने मण्डल के समस्त कार्यालयों में सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के विशेष निर्देश भी दिए। दौरे में मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल सहित संबंधित अभियंता और उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

एल.आई.सी. की 'अमृतबाल' योजना शुरू

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड (एल.आई.सी.) ने "अमृतबाल" योजना शुरू की है, जो कि 17 फरवरी 2024 से बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। केन्द्रीय वित्त सचिव डॉ. विवेक जोशी ने इसका शुभारंभ किया।

अमृतबाल योजना की बात करें तो यह व्यक्तिगत, बचत और जीवन बीमा योजना है। खासकर इसे बच्चों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि संचय के उद्देश्य के साथ बनाया गया है। यह शुरूआत से लेकर पॉलिसी अवधि के अंत तक प्रत्येक पॉलिसी वर्ष में 80 रुपये प्रति हजार मूल बीमा राशि के हिसाब से निश्चित अभिवृद्धि देगा, बशर्ते पॉलिसी लागू हो।

इस योजना में प्रवेश के समय न्यूनतम आयु 0 वर्ष (30 दिन पूर्ण) है, जबकि अधिकतम 13 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिए इसे खरीदा जा सकता है। पॉलिसी परिपक्वता पर न्यूनतम आयु 18 वर्ष (पिछला जन्मदिन) है, जबकि अधिकतम आयु 25 वर्ष हो सकती है।

केन्द्रीय वित्त सचिव डॉ. विवेक जोशी ने एल.आई.सी. की 'अमृतबाल' योजना का शुभारंभ किया।

एल.आई.सी. इस प्लान में 5 से 7 वर्ष तक लघु प्रीमियम भुगतान अवधि की सुविधा भी मुहैया करवाता है। सीमित/एकल प्रीमियम भुगतान के लिए अधिकतम पॉलिसी वर्ष 25 है। इस योजना में न्यूनतम बीमा राशि 2 लाख है, जबकि अधिकतम राशि कोई सीमा नहीं (शर्तों के अधीन) है। परिपक्वता राशि को 5, 10 अथवा 15 वर्षों तक किश्तों में लेने की सुविधा भी इस स्कीम में मिलेगी। प्रस्तावक के पास एकल प्रीमियम और सीमित प्रीमियम भुगतान में से प्रत्येक के तहत उपलब्ध दो विकल्पों के अनुसार "मृत्यु पर बीमा राशि" चुनने का विकल्प होगा। जोखिम कवर अवधि के दौरान चालू पॉलिसी के लिए "मृत्यु पर बीमा राशि" के साथ अर्जित निश्चित अभिवृद्धि एकमुश्त दी जायेगी। शर्तों के अधीन पॉलिसी अवधि के दौरान ऋण उपलब्ध होगा।

भर्ती परीक्षाओं में गलत जवाब को सही करने का झांसा देकर ठगने वाला दबोचा

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अभ्यर्थी से अनूठे तरीके से ठगी करने वाले बदमाश को पुलिस ने दबोचा है। बदमाश परीक्षाओं की ओएमआर शीट (आंसर शीट) में गलत जवाब को सही करने के नाम पर ठगी कर रहे थे। एसओजी की टीम ने ऐसे ठगी करने वाले एक बदमाश महेन्द्र चैधरी को गिरफ्तार किया है। जो बाड़मेर का रहने वाला है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है। आरोपी महेंद्र चौधरी अपने गिरोह के साथ हर अभ्यर्थी से 3 लाख रुपए लेकर ठगी कर रहा था। इस मामले में पुलिस आरोपी के दो साथियों की तलाश कर रही है।

- **हर अभ्यर्थी से 3 लाख रुपए वसूल रहा था यह गिरोह, शेष दो बदमाशों की तलाश जारी**

एसओजी-एटीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि ओएमआर शीट में गलत उत्तर को सही करने का झांसा देकर ठगी करने वाले बदमाश को दबोचा है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने अब तक कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया और कितने रुपए लिए है, इसकी जानकारी ली जा रही है। इस प्रकार से ठगी करने की सूचना मिली थी। सूचना पर आरोपी से सम्पर्क किया गया। आरोपी ने मिलने के लिए स्टेच्यू सर्किल पर बुलाया। इस पर टीम के एक सदस्य को बोगस ग्राहक बनाकर भेजा गया और आरोपी को वहां से दबोच लिया।

पूछताछ में सामने आया कि व्यक्ति को जाल में फंसाने के लिए आरोपी उसे परीक्षा की कार्बन आंसर सीट लेकर बुलाते थे। सीट देखने के बहाने उनका एक साथी मोबाइल से उसकी फोटो खींच लेता और उसका प्रिंट निकालकर अभ्यर्थी को बता कर झांसे में ले लेते थे। आरोपी अभ्यर्थी उसकी कार्बन कॉपी के उत्तर बताकर उसे सही करने की बात कहते और उसके सामने ही फोटो से निकाले गए प्रिंट को फाड़ देते और उसकी जगह पर दूसरी सीट लगाने का झांसा देकर उससे रुपए ऐंठ लेते थे।

वीके सिंह ने बताया कि आरोपी पूर्व में डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा दिलाने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी ने अपने स्थान पर किसी और से परीक्षा दिलानी चाही थी , लेकिन पकड़ा गया। इस मामले में डमी कैंडिडेट और महेंद्र दोनों को गिरफ्तार किया गया था।

पांच साल के बच्चे से कुकर्म, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । शास्त्री नगर इलाके में घर के बाहर खेल रहे 5 साल के बच्चे के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। बच्चा रोया और चीख तो आरोपी वहां से भाग गया। हालांकि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बच्चों से लैंगिक अपराध की धाराओं और पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित बच्चा 5 साल का है और उसका मेडिकल कराया गया है। दर्ज रिपोर्ट पर पुलिस ने बताया कि शास्त्री नगर इलाके में एक कॉलोनी में बच्चा अपने घर के बाहर ही खेल रहा था। इसी दौरान वहां पास ही रहने वाला विजय नाम का एक खानाबदोश युवक आ गया। उसने बच्चे को साथ ले जाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं गया। तो बच्चे का मुंह दबाकर जबरन उसे उठा ले गया और नजदीक ही एक सुनसान से पड़े मकान में ले गया। इस दौरान वहां खेल रहे और बच्चे डर के मारे भाग गए। सुनसान मकान में ले जाने के बाद विजय ने बच्चे को पीटा, उसके साथ गंदा काम किया। बच्चा दर्द के कारण चीखने लगा तो उसे और पीटा और फिर वहां से फरार हो गया। बच्चा रोता हुआ घर पहुंचा तो उसकी हालात देखकर मां के रौंगटे खड़े हो गए। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस बीच पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने फरार होने से पहले आरोपी विजय को गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेशभर में 1645 किलो खाद्य सामग्री जब्त

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 3570 किलो अशुद्ध सामग्री नष्ट करवाई

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने तथा मिलावट के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए शुरू किए गए 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य एवं सुरक्षा आयुक्तालय की टीमों द्वारा प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण शिव प्रसाद नकाते ने बताया कि 15 फरवरी को प्रदेशभर में एनफोर्समेंट की 81 एवं सर्विलेंस की 82 कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि टीमों ने प्रदेशभर में 1645 किलो खाद्य सामग्री जब्त की और 3570 किलो अशुद्ध सामग्री नष्ट की गई। इसी प्रकार मोबाइल फूड टेस्टिंग लेब के माध्यम से 523 नूमनों की जांच की गई। फूड सेफ्टी टेनिंग एण्ड सर्टिफिकेशन के लिए 4 कैम्प आयोजित किए गए तथा खाद्य अनुज्ञा पत्र के लिए 7 रजिस्टेशन कैम्प लगाए गए।

- **'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत प्रदेशभर में कार्रवाई कर रहा विभाग**
- **मोबाइल फूड टेस्टिंग लेब ने भी 523 नूमनों की जांच की**

उल्लेखनीय है कि प्रदेश भर में अभियान के तहत मिलावटखोरों पर सख्ती से शिकंजा कसा जा रहा है। खाद्य पदार्थों की सैम्पलिंग, सर्विलेंस, जब्ती और अशुद्ध खाद्य पदार्थों के नष्टीकरण की कार्रवाई की जा रही है। राज्य के खाद्य कारोबारियों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के निर्माण भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय से संबंधित जानकारी एवं प्रमाणीकरण के लिए शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। अभियान में अधिक जोखिम वाले खाद्य पदार्थों का प्रमाणीकरण करने के साथ ही निर्माता फर्मों की ऑडिट भी की जा रही है। अभियान के दौरान मोबाइल लेब के माध्यम से मौके पर खाद्य पदार्थों की जांच और फूड लाइसेंस के लिए रजिस्ट्रेशन भी किए जा रहे हैं। साथ ही ईट राइट स्कूल, ईट राइट कैम्पस, ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप, ईट राइट स्टेशन, ईट राइट क्लीन स्ट्रीट, ईट राइट वेजिटेबल मार्केट का प्रमाणीकरण किया जा रहा है। आमजन को शुद्ध एवं स्वच्छ खाद्य पदार्थों तथा श्रीअन्न (मोटा अनाज) की उपयोगिता के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

सार-समाचार

पानी के टैंक में गिरने से मां-बेटी की मौत

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा थाना इलाके में पानी के टैंक में गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। घटनाक्रम को लेकर ससुराल और पीहर पक्ष की तरफ से शिकायत दी गई है। सुसाइड के कारणों की जांच की जा रही है। घटना विनायक विहार टोडी की है। पुलिस के अनुसार विनायक विहार टोडी निवासी 22 वर्षीय ज्योति और उसकी 11 माह की बेटी चारवी का शव गुरुवार शाम को घर में बने पानी के टैंक में पड़ा मिला। शाम को काफी देर तक दोनों परिजनों को घर में नहीं मिले तो उनको खोजा गया। इस पर घर के बाहर बने पानी के टेंक के बाहर ज्योति की साड़ी नजर आई। इस पर दोनों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जयपुर (कासं)। मानसरोवर में मेट्रो स्टेशन के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी। वेटर को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले की जांच दुर्घटना थाना साउथ कर रही है। पुलिस ने बताया कि सवाई माधोपुर निवासी 39 वर्षीय जावेद खान शादी-ब्याह में वेटर के रूप में काम करता था। 15 फरवरी की रात 11 बजे वह काम से लौट रहा था। न्यू आतिश मार्केट नाले के पास तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। मृतक वर्तमान में पालडी मीणा में झुग्गी झोपड़ी में रह रहा था।

फरार हुए दो और बाल अपचारी पकड़े

जयपुर । ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में स्थित बाल सुधार गृह की खिड़की काटकर 12 फरवरी की अलसुबह भागे 23 बालअपचारियों में से शुक्रवार को दो बाल अपचारियों को और पकड़ लिया गया है। गुरुवार को भी पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को पकड़ा था। अब तक पकड़े गए बाल अपचारियों की संख्या ग्यारहह हो चुकी है। अब लॉरेंस गैंग के शूटर सहित करीब बारह बालअपचारी पुलिस की पकड़ से दूर है। ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी जुल्फीकार ने बताया कि शुक्रवार को मानसरोवर से दो बाल अपचारियों को दबोचा है। इन बाल अपचारियों को पूछताछ के बाद बाल सुधार गृह भिजवा दिया गया है।

जे.डी.सी.ने की राजस्व वृद्धि पर चर्चा

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को रेरा से अनुमोदित योजनाओं की वर्तमान स्थिति और राजस्व सृजन को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें सचिव हेमपुष्पा शर्मा और वित्त निदेकश समेत कई अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जोन 6 से सम्बन्धित लोहामंडी योजना, जोन-12 से सम्बन्धित नाहरी का बास व मंशारामपुरा योजनाएं, जोन-14 से सम्बन्धित जयचन्दपुरा व कोकावास योजना तथा रिंग रोड परियोजना के बारे में चर्चा की गई। जेडीए आयुक्त ने कहा कि, इन सभी योजनाओं में समुचित डिमार्केशन, पहुँच रास्ता तथा भूखण्डों को चिन्हीकरण करके नियमानुसार आवंटन तथा नीलामी की कार्रवाई की जाये। जोन उपायुक्त सम्बन्धित क्षेत्र में ग्रीनबेल्ट विकसित करने के लिए भूमि चिन्हित करे। ताकि इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया हो सके। उन्होंने इन सभी प्रोजेक्ट्स पर काम करने को कहा।

दिल्ली में ज्वैलर को लूटकर फरार हुआ गैंगस्टर गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने आरोपी निर्मल सिंह को पकड़कर दिल्ली पुलिस के हवाले किया

जयपुर (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने दिल्ली के एक ज्वैलर से फिल्मी स्टाइल में हुई लाखों के जेवर और नकदी लूट के मामले में फरार चल रहे पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया हैं।

अपराध शाखा के पुलिस अधीक्षक करण शर्मा ने बताया कि करीब आठ महीने पहले दिल्ली के एक ज्वैलर से लाखों के जेवर और नकदी की लूट की वारदात हुई थी। मामले में इनामी गैंगस्टर निर्मल सिंह (24) निवासी भैंसलाना थाना सरुण्ड जिला कोटपूतली-बहरोड को पकड़कर दिल्ली पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

शर्मा ने बताया कि एजीटीएफ को सूचना मिली थी कि कोटपूतली बहरोड के आसपास 15-20 बाउंसर्स ने एक गिरोह बना रखा है। वह धमकी देकर अवैध वसूली, अवैध बजरी के खनन, मारपीट कर लूटपाट एवं चोरी आदि अवैध कार्यों में संलिप्त है। थाना सरुण्ड निवासी निर्मल सिंह इस गिरोह का सरगना है। वह अभी किसी बड़ी वारदात करने की फिराक में है।

इस सूचना पर पुलिस टीम गठित कर उसे कोटपूतली बहरोड जिले की ओर रवाना किया गया। सूचना पुख्ता होने पर स्थानीय पुलिस के साथ घेराबंदी कर बदमाश निर्मल सिंह को पकड़ने का प्रयास किया गया। इस दौरान वह मौके से भाग निकला।

- **बदमाश ने पुलिस की पकड़ में आने के बाद भी तीन बार गाड़ी का गेट खोल भागने का प्रयास किया।**
- **आरोपी गैंगस्टर पार्ट टाइम में जयपुर की बड़ी होटल व क्लब में बाउंसर का काम करता था।**
- **वह अवैध वसूली, बजरी खनन, लूटपाट, चोरी जैसे अवैध कार्यों में संलिप्त था।**

पीछे करने के दौरान एसजीटीएफ के एएसआई बनवारी लाल चोटिल हो गए। इसके बाद भी लगातार भागते हुए बदमाश निर्मल सिंह का पीछा किया और टीम के सहयोग से उसे दबोच लिया। इनामी बदमाश के पकड़े जाने पर टीम ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दिल्ली पुलिस से आए हैड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह मय जाब्ता को बदमाश को सुपुर्द किया गया।

एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश ने बताया कि करीब आठ महीने पहले निर्मल सिंह और उसकी गैंग के अन्य सदस्यों ने दिल्ली में एक ज्वैलर की गाड़ी का पीछा किया।

फिल्मी स्टाइल में व्यापारी की गाड़ी के आगे अपनी गाड़ी लगाकर रुकवाया और हथियार दिखाकर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी लूट ली। बाउंसर का काम करने वाले गैंगस्टर निर्मल सिंह ने व्यापारी से लूट के बाद मिले जेवर और नकदी से एक थार गाड़ी, एक बुलेट बाइक, एक आईफोन खरीदने के साथ अपने मकान का काम कराया। साथ ही अपने जीजा को भी बोलेरो जीप दिलवाई। जयपुर ग्रामीण जिले के थाना प्रागपुरा में भी मुकदमा दर्ज है।

आरोपी गैंगस्टर पार्ट टाइम में बाउंसर का काम करता है। जयपुर की बड़ी होटल, क्लब, शहर में होने वाले विभिन्न इवेंट्स आदि में पार्ट टाइम बाउंसर का काम करता है। अवैध वसूली, बजरी खनन, लूटपाट, चोरी जैसे अवैध कार्यों में संलिप्त है। पकड़ने के बाद जब टीम इस गाड़ी से ला रही थी। तब भी इसने तीन बार गाड़ी का गेट खोल भागने का प्रयास किया।

World Human Spirit Day

So many of people's statements nowadays end with 'the world as we know it.' *World Human Spirit Day* is a celebration of the fact that what humans truly know about 'our own world' is limited and superficial. It is a day to wonder at the achievements on this planet as humans, as well as to contemplate the endless possibilities that humans possess in their spirits. *World Human Spirit Day* is a day to search within, for contentment and to embrace the fact that we do not have all the answers and that may be for the best.

#GOOD-CAUSE

The Surprising Benefits Of 'Donating Blood'

Blood donation is safe for healthy adults. There's no risk of contracting disease.

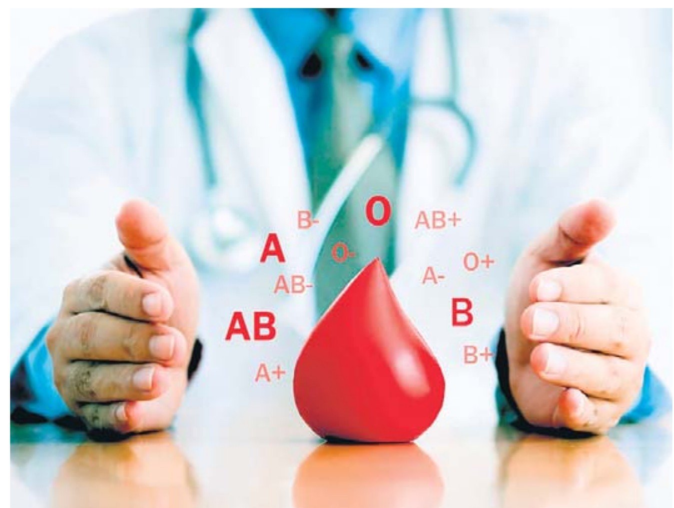

There's no end to the benefits of donating blood, for those who need it. It also turns out that donating blood doesn't just benefit recipients. There are health benefits for donors, too. 'Donating blood' can help people to 'maintain good health.' Read on to learn the health benefits of 'donating blood' and the reasons behind them.

Benefits

Donating blood has benefits for your emotional and physical health. According to researches, helping others can:

- reduce stress
- improve your emotional well-being
- benefit your physical health
- help get rid of negative feelings
- provide a sense of belonging and reduce isolation

A Healthier Heart and Vascular System

Regular blood donation is linked to lower blood pressure and a lower risk for heart attacks. It definitely helps to reduce cardiovascular risk factors. What's the connection? If your haemoglobin is too high, blood donation helps to lower the viscosity of the blood, which has been associated with the formation of blood clots.

A Happier, Longer Life

People usually donate because it feels good to help others, and altruism and volunteering have been linked to positive health outcomes, including a lower risk for depression and greater longevity.

Free health check-up

In order to give blood, you're required to undergo a health screening. A trained staff member performs this check-up. They'll check your:

- pulse
- blood pressure
- body temperature
- haemoglobin levels

This free mini-physical can offer excellent insight into your health. It can effectively detect problems that could indicate an underlying medical condition or risk factors for certain diseases.

During the Donation

You must register to donate blood. This includes providing identification, your medical history, and undergoing a quick physical examination. You'll also be given some information about blood donation to read.

Once you're ready, your blood donation procedure will begin. Whole blood donation is the most common type of donation. This is because it offers the most flexibility. It can be transfused as whole blood or separated into red cells, platelets, and plasma for different recipients.

Side effects of donating blood

Blood donation is safe for healthy adults. There's no risk of contracting disease. New, sterile equipment is used for each donor. Some people may feel nauseous, lightheaded, or dizzy after donating blood. If this happens, it should only last a few minutes. You can lie down with your feet up, until you feel better.

For a whole blood donation procedure

- You'll be seated in a reclining chair. You can donate blood either sitting or lying down.
- A small area of your arm will be cleaned. A sterile needle will then be inserted.
- You'll remain seated or lying down while a pint of your blood is drawn.
- When a pint of blood has been collected, a staff member will remove the needle and bandage your arm.

Why do people donate?

Everyone has their own reasons for donating blood, but a few common ones include:

- Donating is a generous thing to do. It helps people in need, and it helps people in your community. When you give, others live.
- Donors, especially those who donate regularly, keep our nation's blood supply stable. Blood is needed every day of the year.
- There is no substitute for blood. Donors provide the only supply of 'life-saving blood' for those in need.
- Donating is simple, fast, and convenient. The donation process can take as little as 45 minutes of your time, but can make a lifelong difference for someone else.

A Jew Singing Sufi

He travelled to India and pursued his interest in *Hindustani classical music*, by studying under the tutelage of *Ustad Zia Fariduddin Dagar*, for a number of years. Incidentally, even today, he continues to draw inspiration by studying under the guidance of *Dhrupad Maestro Ustad Bahauddin Dagar*. Shye later diverted from Indian classical music and began to compose and sing traditional *Qawwali*, in his own mother tongue, Hebrew. Subsequently, he also began to explore the world of *Rajasthani* folk music and thus, began his journey of collaborating with a number of varied and talented musicians from across the state.

Shye Ben Tzur.

Shye Ben Tzur with Jonny Greenwood.

#SHYE BEN TZUR

Sanjay Singh Badnor
Wanderlust, travel writer and an acclaimed photo journalist

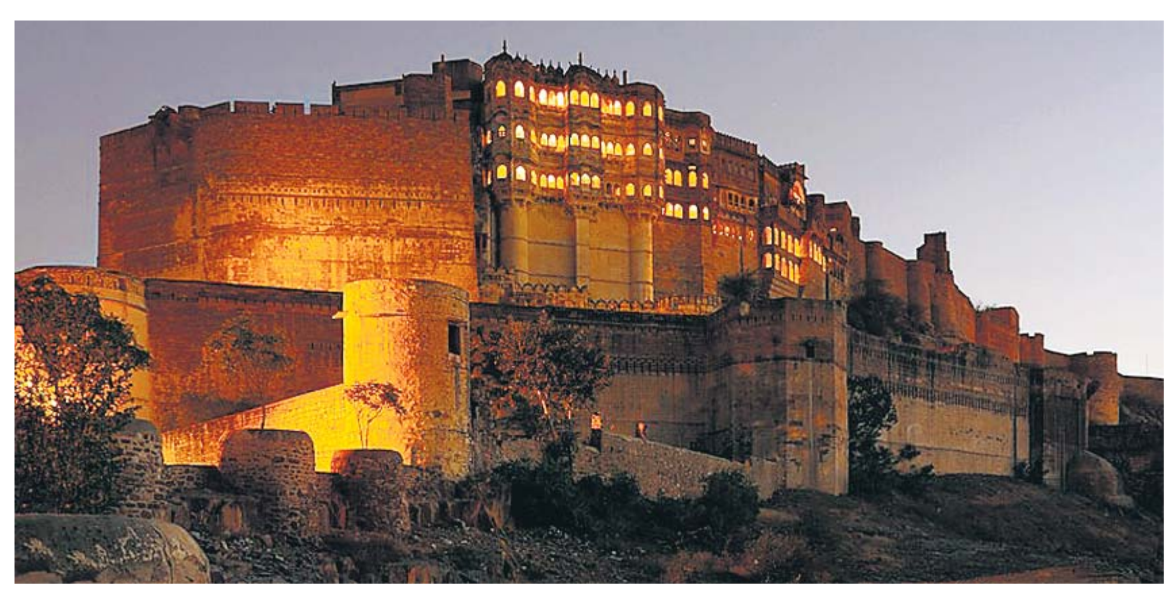

The melodious *Meera Bhajan* has the august audience entranced and swaying, while the unusual fusion of an array of instruments, performed by an equally interesting ensemble of accompanying musicians, makes the tempo even more exuberant. Apart from the distinctive lyrics of the *bhajan*, '*Chala Vahi Des, Pritam Pawaa, Chala Vahi Des*,' penned by the renowned poetess-princess, *Meera*, one is also able to hear strains of *Hebrew lyrics* being sung by the acclaimed Israeli composer and Vocalist, *Shye Ben Tzur*, who in tandem with his 10 member band, *The Rajasthan Express*, and is specially performing this evening, under the glorious environs of the fabled art deco, *Umaid Bhawan Palace at Jodhpur*, on the joyous occasion of the 75th birthday of Maharaja Gaj Singhji II of Marwar - Jodhpur.

As an integral part of the audience, I can't help but notice the curiousness and the bewilderment amongst the listeners. The rather 'unusual ensemble' certainly calls for introspection.

My association with Shye Ben Tzur goes back to over a decade. At an equally electrifying musical performance at Jaipur at an exotic heritage venue, I first heard the very talented Shye Ben Tzur, performing collectively with local *Rajasthani* performers and was immediately mesmerized by his abundant talent. Shye was not only singing Rajasthani vocals, he was also intermittently singing in Hebrew, Urdu and Hindi, and this 'heady cocktail' had the audience and me, especially, spellbound. After the conclusion of the performance, I went to him to congratulate and we began talking only to discover our common link of 'Ajmer.' Shye's wife happens to belong to Ajmer.

Formerly, a member of the rock band, *The Sword of Damocles* during his college days in Israel, Shye's interest in Indian Classical music developed in the 1990's after he attended a concert featuring Indian Classical musicians, Flautist, Hariprasad Chaurasia and Tabla maestro Ustad Zakir Hussain at Jerusalem. Soon thereafter, he travelled to India and pursued his interest in *Hindustani classical music*, by studying under the tutelage of *Ustad Zia Fariduddin Dagar*, for a number of years. Incidentally, even today, he continues to draw inspiration by studying under the guidance of *Dhrupad Maestro Ustad Bahauddin Dagar*. Shye later diverted from Indian classical music and began to compose and sing traditional *Qawwali*, in his own mother tongue, Hebrew. Subsequently, he also began to explore the world of *Rajasthani* folk music and thus, began his journey of collaborating with a number of varied and talented musicians from across the state.

Shye began his Indian musical journey from Varanasi. "Ever since my first brush with Hindustani classical music, that I experienced when I heard the Maestro Flautist Hariprasad Chaurasia and Tabla exponent Zakir Hussain, at a concert at Jerusalem, I wanted to delve and explore the world of *Hindustani music*." However, what Shye did not realize was the enormity of Indian music, its vastness, the umpteen different traditions and varied cultures. "It was at Varanasi that I learnt about the numerous musical genre's in the realm of *North Indian musical styles* such as *Dhrupad* and *Khayal* and it was also here that while researching about poetry and Sufi writings, I stumbled upon the *Sufi Qawwali singing*," adds Shye. "I also realized that the *Sufis* in India have a special relationship between spiritual worship and music and it was, while trying to explore this dimension, that brought me to *Ajmer*." The Sufi branch of the *Chishti Silsila* were having their spiritual gathering at Ajmer due to the sacred shrine of *Khwaja Moinuddin Chishti* and the *Sam*a and the *Mehfils*, that would be taking place, would be incredibly ecstatic and Shye thought it to be the 'perfect place' to look for answers and the connection between 'Sufi music and spiritual elevation.' Shye then joined a particular Sufi order (*Silsila*), known as the *Gudri Shahi Silsila* and was accepted into its *Khanka* or the spiritual centre. Shye received tutelage under Hazrat Imam Hassan, the head of the *Gudri Shah Silsila* and lived there for many years. It was here that he met his wife, who was the daughter of *Hazrat Imam Hassan Saheb* and thus began his love story, intertwined with *Sufi music*.

> "It was at Varanasi that I learnt about the numerous musical genre's in the realm of *North Indian musical styles* such as *Dhrupad* and *Khayal* and it was also here that while researching about poetry and Sufi writings, I stumbled upon the *Sufi Qawwali singing*," adds Shye.

It was Shye's interest in Sufi music that had brought him to 'Ajmer' and he began to collaborate with the *Qawalls* from 'Ajmer' and for several years thereafter, he focused on composing original *Qawwali music* to Hebrew, Urdu and Hindi poetries.

Shye's experiments with North Indian musical forms and rhythms, in conjunction with western elements, resulted in a unique fusion of *Rajasthani folk*, *Sufi devotional* and *Hebrew dominated* style of music, that also saw the beginning of the collaborative musical band, *The Rajasthan Express*. Interestingly, this was a rare combination of percussion, brass Rajasthani folk and Sufi devotional music.

After our first meeting at Jaipur, I used to frequently end up meeting with Shye at Ajmer, during the annual *Urs fair*, held at the shrine of Sufi saint, *Moinuddin Chishti*. Here, he usually performed *Qawwali* at all night *mehfils*, held at numerous private and public gatherings. Over one such meeting, the idea of '*Project Junun*' was born that went on to become a milestone in Shye Ben Tzur's musical journey and I am happy to have been an intrinsic part of this extraordinary musical experience, that resulted in the recording of the ever so successful music Album '*Junun*' and the making of the film of the same project.

At one of our numerous meetings, Shye voiced the idea of recording a collaborative album at a heritage property of Rajasthan, where a live studio could be created and the recording would take place over a couple of weeks. A proposal was drawn out and discussed and eventually put forward to HH Maharaja Gaj Singhji of Jodhpur. His Highness was keenly interested in the project and soon, the Mehrangarh Museum Trust came on board as the main sponsor and venue host of this incredible project. A suitable space was soon identified within the precincts of the sprawling 15th century *Mehrangarh fort*. The ambitious '*Project Junun*' was spearheaded by Shye, who roped in Jonny Greenwood, the lead guitarist and keyboardist of world famous alternative, British rock band, *Radiohead*. The already existing *Rajasthan Express* comprised of the *Qawwali* troupe of Zakir Ali Bhai from Ajmer, Folk vocalist, Chugge Khan and his *Manganiyar* band members, known as the *Rajasthan Josh* from Jaisalmer, *Nagada* (Percussionists) players, the famous father-son duo of Nathu Lal Solanki and Narsi Lal from the holy city of Pushkar and the brass band from Shekhawati led by trumpeter Aamir Bhiyani, and folk singers from Punjab. A total of 25 members collaborated on this musical odyssey, that was recorded over a period of three weeks in February 2015, at the idyllic and quaint *Chokhelao Mahal*, where a live studio was created by Radiohead's very own talented producer, Nigel Godrich. Godrich, who served as the sound engineer of the '*Junun*' album, shipped over the entirety of the *Radiohead* recording studio from UK, which was then reassembled at the specially identified Chokhelao Mahal, within the medieval *Mehrangarh Fort,* where the entire album was recorded. It was a 3 - week, non-stop, intensive recording session that would start from morning and go on until midnight. *Junun* went on to become one of the top 100 albums of the year 2015.

An hour-long documentary was simultaneously filmed by the celebrated, Academy award nominee, Paul Thomas Anderson. Anderson known for making films like *Magnolia* (1999), starring Tom Cruise and Julianne Moore, documented the entire album recording into an hour-long film, that was also named '*Junun*.' *Junun,* premiered at the New York film festival, 2015 and was released in October, 2015 on Mubi, the first, free online movie streaming platform. The 'fly on the wall' approach of the 54-minute film was truly appreciated and it won many awards.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CONTENTMENT

How To Stimulate The *Vagus Nerve*

The *vagus nerve* halts stress and regulates emotions. Here's how to get it in tip-top shape.

You're likely very familiar with the calming effects of a few deep breaths. But take a step back. Have you ever considered *why* deep breathing and its cousins, meditation and yoga, are so dang relaxing? (Hint: It's not just because it forces you to literally 'slow down.') When you partake in this activity, you're stimulating your *vagus nerve*, which exercises incredible power within your body.

It's pronounced 'Vegas,' like the city, but what happens in the *vagus nerve* doesn't stay in the vagus nerve. The longest of the cranial nerves, it starts at the base of your brain. It connects your throat, ear, and facial muscles and travels down both sides of the neck to the heart and lungs, through the stomach and intestines, touching almost every organ on its way down.

This superhighway serves as a communication channel connecting the digestive system and your brain, which means it's responsible for any 'gut' feelings you get. Also, hugely important, It helps your nervous system switch between the sympathetic mode (triggering the fight-or-flight response that raises heart rate) and the parasympathetic mode (when breathing normalizes and bodily functions settle into neutral).

But when you're dealing with chronic stress, the *vagus nerve* loses its ability to send you back into parasympathetic mode (called vagal dysfunction), and you remain stuck on overdrive. This stress then puts you at risk for high blood pressure, heart disease, type 2 diabetes, and depression and anxiety, as well as GI disorders, research shows. Problems with this nerve are also linked to symptoms of burnout, such as emotional exhaustion and lack of energy. Whew, that's a lot!

The reassuring news is that just as with any other part of your body, you can strengthen and improve its function.

Working on it isn't a one-and-done situation, though, repetition is key (we're talking at least once a day). The more you practice something, the more the brain reaches for it, when it needs it most. You're essentially carving out new neural pathways, that you can access, in a time of high anxiety.

Here's how to help that big fellow do its job, for the sake of your mental and physical health. And yes, deep breathing is involved, but if that's not your thing, there are plenty of unexpected ways to give it a little push.

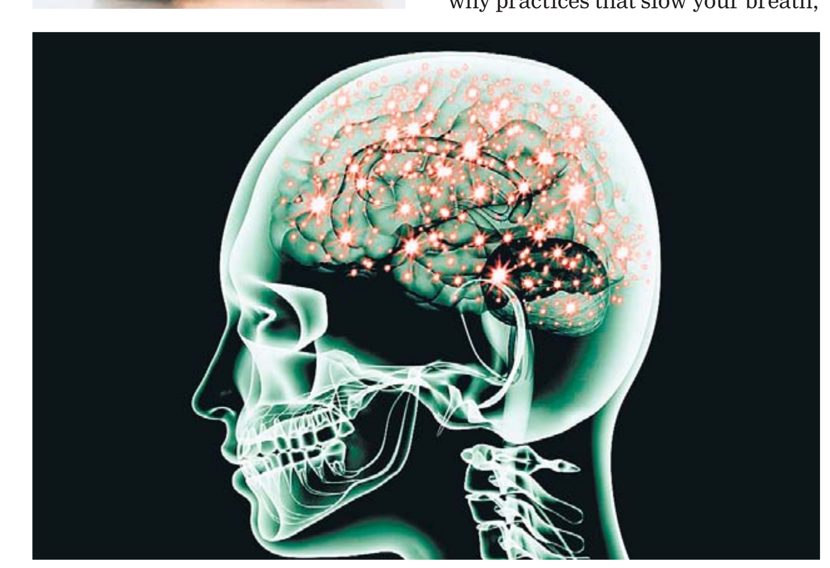

Extend Your Exhale

Okay, starting with the biggie because it's the foundation, there are sensory receptors in the lungs that connect to the *vagus nerve* and trigger the parasympathetic nervous system. But it's not enough to just breathe. The calm-down process happens as you exhale, because this slows your heart rate. Therefore, it's important to make your exhale longer than your inhale. This is also why practices that slow your breath, like yoga and meditation, are useful tools for vagal activation and de-stressing in general. But, deep breathing is tough if you're upset. If you're on the brink of a freak-out, imagine blowing through a straw. Adding resistance by pursing your lips can help lengthen your exhale.

Happily 'Hum'

Talk about an earworm! The vagus nerve passes through the inner ear, so, you can stimulate it by engaging in active listening to soothing music. That can include not only a favourite song, but an audiobook or a guided meditation, with an especially calming voice. Soft, low sounds, like a cat's purr, are inherently soothing.

Another way to tickle your vagus nerve is to generate sound on your own, through singing or humming. That will tap into the nerve as it passes through your larynx and pharynx in the throat. Placing your hands over your ears will amplify the sensation of the sound.

Pursue The Cold

Frigid temps activate a physiological response called the diving reflex. This slows your heart rate and breathing and directs blood flow to the brain for relaxation. To trigger it, spend some time outside on a brisk day, or hold ice on your face or neck, or splash your skin with cold water.

Find Fresh Air

Taking a walk outside is one surefire way to downregulate your nervous system and improve your mood. And this doesn't have to be a long-hike situation. Nature is inherently relaxing to the nervous system, making it so much easier to slow down your breathing, which, again, helps the *vagus nerve* do its thing.

THE WALL

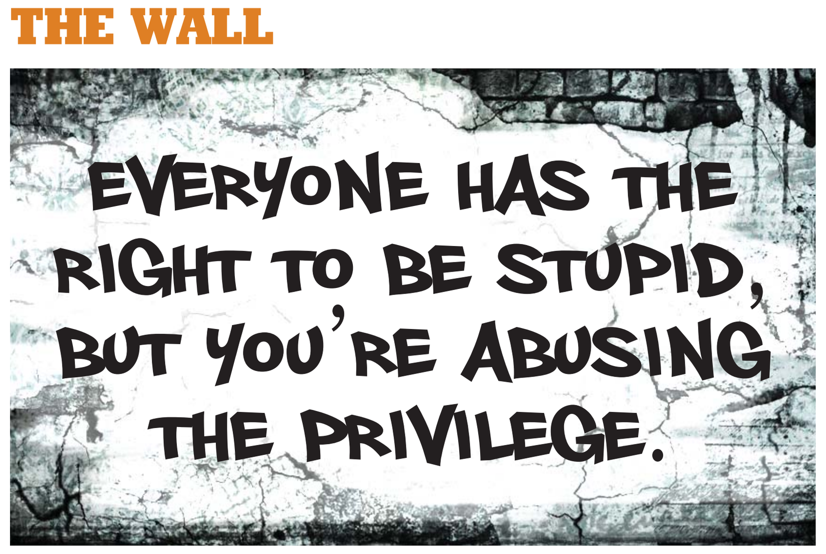

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

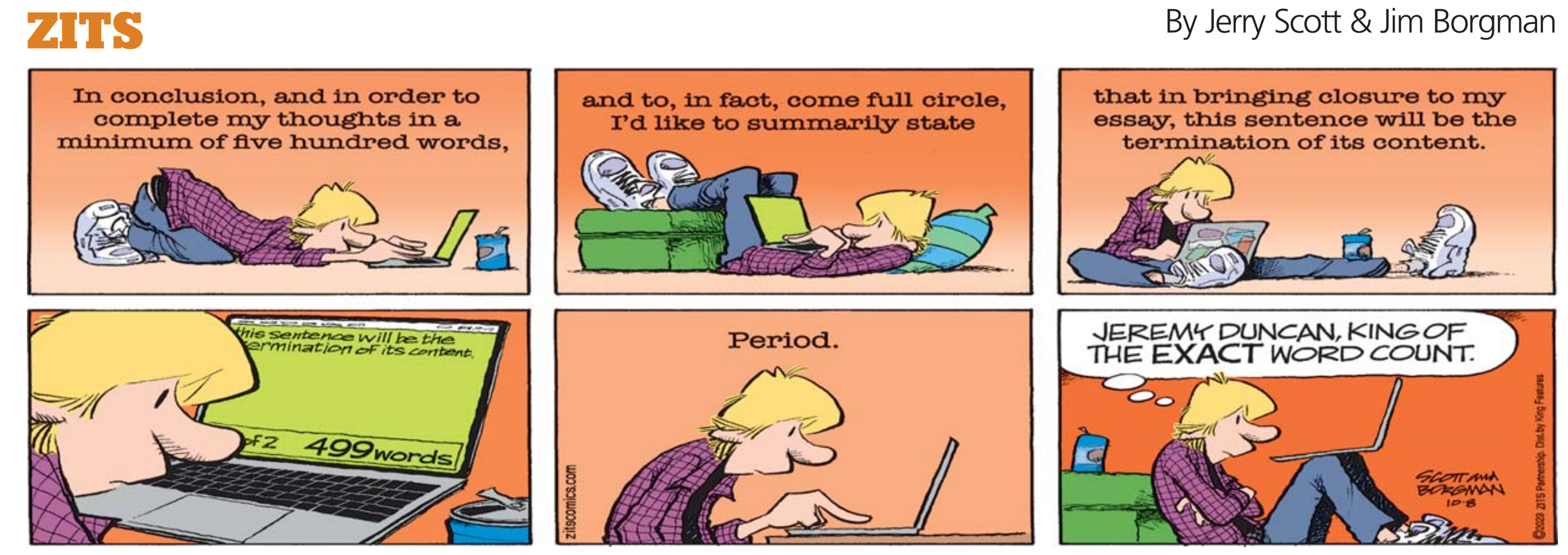

खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप

एक दर्जन से अधिक स्थानों पर टीम ने कार्रवाई की

दुकानों पर खाद्य सुरक्षा टीम ने कार्रवाई की।

किशनगढ़ बास/भिवाड़ी, (निसं)। सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए करीब एक दर्जन से अधिक स्थानों से सेंपल लेकर जांच की व असुरक्षित पाए जाने पर जप्त की कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मचा गया।

आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान जयपुर द्वारा संचालित 15 फरवरी से शुरू किए गए विशेष अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान जयपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने भिवाड़ी में मसाले निर्माण इकाई राजू मसाला भंडार, ताराचंद मार्केट, सदर बाजार, सब्जी मंडी के पास आदि स्थानों पर सैंपल लेकर जांच की कार्रवाई की गई।

राजू प्रसाद द्वारा मौके पर हल्दी पाउडर में चावल की किनकी की मिलावट करते पाए जाने एवं मिर्च पाउडर में रंग की मिलावट का अंदेशा होने पर हल्दी पाउडर एवं मिर्च पाउडर का नमूना लिया गया एवं शेष बचे करीब 320 किलो हल्दी पाउडर एवं 220 किलो मिर्च पाउडर को जप्त किया गया। मैसेज सिटी बेकरी भिवाडी मोड पर पूर्व में उनका नमूना असुरक्षित खाद्य पदार्थ पाए जाने के कारण शुक्रवार को दोबारा मावा मिठाई का नमूना लिया गया।

एसबी फूड माटिला चौक भिवाडी से क्रीम का नमूना जांच हेतु लिया गया। सदर बाजार भिवाडी में विभिन्न खाद्य पदार्थ के कारोबारकर्ता दुकानदारों को अपने खाद्य पदार्थ ढककर रखने, खाद्य पदार्थों की बिक्री करने हेतु निर्देशित किया गया। सदर बाजार भिवाडी से विभिन्न दुकानों से 16 सैंपल सर्विलांस के तहत जांच हेतु लिए गए। बाजार में मौजूद आमजन एवं खाद्य विक्रेताओं को मोटा अनाज की उपयोगिता के बारे में भी समझाया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव कुमार गोयल, जयसिंह यादव, अशोक लखेरा शामिल रहे।

घी कारखाने पर छापा, 780 लीटर घी सीज

कोटा, (निसं)। शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने गुरुवार देर शाम घी कारखाने पर कार्रवाई की।

रानपुर इंडस्ट्रियल एरिया में मैसर्स बाल गोपाल डेयरी प्रोडक्ट्स पर कार्रवाई के दौरान टीम को कई ब्रांड का विभिन्न पैक में भरा 780 लीटर शुद्ध घी मिला, जिसे मिलावटी होने की आशंका पर सीज कर दिया। साथ ही जांच के लिए ग्वाल कृष्णा, सोरस, गुडवेल, शक्ति भोग, श्री परख ब्रांड घी के 4 नमूने खाद्य सुरक्षा एंव मानक अधिनियम के तहत लेकर प्रयोगशाला भिजवाए। कारखाना संचालक को अग्रिम आदेशों तक कारखाने पर किसी तरह का निर्माण कार्य नहीं करने के लिए पाबंद किया गया है।

सीएमएचओ डॉ. जगदीश सोनी ने बताया कि इस कारखाने पर पूर्व में भी कार्रवाई की गई थी। जिसका न्यायालय में चालान पेश किया हुआ है। टीम को कारखाने पर ऋषभ जैन, लोकेश शर्मा कार्मिक उपस्थित मिले। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप अग्रवाल, चंद्रवीर सिंह जादोन व नितेश गौतम शामिल रहे।

सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया

सोने-चांदी के जेवर सहित 2.92 लाख की नगदी चोरी

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड स्थित राज कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात सहित लाखों रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। घटना के वक्त परिजन बाहर गए हुए थे। पीड़ित ने गंज थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले, जांच शुरु**

गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड राज कॉलोनी निवासी मोहम्मद शफीक ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत देते हुए चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में शफीक ने बताया कि वह मकान में ताला लगाकर अपने पूरे परिवार के साथ रिश्तेदार के यहां उत्तर प्रदेश गया हुआ था। पीछे से मकान सूना पड़ा था। अब जब वापस अजमेर पहुंचा तो उन्हें घर के ताले टूटे हुए मिले। घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी का लॉक तोड़कर दो तोले का सोने का हार, दो सोने की अंगूठी, एक चांदी का सेट, दो जोड़ी चांदी की पायल और एक चांदी का ब्रेसलेट व दो लाख 90 हजार रुपए नगदी लेकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले हैं। गंज थाना प्रभारी के निर्देश पर मामले की जांच सब इंस्पेक्टर समीर कुमार कर रहे है।

पीड़ित ने चोरी की वारदात की जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने बर्ड फेयर में प्रकृति के रंग उकेरे

कार्यक्रम में 700 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला प्रशासन, वन विभाग, नगर परिषद्, पर्यटन विभाग के तत्वावधान में माही महोत्सव के अन्तर्गत बर्ड फेयर का आयोजन किया गया। माही बेक वाटर एरिया के आला बरोडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में शहर के राजकीय तथा निजी विद्यालय के 700 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बर्ड फेयर में प्रकृति के रोचक नजारे देखकर विद्यार्थी रोमांचित हो उठे। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभिषेक गोयल, एसीएफ अध्यक्ष गोविन्द सिंह खींची, विशिष्ट अतिथि तहसीलदार मोहनलाल रेगर, मुख्य जिला शिक्षाधिकारी शम्भुलाल नायक, पर्यटन अधिकारी अनिल तलवाडिया, सरपंच दीपचन्द मईडा रहे। अतिथियों ने पर्यावरण के प्रति शिक्षा जगत, नई पीढी तथा नागरिकों की रूचि की सराहना करते हुए कहा कि हमारा व्यवहार इको फ्रेन्डली हो जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे। बर्ड फेयर में पक्षी विशेषज्ञ डॉ. दीपक द्विवेदी ने प्रवासी परिंदों की जानकारी देते हुए उनकी विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हजारों किलोमीटर का सफर तय कर यह प्रवासी परिंदे चार माह तक जिले के जलाशयों में डेरा डालते है। उन्होंने पक्षियों के व्यवहार, उनकी पहचान, भोजन तथा पर्यावरण में महत्व के बारे में जानकारी दी।

दूर के नजारों को नजदीक से देख रोमाचिंत हुए विद्यार्थी :- इस अवसर पर एसीएफ गोविन्द सिंह खींची, वागड पर्यावरण सस्थान के अध्यक्ष डॉ. दीपक द्विवेदी, नेचर फोटोग्राफर विराट संघवी, कपिल पुरोहित, विष्णु सिंह तथा वागड पर्यावरण संस्थान की टीम ने स्पॉटिंग स्कॉप, दूरबीन तथा हाइलेन्स कैमरा से बर्ड वॉचिंग करवाते हुए पक्षियों की पहचान करवायी। इस दौरान कई रोचक नजारे देखने को मिले जिससे विद्यार्थी रोमांचित हो उठे। दूरबीन की सहायता से व्हिस्कर्ड टर्न को शिकार करते देख सभी की बांछे खिल गयी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों की गतिविधियों को करीब से देखा।

पेटिंग व क्विज प्रतियोगिता में दिखा उत्साह :- इस अवसर पर पेण्टिग तथा क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे पंछियों तथा पर्यावरण के विभिन्न पहलूओं पर आधारित चित्र बनाकर उसमें कल्पना के रंग भरे। पेटिंग प्रतियोगिता में रेन्जर राजेन्द्र सिंह, वनपाल फरीद खां, कालूराम कटारा, शान्तिलाल रोत, प्रतापसिंह चुण्डावत, वागड पर्यावरण संस्थान के वैभव जोशी, हिमालय जोशी, दीपक बाथम, मंयक भोई भुवनेश पंचाल, योगेश कुमार, सिद्धार्थ भाटिया ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद् सदस्य केशव गौतम, ग्राम विकास अधिकारी ऋषभ ठाकुर, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. हितेष स्वर्णकार, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खांदू कॉलोनी की प्रधानाचार्य माया सेमसन, राउमावि चाचाकोटा के धर्मेन्द्र शुक्ला, आला पृथ्वीगढ की प्रीति कुलश्रेष्ठ, मॉडर्न पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल की अंजलि खरबंदा, सीओ स्काउट दीपेश शर्मा, भरत सहित बडी संख्या में पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

माही महोत्सव के अन्तर्गत बर्ड फेयर का आनंद उठाते विद्यार्थी।

ओम आश्रम जाड़न में संतों व श्रद्धालुओं का जमावड़ा

पाली के ओम आश्रम जाड़न में विश्व का पहला ओम आकार का मंदिर।

पाली, (नि.सं.)। विश्व गुरु महामंडलेश्वर स्वामी महेस्वरानंद जी महाराज के ओम् आश्रम जाड़न में विश्व का पहला ओम् आकार मंदिर की प्राण महोत्सव के सातवे दिन शिवमहापुराण कथा में स्वामी चिदम्बरानंद जी महाराज ने शिव पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया।

जिसे सुनकर देश विदेश के श्रोताओं ने खूब ताली बजाई। रात्रि पहर में भगवान देवेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग भगवान को फलावाश किया गया। महोत्सव में स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती राजौरी जम्मू, कृपाराम महाराज जोधपुर, स्वामी कृष्णानंद महाराज, संत पुरुषोत्तम दास महाराज, गोविंदराम महाराज खेड़ापा, स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद जोधपुर, स्वामी परशुराम गिरी महाराज रामपुरा, तखतगढ से अभयदास महाराज, गुड़ा से महेंद्र सिंह रानावत व आश्रम के उत्तराधीकारी स्वामी अवतार पुरी महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

डूंगरपुर, (निसं)। पुरानी पेंशन और 8 वें वेतन आयोग के मुद्दे पर सरकारी कर्मचारी तथा संयुक्त किसान मोर्चा और ट्रेड यूनियन के साथ देशव्यापी हड़ताल पर रहे। सरकार के पुरानी पेंशन बहाल नहीं करने और वेतन आयोग घोषित नहीं करने से कर्मचारियों में भारी गुस्से का इजहार किया।

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर महासंघ डूंगरपुर में रैली निकालकर कलेक्ट्री पर सभा कर विरोध प्रदर्शन किया। सभा की अध्यक्षता भीमचंद कोटेड ने की। जिला अध्यक्ष धनेश्वर पंड्या ने सभा सम्बोधित करते हुए कहां कि हड़ताल ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य कर्मियों में सरकार के रवैए के खिलाफ भारी आक्रोश है। महामंत्री हेमन्त कुमार ने कहा कि हड़ताल और प्रदर्शन में कर्मचारी,मजदूर व किसानो ने संयुक्त से भाग लिया हैं।

हड़ताल में आंगनबाडी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा सहयोगिनी, कुक कम हेल्पर, भवन निर्माण मजदूर, छात्रावास कर्मी, सभी अस्थाई कर्मचारियों का न्यूनतम छब्बीस हजार रूपए मानदेय करने, पेंशन, चिकित्सा का लाभ देने, सभी योजनाकर्मियो को कर्मचारी का दर्जा देने की मांगे प्रमुखता से उठाई जाने की बात कही। सभा को शिक्षक नेता मणिलाल मालीवाड ने सम्बोधित किया।

भगवान श्री देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी पर भक्त उमड़े

भगवान श्री देवनारायण के 1112वें जन्मोत्सव कार्यक्रम में 1112 दीपक एवं 1112 कमल के फूल चढ़ाकर महाआरती की

आसीन्द, (निसं)। देवनारायण भगवान जन्म स्थली मालासेरी में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिर पुजारी हेमराज पोसवाल ने बताया कि भगवान श्री देवनारायण के 1112वें जन्मोत्सव कार्यक्रम में 1112 दीपक एवं 1112 कमल के फूल चढ़ाकर की महाआरती की। भगवान श्री देवनारायण के 1112 वें जन्म जयंती के उपलक्ष में तीर्थ स्थल मालासेरी डूंगरी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं रक्तदान करने में मातृशक्ति का भी योगदान रहा। सात दिन से चल रहे विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति भी 16 फरवरी को दी गई।

मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री देवनारायण की ननिहाल पक्ष मालवा से 1112 मीटर चुनरी मालासेरी डूंगरी के चारों तरफ परिक्रमा करके चढ़ाई गई। वहीं रक्तदान करने वाले लोगों को मालासेरी मंदिर विकास ट्रस्ट समिति के द्वारा प्रशस्ति पत्र भी भेंट किए गए। केंद्र सरकार की लोक कला संस्कृति पर्यटन विभाग के द्वारा मालासेरी तीर्थ को प्रसाद योजना एवं प्रसाद सिटी के तौर पर जोड़ने के बाद से ही देश भर के श्रद्धालु मालासेरी मंदिर डूंगरी पहुंचकर भगवान श्री देवनारायण के दर्शन कर सकेंगे। हर वर्ष माघ सप्तमी एवं भादवी छठ के अवसर पर विशाल आयोजन होता है। यज्ञ की पूर्णाहुति एवं रक्तदान शिविर के बाद खीर का भोग लगाकर महाप्रसादी के रूप में खीर का प्रसाद वितरित किया गया।

मसुदा में भगवान देवनारायण जयंती पर मेला भरा :- गुर्जर समाज के आराध्य भगवान देवनारायण की जयंती शुक्रवार को मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र के एक गांव में श्रद्धा व उल्लास से मनाई गई। भजनों पर श्रद्धालु झूमे वहीं खीर चूरमा का भोग लगाया और सुख समृद्धि की कामना की। पूर्व संध्या पर मंदिरों में रोशनी से सजावट कर भजन कीर्तन सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाज के लोगों ने आराध्य के खीर व चूरमे का भोग लगाकर खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जगह-जगह मेले भी भरे। भजन संध्या में गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भोर तक बांधे रखा।

मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र के एक गांव में भगवान देवनारायण को खीर चूरमा का भोग लगाया और सुख समृद्धि की कामना की।

ख्वाजा साहब की दरगाह पर बसंत पंचमी मनाई, शाही कव्वालों ने बसंत गाया

शाही कव्वालों ने ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर सरसों की पौध के साथ पीले पुष्प का गुलदस्ता बसंत के रूप में पेश किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बसंत पंचमी का उत्सव मनाया गया। दरगाह के शाही कव्वालों ने हिंदू परंपरा के अनुरूप ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर सरसों की पौध के साथ पीले पुष्प का गुलदस्ता बसंत के रूप में पेश किया। इस दौरान दरगाह के शाही कव्वाल पार्टी ने ख्वाजा साहब की शान में कलाम पेश किया और कव्वालों ने बसंत गाया। कव्वालियां सुनाते हुए मजार शरीफ तक पहुंचे। दरगाह में बसंत पेश करने की परम्परा अमीर खुसरो के जमाने से चली आ रही है।

दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन के पुत्र व उत्तराधिकारी सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती के सानिध्य में दरगाह में पेश बसंत के दौरान भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। नसीरुद्दन ने देश में साम्प्रदायिक नफरत फैलाने वालों के लिए सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह से एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा नफरत फैलाने वालों को यह समझना होगा कि हम सब पहले भारतीय हैं। हिंदू और मुसलमान बाद में है।

नसीरुद्दीन चिश्ती ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन कौंसिल के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता की यही खूबसूरती है कि हम हर धर्म का त्यौहार मिल जुलकर मानते हैं, जिसकी मिसाल बसंत पंचमी है जो अजमेर सहित देश की हर बड़ी दरगाह में मनाई जाती है। मगर कुछ लोग भारत विरोधी विदेशी ताकतों को खुश करने के लिए दुष्प्रचार कर रहे हैं कि भारत में मुसलमान खुश नहीं और भारत में मुसलमानों पर जुल्म हो रहा है, जबकि वास्तविकता बिल्कुल अलग है। क्योंकि सच्चाई यह है कि भारत का मुसलमान पूरी आजादी के साथ इस देश में रह रहा है और इस देश के हर मुसलमान को अपने धर्म अनुसार पूर्ण रूप से जीने की स्वतंत्रता है जो लोग भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं उन्हें अपनी इन नापाक हरकतों से बाज आना चाहिए और एक बार दुनिया के ग़ैर अरब देशों का पूर्ण रूप से विश्लेषण कर लेना चाहिए कि वहां के मुसलमान किन हालात में है और क्या उन्हें भारत के मुसलमानों की तरह पूरी धार्मिक स्वतंत्रता है या नहीं। उन्होंने कहा कि देश में अमन और सद्भावना कायम रहे इसकी जिम्मेदारी सभी की है इसलिए जलसों और कार्यक्रमों में बोलते समय अपनी भाषा में संयम रखे।

ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर दीवान के पुत्र नसीरुद्दीन ने बसंत की रस्म अदा की।

ट्रेन में दो लावारिस सूटकेस से गांजा पकड़ा

रेलवे पुलिस ने सूटकेस की जानकारी के लिए यात्रियों से पूछताछ की

डूंगरपुर, (निसं)। रेलवे पुलिस डूंगरपुर की ओर उदयपुर-असारवा ट्रेन में दो लावारिस सुटकेस से 12 किलो 170 ग्राम गांजा पकड़ा है।

रेलवे पुलिस थानाधिकारी छोटूलाल ने बताया की राज्य सरकार और रेलवे के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर रेलवे में संदिग्ध गतिविधियों और मादक पदार्थ के परिवहन की रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा था। इसी अभियान के तहत गुरुवार को उदयपुर-असरवा ट्रेन देर रात 3:35 बजे उदयपुर से रवाना हुई थी। इसी ट्रेन को डूंगरपुर क्षेत्राधिकारी में निरीक्षण के दौरान दो सुटकेस जनरल कोच में संदिग्ध हालात में मिले।

सुटकेस की जानकारी के लिए आसपास के यात्रियों से पूछताछ की। जिसमें किसी ने सुटकेस के बारे में कुछ नहीं बताया। इसके बाद सुटकेस को रेलवे पुलिस ने जब्त कर डूंगरपुर थाने में रखवाया। जहां पर उच्चाधिकारियों की सूचना पर सुटकेस की जांच में गांजा मिला। इस गांजे का वजन करीब 12 किलो 170 ग्राम था। इसकी बाजार कीमत करीब 70 हजार रूपए आंकी गई है। रेलवे पुलिस की ओर से आगे का अनुसंधान शुरू किया।

उदयपुर-आसारवा ट्रेन में दो लावारिस सूटकेस से गांजा पकड़ा।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दिल्ली-मुंबई-वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे का जायजा लिया

राष्ट्रीय राजधानी से सीधे जुड़ाव से सवाईमाधोपुर के पर्यटन एवं व्यापार को बढ़ावा मिलेगा : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली-मुंबई-वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे (एनई-4) के बौंली से कुस्तला सैक्शन (चैनेज 247.310- 292.950) का शुक्रवार को उद्घाटन किये जाने के बाद उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने इसका जायजा लिया।

- **बौंली से कुस्तला तक निर्मित हुए इस 45.64 किमी. के सैक्शन पर लगभग 1658 करोड़ रूपये व्यय किये गये हैं**

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सवाईमाधोपुर के सीधे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जुड़ने से यहां के पर्यटन एवं व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। सवाईमाधोपुर देश का एक बड़ा पर्यटन स्थल है जहां रणथम्भोर नेशनल पार्क, खंडार फोर्ट, चौथमाता मंदिर सहित कई दर्शनीय स्थल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर के पर्यटकों के लिए दूरी कम होने से सवाईमाधोपुर को वीकेंड डेस्टीनेशन के तौर पर भी बढ़ावा मिलेगा जिससे क्षेत्र में रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में बहुआयामी औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ाव मिलेगा। क्षेत्र के फल एवं सब्जी उत्पादक किसानों को दिल्ली के बाजारों तक सीधी पहुंच मिलने से उनकी आय में वृद्धि भी होगी। गौरतलब है कि बौंली से कुस्तला तक निर्मित हुए इस 45.64 किमी. के सैक्शन पर लगभग 1658 करोड़ रूपये व्यय किये गये हैं। इस सैक्शन के पूर्ण होने से अब एक्सप्रेस वे का 292 किमी. का हिस्सा (दिल्ली से कुस्तला, सवाईमाधोपुर) आमजन के लिए समर्पित हो चुका है।

एटीएमएस का लिया जायजा, एक्सीडेंट संभावित क्षेत्र को करें दुरूस्त :- उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली मुंबई वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे के पैकेज 4 से 8 के लिए भांडारेज में बनाये गये एडवांस ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम का जायजा लिया। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक्सप्रेस वे पर एक्सीडेंट संभावित क्षेत्र को चिन्हित कर तत्काल दुरूस्त करवायें ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

एनएचएआई के अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को बताया किं भांडारेज में स्थापित किया गया सिस्टम हरियाणा बोर्डर से बौंली तक के लगभग 170 किमी. के हिस्से की निगरानी रखता है। इस सिस्टम के माध्यम से पूरे एक्सप्रेस वे को मॉनिटर किया जा सकता है। इसके तहत हर 10 किमी. पर व्हीकल स्पीड डिटक्शन सिस्टम (वीएसडीएस-स्पीड कैमरा) लगे हैं जिससे स्पीड लिमीट क्रॉस करने वाले वाहनों का स्वत: चालान कट जाता है। इसके साथ ही हर 1 किमी. पर ट्रेफिक मॉनिटरिंग केमरा लगे है जिससे पूरे 170 किमी. के हिस्से को एक जगह बैठकर देखा जा सकता है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित एनएचएआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली-मुंबई-वड़ोदरा एक्सप्रेस-वे का जायजा लेकर एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिये।

बरसाती नाले की खुदाई के दौरान श्रमिक को करंट लगा

लोगों ने जान जोखिम में डालकर श्रमिक को बचाया

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में करोड़ों रुपए की लागत से चल रहे बरसाती नाले की खुदाई के दौरान मुख्य कपड़ा बाजार में एक श्रमिक करंट की चपेट में आ गया। करंट श्रमिक को करंट लगते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद ठेकेदार और श्रमिक दूर चले गए। लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर श्रमिक को बचाया और तुरंत मौके से भाग रहे ठेकेदार और श्रमिकों को रोककर करंट लगने से घायल हुए श्रमिक को अस्पताल पहुंचाया।

दुकानदारों ने बताया कि कपड़ा बाजार में बरसाती नाले की खुदाई का कार्य चल रहा था इसी दौरान कलकता निवासी श्रमिक राजू उम्र 35 वर्ष करंट की चपेट में आ गया तथा वह नाले में गिरने लगा लेकिन मौके पर मौजूद दो लोगों ने उसे तुरंत खींच लिया करंट लगने से श्रमिक के नाक से खून बहाने लग गया तथा बाजार में अफरा तफरी का माहौल हो गया मौके पर मौजूद ठेकेदार और अन्य श्रमिक दूर जाकर खड़े हो गए लेकिन किसी ने भी श्रमिक को बचाने की कोशिश नहीं की यही नहीं ठेकेदार तो मौके से फरार होने लग गया लेकिन लोगों ने उसे पकड़कर श्रमिक को अस्पताल पहुंचा के इलाज करने को कहा तब ठेकेदार और श्रमिक घायल श्रमिक को ट्रैक्टर में डालकर अस्पताल इलाज हेतु ले गए बताया गया कि करोड़ों रुपए के लागत से कछुआ चाल से काफी समय से बरसाती नाले का निर्माण चल रहा है लेकिन यह कार्य काफी घटिया निर्माण सामग्री से बिना मापदंड से किया जा रहा है और श्रमिकों की जान के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। श्रमिक अपनी जान जोखिम में डालकर बिना सुरक्षा इंतजामों के कार्य कर रहे है। पुष्कर थाना अधिकारी राकेश यादव ने बताया कि आपसी समझाइस होने के कारण पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

- **मौके पर मची अफरा-तफरी, ठेकेदार और श्रमिक मौके से दूर भागे**

इंजीनियरिंग छात्र ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना क्षेत्र में इंजीनियरिंग छात्र ने हॉस्टल में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के बडगांव थाना क्षैत्र में स्थित विद्याभवन हॉस्टल परिसर में रहने वाले देवगढ़ राजसमन्द निवासी हर्षवर्धनसिंह पुत्र रणजीतसिंह ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। हर्षवर्धन गत दिनों अपने गांव गया था एवं दो दिन पूर्व ही लौटा था। गुरूवार सायं छात्रों के साथ मेस में खाना खाने नहीं आया। इस पर साथियों ने कमरे पर जाकर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई कृष्णगोपाल ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। हर्षवर्धन पोलोटेक्निक कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र था एवं मौके पर मिले सुसाईड नोट में स्वेच्छा से आत्महत्या करना लिखा है कारणों का खुलासा नहीं हुआ।

छात्रा से दुष्कर्म, मामला दर्ज

अजमेर, (कासं)। अजमेर में 7वीं कक्षा की छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़िता को घूमाने के बहाने अपने जीजा के घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की ओर से आदर्श नगर थाने में इसकी शिकायत दी गई है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़ित मां की ओर से थाने पर शिकायत दी गई है।

शिकायत में बताया कि उसकी 14 साल की नाबालिग बेटी है, जो 7 वीं कक्षा की छात्रा है। बेटी ने उसे बताया कि हर्षित नाम का लड़का उसे दोस्ती करने के लिए दबाव बना रहा था। उसे मना किया, लेकिन वह फिर भी नहीं माना। जब वह घर से काम के लिए निकली इसी दौरान आरोपी उसे मिला और बहला-फुसलाकर घुमाने के बहाने अपने जीजा के घर लेकर चला गया।

पीड़िता ने मां को बताया कि वहां आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती रेप किया। बाद में आरोपी उसे एक स्कूल के बाहर छोड़कर चला गया। बेटी के द्वारा बताई गई घटना के बाद पीड़ित की मां थाने पहुंची और मामले में मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच थाना प्रभारी चेनाराम बेडा के द्वारा किए जा रही है।

लूटपाट मामले में फरार इनामी बदमाश गिरफ्तार

रुदावल, (निसं)। रुदावल थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में उपयोग की गई सफारी गाड़ी को भी बरामद किया।

- **घटना में उपयोग की गई सफारी गाड़ी को भी बरामद किया**

आरोपी के खिलाफ विभिन्न संगीन धाराओं में 13 मामले दर्ज है। रुदावल थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि 11 जुलाई 2023 को गांव रछुआ थाना जगनेर निवासी लक्खोराम पुत्र टीकमसिंह गुर्जर ने मामला दर्ज कराया था कि 10 जुलाई की शाम को वह बंशी पहाड़पुर से पट्टी देखकर वापस अपने गांव जा रहा था। रास्ते में नगला छतरी की सपाट के पास गांव रछुआ निवासी देवेन्द्र गुर्जर व इसके साथी जयशिव, हेमसिंह, बबलू ने उसकी बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया और हॉकी डंडों से मारपीट कर सोने की लर व तीन अंगूठी एवं जेब में रखी नगदी व एक कीपैड मोबाइल को छुड़ाकर ले गए। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। जिस पर एसपी भरतपुर ने आरोपी देवेन्द्र गुर्जर की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया।

आईजी राहुल प्रकाश, एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एडीशनल एसपी ओमप्रकाश किलानियां, सीओ किशोरीलाल के सुपरविजन में एसएचओ योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एएसआई भरतलाल, कास्टेबल तोरनसिंह, छोटूसिंह, राजेश कुमार की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लूटपाट के मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी देवेन्द्र गुर्जर को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर सफारी गाड़ी को बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में तकनीकी साक्ष्य एवं आसूचना में कांस्टेबल छोटू सिंह की विशेष भूमिका रही।

पति से हुए झगड़े में पत्नी ने हाथ की नस काटी

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र में पति से हुए घरेलू झगड़े में पत्नी ने अपने हाथ की नस काटकर आत्महत्या करने का प्रयास का मामला सामने आया है। परिजन घायल महिला को उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचे पीहर पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष के लोगों के साथ अस्पताल की पार्किंग में आपस में झगड़ पड़े और एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे। हालांकि इस मामले में थाने पर कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

जानकारी के अनुसार अनुसार फॉयसागर रोड निवासी कोमल ने अपने ससुराल में पति से हुए घरेलू झगड़े के बाद हाथ की नस काट कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिवार के लोगों ने देखा तो घर में हड़कंप मच गया। महिला को परिरज तुरंत जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार कराया गया। उपचार के बाद चिकित्सकों ने अस्पताल से महिला को छुट्टी दे दी। सूचना मिलते ही महिला के ससुराल पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए और घटना की जानकारी ली गई। बाद में दोनों पक्षों के लोग अस्पताल की पार्किंग परिसर में ही झगड़ा करने लग गए और एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे। कुछ देर बाद मामला शांत हुआ। बताया जा रहा है कि करीब छह महीने पहले ही महिला की शादी हुई थी।

भगवान देवनारायण की नवनिर्मित चांदी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई

निवाई, (निसं)। गुर्जर समाज के आराध्य देव व जन-जन के मानस भगवान श्री देवनारायण के 1112 वें जन्मोत्सव व तीन दिवसीय लक्खी मेले के बुधवार को शुभारंभ के बाद शुक्रवार को कई कार्यक्रम हुए। देवनारायण ट्रस्ट के अध्यक्ष फूलचंद लांगडी ने बताया कि भगवान देवनारायण का विशाल लक्खी मेला व मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व महाविद्यालय की भूमि का पूजन सहित कई कार्यक्रम समारोहपूर्वक आयोजित हुए।

दोपहर में घुड़दौड़ सहित कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई। सुबह भगवान श्री देवनारायण की विशेष मंगला आरती का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मेले को लेकर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता प्रतिभागियों सम्मानित किया।

ग्राम पंचायत जोधपुरिया के देवधाम मंदिर पर भगवान देवनारायण की चांदी की मूर्ति जयपुर के भामाशाह राजाराम गुर्जर के सहयोग से बनी है जो 101 किलो चांदी व एक करोड़ की लागत से बनी है। देवनारायण की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा व महाविद्यालय का भूमि पूजन भामाशाह राजाराम गुर्जर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व अध्यक्ष फूलचंद लांगडी, कोषाध्यक्ष सुरेश डोई, महामंत्री हरषाणा ने वैदिक ब्रह्मा यज्ञाचार्यो व वैदिक विद्वानों के सानिध्य में व हवन कुंडाचार्यो के द्वारा वैदिक मंत्रों से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की।

भगवान देवनारायण की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तीन दिवसीय मेले के तीसरे दिन शुक्रवार को हुआ। 6 फीट के गर्भगृह में 3 फीट ऊंचे चबूतरे पर शुद्ध चांदी से बनी है। 101 किलो वजनी 45 इंच ऊंची व 2 फीट चौड़ी मूर्ति स्थापित हुई। मूर्ति का अनावरण 1:41 मिनट पर संतों ट्रस्ट के पदाधिकारियों व भामाशाह राजाराम गुर्जर के सानिध्य में हुआ।

मेले में गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक रामसहाय वर्मा, प्रधान रामावतार लांगडी, जिला प्रमुख सरोज बंसल, सभापति लक्ष्मी जैन, नरेश बंसल, कोषाध्यक्ष सुरेश डोई, महामंत्री शिवप्रताप हरषाणा, सुरज्ञानसिंह काटरा, पूर्व महामंत्री रामकिशन बहादुरपुरा, सवाईभोज गुर्जर, मनफुल गुर्जर, शंकरलाल पडियार, बाबूलाल मण्डालिया, रामविलाश लांगडी, मोरपाल लांगडी, बन्नालाल लांगडी, रामकरण हरषाणा, श्रवण भोपा, लक्ष्मण रग्गल, एसआर फागणा, हरिराम किवाडा, देवनारायण गुर्जर पीटीआई व बुधराम मीणा व लक्ष्मीचंद शर्मा सहित सैकडों श्रद्वालु व ट्रस्ट के सदस्य मौजूद रहे। भामाशाह राजाराम गुर्जर का देवधाम में नई चांदी की मूर्ति स्थापित करने पर वनस्थली मोड से देवधाम तक जगह-जगह सामाजिक समूहों ने स्वागत सत्कार किया। लोगों ने राजाराम को कंधों पर बिठाकर पलक पावडे बिछा दिए।

जौधपुरिया में भगवान देवनारायण मंदिर में आयोजित मेले के सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

- **एक करोड़ की लागत से 101 किलो चांदी से बनी है भगवान देवनारायण की मूर्ति**
- **प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व महाविद्यालय का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ**

हादसे में जयपुर के युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में अजमेर-भीलवाड़ा हाइवे पर सरेरी चौराहे के निकट एक ट्रेलर चालक के अचानक ब्रेक लगा देने से पीछे चल रही पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में पिकअप सवार जयपुर के एक युवक की मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया।

जसवंतपुरा, अजमेर निवासी शैतान पुत्र घीसा बैरवा ने थाने में रिपोर्ट दी कि वह केटरिंग का कार्य करता है। गुरुवार शाम को पिकअप से केटरिंग कार्य के लिए अजमेर से निंबाहेड़ा की ओर जा रहे थे। सरेरी चौराहे स्थित श्री यादव काका होटल के सामने आगे चल रहे ट्रेलर के चालक ने अपने ट्रेलर को होटल पर रोकने के लिए बिना पीछे देखे अचानक ब्रेक लगा दिए। इसके चलते पीछे चल रही पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। जिससे पिकअप चालक होकरा निवासी धर्मा पुत्र ज्ञान सिंह रावत को चोटें आई, जबकि राहुल पुत्र रामजी लाल बैरवा निवासी रहलाना, जयपुर की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। शव को लेकर पिकअप सवार लोग गुलाबपुरा अस्पताल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू की है।

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, जालोर
प्रधान कार्यालय : हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर-343001
Email: headoffice@jalorebank.com / Website: jalorebank.com/Phone No. 90798-06434
क्रमांक/जा.ना.स.बैंक/8594 ॥ निविदा सूचना ॥ दिनांक 16.02.2024
बैंक को अपनी शाखाओं हेतु स्कैनर एवं प्रिंटर (Scanner-Canon CR 120 UV, Printer - Smart Cart/PVC Duplex ID Card) हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो/कम्पनियों (GST Firm) से निविदा आमंत्रित की जाती है। अत: इच्छुक पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो/कम्पनियों (GST Firm) अपनी निविदा मय वितरण सील बंद लिफाफे में दिनांक 29.02.2024, गुरूवार सांय 4.00 बजे तक बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष में रखे गये टेण्डर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें। विस्तृत विवरण एवं शर्ते इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी के लिए बैंक की वेबसाईट www.jalorebank.com का अवलोकन करें।
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि.बैंक

'राजस्थान में 21 फरवरी को किसान आंदोलन का आगाज होगा'

करवर में आयोजित किसान सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि पूरे प्रदेश से 500 ट्रैक्टर के साथ जयपुर से दिल्ली कूच करेंगे किसान

करवर/ कोटा, (निसं)। खेत को पानी एंव फसल को दाम किसानों को मिले इसके लिए अब किसान आरपार की लड़ाई के मुड में है। शुक्रवार को करवर में आयोजित किसान सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि 21 फरवरी को एमएसपी गारंटी कानून की मांग को लेकर किसान महापंचायत द्वारा आन्दोलन का आगाज होगा। 21 फरवरी को 500 ट्रैक्टरों के साथ जयपुर से दिल्ली कूच किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि हाड़ौती क्षेत्र में सरसों की बंपर पैदावर होती है। लेकिन किसानों को सरसों की फसल का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है। पाम आयल का आयात किया जा रहा जो स्वास्थ्य के लिए हानिकार होता है, लेकिन सरसों के तेल में कारोबारी धड़ल्ले से मिलावट करके बेच रहे है। प्रधानमंत्री फसल योजना में जो परिर्वतन किया गया है, वह किसान हीत में नहीं है। फसल का बीमा के लिए प्रीमियम भरी जा रही है, लेकिन फसल खराबा होने के बाद भी किसान को मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। बीसलपुर योजना के तहत करवर क्षेत्र की 14 पंचायतों को सिंचाई के लिए पानी मिलना था लेकिन किसानों ने इसके लिए संघर्ष नहीं किया और सिंचाई के पानी करवर क्षेत्र को नहीं मिल पाया। अब पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में चांकन बांध के अलावा तीन बांध भी ओर भी भर जाये तो क्षेत्र में जलस्तर बढ़ेगा जिससे पेयजल एंव सिचाई में किसानों को लाभ होगा।

उन्होंने बताया कि सरकार किसी भी राजनैतिक दल की हो लेकिन एमएलए एंव एमपी के वेतन, भत्ते बढ़ाने में एकता दिखाते है, लेकिन अन्नदाताओं को उसकी उपज का उचित दाम मिले इसके लिए कोई भी सरकार पहल नहीं करती है। जब भी चुनाव आता है, राजनैतिक दल केवल किसानों से वोट लेने के लिए किसानों को गुमराह करते हैं, लेकिन सरकार में आने के बाद किसानों की कोई सुध नहीं लेते हैं। ऐसे में देश का अन्नदाता अब खेत खलिहान में काम करना छोड़ कर अपने हक के लिए आरपार की लड़ाई के मुड में है। उन्होंने कहा कि किसानों के प्रवक्ता बनकर उनकी पीड़ा को सुनाते हुए 14 वर्ष बीत गये लेकिन धरना, प्रदर्शन एंव ज्ञापन से सरकार सुनने वाली नहीं है, इसलिए अपने हक के लिए पूरे राजस्थान भर के किसानों को एमएसपी गारंटी कानून को लेकर चल रहा आन्दोलन का समर्थन करते हुए 21 फरवरी से राजस्थान में आन्दोलन का आगाज किया जा रहा है। बून्दी जिले के करवर में किसान महापंचायत के प्रांतीय स्तरीय पदाधिकारियो की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। पूरे प्रदेश भर के किसान प्रतिनिधियों ने किसानों के हक के लिए किया जाने वाले संघर्ष में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया गया है। हर जिले से किसान ट्रेक्टर में बैठ कर आन्दोलन में भाग लेंगे।

किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट की अध्यक्षता मे बैठक आयोजित हुई जिसमें किसान महापंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घासीलाल फगोड़िया, प्रदेश संयोजक सत्यनारायण सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, महामंत्री जगदीश खुडियाला, प्रदेश मंत्री बत्ती लाल बैरवा एवं रतन खोखर युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, अजमेर जिले के अध्यक्ष प्रहलाद जाट एवं महामंत्री रामेश्वर घासल, दुलाराम प्रजापत, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर के आचार्य प्रोफेसर गोपाल मोदानी, सत्यनारायण नागर, सियाराम गुर्जर, धनराज गुर्जर, ब्रजमोहन मीना, अशोक नागर सहित राजस्थान के आठ जिलों के किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल नैनवॉ जिला बूंदी (राज.)
E-Mail :- nnagarpalika@gmail.com
क्रमांक न.पा.नै./सफाई/2024-25/10222 दिनांक : 08.02.2024
-: वार्षिक ई-निविदा-सूचना 03/2024-25 :-
नगरपालिका नैनवॉ द्वारा व्यक्ति/फर्म/मैसर्स से निम्नांकित कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी समस्त विवरण को वेबसाईट www.sppp.rajasthan.nic.in पर देखा/डाउनलोड किया जा सकता हैं। उक्त निविदा का NIB Code :- DLB2324A8625 हैं। कार्य का UBN No. निम्न प्रकार है।
(1) DLB2324SLRC31208
(2) DLB2324SLRC31212
(3) DLB2324SLRC31214
राज.संवाद/सी/23/13074 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणीकरण संस्था (राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित) तृतीय तल, पंत कृषि भवन, जनपथ, सी-स्कीम जयुपर 302005 (राज.)
Director Rajasthan State seed And Organic Certification Agency, (Established By Rajasthan Govt.) IIIrd Floor Pant Krishi Bhawan C-Scheme Janpath Jaipur-302005 (Raj.)
F.1(92)/RSSOCA/Store/2024/1608 Dated: 05.02.2024
E-Procurement Tender Notice
The Bids for Supply of Label Printing Machine, Satin/white color tags, Desktop Computes, Tablet, Printers, ect. are online invited from interested bidders approx cost amount Rs. 2.61 Crores up to 2:00 PM of dated 27.02.2024. other terms and condition of the bids may be viewed on the website of department http://www.agriculture.rajasthan.gov.in and SPP Portal website http://sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in
UBN No.: SCA2324GLOB00002
(Ram Avatar Sharma)
Director
DIPR/C/907/2024

संक्षिप्त

मदन लाल सैनी को पितृशोक

उनियारा/चौरु, (निसं)। उपखंड क्षेत्र पलाई के हुकमपुरा निवासी

स्व.राधेश्याम सैनी

पत्रकार मदन लाल सैनी के पिता का गुरुवार को 63 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। निधन पर पत्रकार सुरेंद्र शर्मा चौरु, अशोक कुमार सैनी चौरू, मुजम्मिल सारण उनियारा, निर्मल गुप्ता, संदीप गुप्ता , प्रवीण शर्मा, महेश त्रिपाठी, शिवराज मीणा, आनंद शर्मा, महेंद्र कुमार सैनी, अशोक कुमार सैनी उनियारा, मुनीम मीणा, सलीम खान, राजेश कुमार सैन बनेठा, सोजी लाल धाकड पलाई, माजिद पलाई सहित कई पत्रकारों, इष्टजनों, मित्रों, शुभचिन्तकों ने शोक व्यक्त कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

मंदिर के पास मिला अधेड़ का शव

पावटा, (निसं)। जिले में थाना प्रागपुरा क्षेत्र के पावटा कस्बे में शनि मंदिर के पास शुक्रवार की सुबह एक व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि शुक्रवार की सुबह थाना प्रागपुरा पुलिस को सूचना मिली कि पावटा कस्बे में शनि मंदिर के पास एक व्यक्ति का शव पडा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि मृतक की पहचान परिजनों ने सरदार सिंह पुत्र शंकर सिंह जाति राजपूत 50 साल निवासी जेपी विहार कॉलोनी थाना प्रागपुरा जिला कोटपूतली बहरोड के रूप में की।

तीन सड़क हादसों में चार घायल

मालपुरा, (निसं)। दूदू-छाण स्टेट हाईवे के मालपुरा टोडारायसिंह सडक मार्ग पर शुक्रवार को तिलांजू रोड के पास तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक बाइक सहित सडक किनारे नाले में गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों घायलों को ग्रामीणों ने मालपुरा अस्पताल में पहुंचाया। जहां से दोनों को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया गया। गुरूवार की देर रात्री को जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे पर रिद्धी सिद्धी रेस्टोरेन्ट के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से खेमराज पुत्र मोहन लाल सैनी निवासी जयपुर रोड घायल हो गया। तो दुसरे सडक हादसे मे भागचन्द सेन पुत्र हनुमान सेन निवासी गनवर घायल हो गया। मालपुरा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद भागचन्द को जयपुर रैफर किया गया।

16 हजार रुपये का जुर्माना वसूला

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) थाने की ओर से आला कमान अधिकारियों के निर्देशन पर एक विशेष अभियान चलाया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए आरपीएफ निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि आरपीएफ के जवानों द्वारा अभियान के तहत तुरन्त कार्यवाही करते हुए परिसर में अवैध रूप से रेलवे लाईन पार करने वाले, बिना टिकट यात्रा करने वाले, दिव्यांग कोच में अथवा पायदान पर खडे अथवा बैठकर यात्रा करने वालों को तथा रेल गाडियों में अवैध वेण्डिग करने वालों सहित कुल 52 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें वहीं रेलवे कैम्प कोर्ट में मजिस्ट्रेट नारायण प्रसाद के समक्ष पेश किया गया। जहां उन पर कार्रवाई करते हुए 16 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

आयुक्त फतेह सिंह का स्थानांतरण

कोटपूतली, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव 2024 को देखते हुए अधिकारियों व कार्मिकों के स्थानान्तरण किये जा रहे है। इसी क्रम में स्वायत्त शासन विभाग द्वारा तीन वर्षो से एक ही पद पर तैनात अधिकारियों का स्थानान्तरण किया गया है। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक सुरेश कुमार ओला ने नगर परिषद कोटपूतली में आयुक्त पद पर कार्यरत अधिशाषी अधिकारी (चतुर्थ) फतेह सिंह मीणा का स्थानान्तरण नगर परिषद सवाई माधोपुर में सचिव पद पर किया है।

सुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री जवाहर

टोंक, (निसं)। गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जिले के सभी अधिकारियों को कहा कि सुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आमजन की जन-कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वितति में लापरवाही एवं शिथिलता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बेढम ने कलेक्ट्रेट सभागार में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। गृह राज्य मंत्री ने जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा से विकसित भारत संकल्प यात्रा में जिले की प्रगति की जानकारी ली तथा कहा कि शिविरों में योजनाओं के लाभ से वंचित रहे लोगों को भी जोडा जाएं। कोई भी पात्र व्यक्ति छूटे नहीं। बेढम ने जिले में सोशल मीडिया अवेयरनेस एवं साइबर क्राइम को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं में सोशल मीडिया अवेयरनेस को लेकर

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जिला कारागृह टोंक का औचक निरीक्षण कर जेल के बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। अभिभावकों को भी गाइड करें। साइबर क्राइम घटित होने के बाद पीडित राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल एवं 1930 पर कॉल शिकायत कैसे करें इसे लेकर प्रचार-प्रसार करें।

उन्होंने जिला कलेक्टर को चारों विधानसभाओं में प्रशासनिक, टेक्निकल एवं दो स्थानीय जन-प्रतिनिधियों की कमेटी गठित कर जेजेएम के तहत हुए कामों की रेंडमली जांच करने के निर्देश दिए साथ ही जांच में जो भी दोषी पाए जाएं उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएं। पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटे लाल बैरवा को सर्विस डिलिवरी बेहतर करने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता को केंद्र सरकार से विद्युत लाईनों के मेंटेंनेस के लिए प्राप्त धन राशि का समुचित उपयोग कर आगामी एक माह में अभियान चलाकर पूरा करने पर जोर दिया साथ हीए सडकों के बीच दुर्घटना संभावित बिजली के खंभों को बदलने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, जिला प्रमुख सरोज बंसल, निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पराणा, विजय बैंसला, रामचंद्र गुर्जर, पूर्व प्रधान खेमराज मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

■ जिला कारागृह का निरीक्षण, जेल गार्ड ने सशस्त्र सलामी दी

वही गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने शुक्रवार को जिला कारागृह टोंक का औचक निरीक्षण किया। गृह राज्य मंत्री की अगवानी जेल गार्ड ने सशस्त्र सलामी देकर की। बेढम ने जेल के बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली साथ ही भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सकीय सुविधा, विधिक सहायता, मनोरंजनात्मक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संदर्भ में बंदियों से जानकारी ली। बंदियों ने जेल व्यवस्था पर संतोष प्रकट किया। बेढम ने जेल में चल रही श्रीमद्भागवत ऑनलाइन कक्षा का भी अवलोकन किया।

कार खाई में गिरी, दो घायल

सांभरझील, (निसं)। गुढ़ा कस्बें में शुक्रवार दोपहर में बाबा भैरव नाथ मंदिर के पास एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क से दूर जाकर खेल मैदान के पास खाई में जा गिरी। कार में सवार दो व्यक्तियों को मामूली चोटे आई।

जानकारी अनुसार बताया जा रहा कि शुक्रवार को सामने से एक बकरी सडक के बीच आ गई। बकरी को बचाने के चक्कर में अचानक गाडी गिट्टी में पलटकर सडक से दूर खाई में जा गिरी। लोगों ने बताया कि कार की रफ्तार धीमी ही थी लेकिन क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग पर उलट गई। गंभीर हादसे में कार के परखच्चे उड गए। चारों ओर के शीशे चकनाचूर हो गए तथा कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों युवक टूटे हुए आगे के शीशे से बडी मुश्किल से बाहर निकल सके। एक गंभीर रूप से घायल युवक को सांभर उप जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया। हादसे में युवक का एक कंधा फ्रैक्चर हो गया जिसका उपचार कर देर शाम छुट्टी दे दी गई।

सेटेलाइट हॉस्पिटल में सवा करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

अलवर, (निसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को सेटेलाइट हॉस्पिटल कालाकुआं में विभिन्न विकास कार्यों एवं फुल्ली ऑटोमेटेड बायोकैमेस्ट्री मशीन व सोनेग्राफी का उद्घाटन किया।

मंत्री शर्मा ने सैटेलाइट हॉस्पिटल में विधायक कोटे से प्रदान की गई 11 लाख रूपये की लागत की फुल्ली ऑटोमेटेड बायोकैमेस्ट्री एनीलाइजर मशीन एवं एमआरएस से 22 लाख रूपये की लागत राशि से नवनिर्मित रजिस्ट्रेशन कक्ष, प्रथम तल पर निर्मित भवन, 75 लाख रूपये की लागत का ऑक्सीजन प्लांट एवं 20 लाख की लागत की सोनोग्राफी मशीन का उद्घाटन किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार कर चिकित्सा तंत्रा को मजबूती प्रदान करने

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सेटेलाइट हॉस्पिटल में बायोकैमेस्ट्री मशीन व सोनेग्राफी का उद्घाटन किया।

का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में कराए गए विकास कार्यों से मरीजों की सुविधाओं में विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि सोनोग्राफी मशीन लगने से गर्भवती महिलाओं एवं अन्य मरीजों की चिकित्सालय में ही सोनोग्राफी की जा सकेगी तथा ऑटोमेटेड बायोकैमेस्ट्री मशीन से चिकित्सालय में ही मरीजों को 21 प्रकार की जांच कराने की सुविधा मिलेगी। इस दौरान चिकित्सालय स्टाफ द्वारा मंत्री शर्मा का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया तथा जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर निगम के महापौरघनश्याम गुर्जर, पीएमओ डॉ. सुनील चौहान, अशोक गुप्ता, पं. जलेसिंह, मनोज चौहान, डॉ. के.के शर्मा, धीरज जैन, बीना नरूका, गोवर्धन सिंह सिसोदिया, संजय जसाइवाल, सीताराम चौधरी, सुमन चौधरी, जितेन्द्र राठौड,एल.एन गुप्ता, राजेन्द्र कसाणा, डॉ. जी.एस राठौड सहित चिकित्सकीय स्टाफ एवं बडी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड्स दर्पण का विमोचन

लालसोट, (निसं)। श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट में प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स की स्मारिका स्काउट दर्पण का विमोचन लालसोट विधायक रामविलास मीणा ने किया।

ज्ञातव्य है कि लालसोट विधायक रामविलास मीणा हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के अध्यक्ष भी हैं। इस मौके पर विधायक रामविलास मीणा ने कहा कि हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स विभिन्न सामाजिक सरोकार के कार्यों को करने के लिए तैयार रहता है वह आगामी समय में इस संगठन से अपेक्षा करते हैं कि समय-समय पर जब भी स्काउट गाइड की जहां आवश्यकता पडे श्रमदान कर अपने संगठन का नाम रोशन करें। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स ब्लाक लालसोट के उपाध्यक्ष रामचरण बोहरा ने लालसोट विधायक रामबिलास मीणा एवं सोनू बिनोरी, रामखिलाडी मीणा एवं अन्य

विधायक रामविलास मीणा ने हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की स्मारिका का विमोचन किया।

जनप्रतिनिधी पार्षदों को राष्ट्रवादी स्वदेशी संगठन हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स की विचारधारा के बारे में जानकारी प्रदान की।

ब्लॉक रोवर लीडर अमन शर्मा, हनुमान सैनी, रेंजर लीडर पायल महावर एवं पूजा गुर्जर आदि अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में अपनी सेवाएं प्रदान की। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला सभाध्यक्ष नवीन पांखला हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स लालसोट के सचिव भी है। सचिव ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। उपाध्यक्ष रामचरण बोहरा ने सभी राष्ट्रवादियों से आव्हान किया कि अब हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स को मजबूती प्रदान करें।

देवनारायण जयंती पर भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा

टोंक, (निसं)। श्री देवनारायण भगवान की 1112वीं जयंती के अवसर पर गुर्जर समाज टोंक द्वारा शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को राज्य के पशुपालन एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बैडम ने श्री देवनारायण भगवान की आरती कर एवं धर्म पताका फहरा कर रवाना किया।

शोभायात्रा बैंडबाजों एवं डीजे की मधुर धुनों के साथ श्री देवनारायण भगवान मंदिर हीरा चौक से प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा में सबसे आगे लवाजमे से सजी धजी पांच घोडियों पर बैठकर समाज बंधु धर्म ध्वज लेकर चल रहे थे। बीच में श्री देवनारायण भगवान की मनोहरिक झांकी, सिर पर कलश रखे हुए सैकडों महिलाये एवं बैंड की धुनों पर नाचते गाते, देवनारायण भगवान के जयकारे लगाते हुए नौजवान एवं समाज बंधु बडे उत्साह के साथ शामिल रहें। इस दौरान सामाजिक संगठनों,

■ मंत्री जवाहर सिंह ने पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा रवाना की

व्यापारियों आदि ने श्री देवनारायण भगवान की आरती उतारकर धर्म लाभ प्राप्त किया। शोभायात्रा में कालूराम गुर्जर, कंवरपाल गुर्जर, लक्ष्मी नारायण गुर्जर, रामावतार धाभाई, नेहनूलाल पटेल, रामप्रकाश बदुडी, रमेश पढियार, शिवराज कुकड, रामलाल लांगडी, रामलाल कोली, राधाकिशन गुर्जर, ग्यारसी लाल हरसाना, फतेहलाल गुर्जर, भगवान पटेल, बजरंग लाल चावड़ी, रामफूल डोई, महावीर पेंटर, केदार गुर्जर, रामलाल संडीला, भगवान दास गुर्जर, शैलेश गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर, विक्रम गुर्जर, महेश गुर्जर, धर्मराज गुर्जर सहित समाज बंधु शामिल थे।

सार-समाचार

मां जमवाय का प्रथम पाटोत्सव आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)।ओम शक्ति मंदिर झाडली (श्रीमाधोपुर) जिला नीमकाथाना में मां जमवाय का प्रथम पाटोत्सव कार्यक्रम 17 फरवरी शनिवार को आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए नरपत सिंह झाडली ने बताया कि प्रात: 10.15 बजे से हवन, दोपहर 12:15 बजे से जोत और 12:30 बजे से प्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व 16 फरवरी शुक्रवार को प्रात: 10:15 बजे से दुर्गा सप्तमि पाठ एवं रात्रि में जागरण का आयोजन किया गया। सिंह ने क्षेत्रवासियों से पाटोत्सव कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेने का आग्रह किया है।

योजनाओं की प्रगति के बारे में जाना

कोटपूतली, (निसं)। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री लाभार्थी संवाद कार्यक्रम के उपरान्त जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में राठौड़ ने विकसित भारत योजना के तहत जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा सभी योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कैबिनेट मंत्री राठौड़ को सभी विभागों के अधिकारियों से परिचय कराते हुए नये जिले में आ रही प्रशासनिक समस्याओं के बारे में अवगत कराया तथा समाधान के लिए अनुरोध किया। इस पर मंत्री राठौड़ ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिलाया। राठौड़ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सभी योजनाओं की विभागवार समीक्षा कर योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा अच्छी प्रगति रिपोर्ट देखकर उन्होंने सभी अधिकारियों की प्रशंसा की तथा इसी लगन के साथ कार्य करते हुए अधिकारियों को सभी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विधायक हंसराज पटेल, एडीएम योगेश कुमार डागुर, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास, डीटीओ सुनील सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, जिला जनसम्पर्क अधिकारी नितिन कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में भक्तों ने पाई प्रसादी

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के राजपुरा मोहल्ले में स्थित माधवानंद आश्रम में शुक्रवार को रामानंद महाराज के सानिध्य में वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस दौरान हवन के आयोजन के उपरांत दोपहर 12 बजे से मंदिर परिसर में भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमे आसपास के श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। वार्षिकोत्सव के दौरान त्रिवेणी धाम से आई साध्वी सुनीता बहन के द्वारा फागोत्सव गीत गाए गए। वही गत रात्रि को आश्रम में भजन-सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर महामंडलेश्वर जनार्दनदास महाराज, साध्वी विदुषी सरस्वती, रोहिताश सैनी, सोहन लाल, रामनिवास प्रजापत, योगेश सैनी, पुष्पेन्द्र प्रजापत, मामराज सैनी, डूडू सैनी सहित बडी संख्या में भक्तगण मौजूद थे।

देवनारायण भगवान की जयंती मनाई

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के इंद्रा कॉलोनी में गुर्जर समाज के आराध्यदेव देवनारायण भगवान की 1112 वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। वही उपस्थित लोगों ने भगवान देवनारायण के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर शिक्षा को बढावा देने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के महिपाल सिंह गुर्जर, एडवोकेट उपेन्द्र कुमार आत्रेय, रामधन गुर्जर ने अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर मालीराम कसाना, जगदीश गुर्जर, कमल अठावाल, प्रह्लाद यादव, राजेश बुनकर, रोहिताश यादव, मनीष आत्रेय, कृष्ण कुमार वर्मा, सुल्तान बुनकर, लालाराम, जीतू वर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

अवैध शराब व बीयर जब्त, एक गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने अवैध शराब, मादक पदार्थ के भण्डारण व परिवहन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को 8 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त कार को जप्त किया है। एसएचओ राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कडी मेहनत व लगन से कार्य करते हुए आसूचना संकलन कर 8 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब व बीयर सहित अभियुक्त सनोज (39) पुत्र प्रकाश कंजर निवासी गिरवास, खैरथल को गिरफ्तार कर अवैध शराब के परिवहन में प्रयुक्त कार को जप्त कर अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

भगवान देवनारायण का जन्मोत्सव मनाया

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पूतली स्थित श्री देवनारायण मंदिर में शुक्रवार को श्री देवनारायण जन कल्याण संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में भगवान श्री देवनारायण का 1112 वाँ जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर भगवान श्री देवनारायण की मूर्ति पर माल्यार्पण कर, पुष्प अर्पित कर व द्वीप प्रज्जवलित कर विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पी.एम. संवाद कार्यक्रम आयोजित, लाभार्थियों ने सुना मोदी का संदेश

मालपुरा, (निसं)। सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के खेल मैदान मालपुरा में शुक्रवार को आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

उपखण्ड प्रशासन एवं पंचायत समिति द्वारा आयोजित समारोह में पहुंचे जलदाय मंत्री एवं क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में शामिल लखपति दीदी व उज्जवला गैस कनेक्शन सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चैक व गैस चूल्हा वितरण करते हुये कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने एक के बाद एक जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत कर देश के जरूरतमंद एवं पात्र लोगों को लाभान्वित करने का रिकॉर्ड बनाया है जो कि कांग्रेस ने 70 साल के शासन में नहीं बनाया। अब केन्द्र व राज्य में डबल इंजन की सरकार पांच साल में राजस्थान का कायाकल्प करेगी। लखपति दीदी योजना में स्वंय सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा चूल्हे में ईंधन से खाना बनाने वाली

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने मालपुरा में पीएम जनसंवाद समारोह में लाभार्थियों को केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिया।

गृहणियों को उज्जवला योजना में गैस कनेक्शन देकर उनका भविष्य संवारने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की अनेक योजनाओं से महिलाओं को लाभान्वित किया है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के कुशासन का अंत कर भाजपा के सुशासन लाने में देश की जनता ने अपने वोट की ताकत से प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के हाथ मजबूत किये है।

मंत्री ने कहा कि टोरडी सागर बांध में पानी डलने के बाद ही सिर पर पगडी पहनने का जो संकल्प उन्होने लिया था वो संकल्प अब पूरा होगा। समारोह में पहुंचे लाभार्थियों ने मंत्री के साथ प्रधानमंत्री मोदी का जनसंवाद बडी स्क्रीन पर देखा। एसडीएम मनोज कुमार वर्मा, एडीएम अशोक कुमार त्यागी,

■ डबल इंजन की सरकार पांच साल में राजस्थान का कायाकल्प करेगी : मंत्री कन्हैयालाल

तहसीलदार राहुल पारीक, पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, टोडारायसिंह पालिका अध्यक्ष भरत लाल सैनी, प्रधान सकराम चौपडा, एएसपी पुष्पेन्द्र सिंह, पुलिस उपाधिक्षक चक्रवर्ती सिंह राठोड, पंचायत समिति विकास अधिकारी सतपाल कुमावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चन्द जैन, नरेन्द्र जैन ने मंत्री का स्वागत किया। इसके बाद मंत्री ने खेल मैदान पर ही जनता दरबार लगा जनसुनवाई की। जिसमे पहुंचे फरियादियों ने मंत्री को समस्याओं से अवगत करवाने पर संबंधित अधिकारियों को मंत्री ने समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिये। इसके बाद मंत्री ने डिग्गी व धौली पंचायत मुख्यालय पर स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत घर-घर कचरा संग्रहण के लिये ई-रिक्शा को झंडी दिखा कर रवाना किया।

भारत संकल्प शिविर का शुभारंभ

किशनगढबास/खैरथल, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनाज मंडी खैरथल परिसर में विकसित भारत संकल्प शिविर में पहुंचे हजारों लोगों को वर्चुअल संबोधित किया।

खैरथल में आयोजित विकसित भारत संकल्प शिविर का शुभारंभ जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका, पूर्व विधायक रामहेत यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिला उपखंड एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कार्मिकों के अलावा भाजपा जन प्रतिनिधि व महिलाएं पीएम नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को सुनने के लिए पहुंचे थी। कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सीधे जुड़े रहे। जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका, पूर्व विधायक रामहेत यादव, नगर परिषद सभापति हरीश रोघा, किशनगढबास नगर पालिका अध्यक्ष तारामणि, सतीश सिंघल एसडीएम कोटकासिम रामकिशोर मीणा एसडीम किशनगढबास बिजेंदर मीणा जिला परिषद अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीनबंधु सुरोलिया सहित अधिकारियों ने आयोजन में सहयोग देने वाले कार्मिकों एवं संस्कृत कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की योजनाओं का संदेश देने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

बाबा श्याम के वार्षिक लक्खी मेले की तैयारियां शुरू

खाटूश्यामजी, (निसं)। धार्मिक नगरी में बाबा श्याम का वार्षिक लक्खी फाल्गुन मेला 11 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित होगा। बाबा श्याम के फाल्गुनी मेले को लेकर श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा तैयारियां आरम्भ कर दी है।

श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा मेलें को लेकर बैरिकेडिंग, पेयजल, बिजली, सीसीटीवी कैमरे, छाया, शौचालय, पार्किंग व्यवस्था सहित सभी व्यवस्थाएं शुरू कर दी है। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, मंत्री श्याम सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष कालू सिंह चौहान की देखरेख में करीब तीन लाख पच्चीस हजार स्क्वायर फीट में लखदातार मैदान तैयार हो रहा है। लखदातार मैदान की क्षमता करीब एक लाख श्याम भक्तों की रहेगी। इसमें 5वाटर हार्वेस्टिंग, सीसीटीवी कैमरे, पांच बड़ी स्क्रीन लगाई गई है। इसके साथ ही चालीस फीट नये मार्ग में 1250 मीटर लम्बाई तक टैन शेड निर्माण करवाया गया है तथा पेचवर्क का कार्य भी प्रगति पर है। मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने बताया कि लखदातार मैदान सहित नवीन रास्ते में दस स्थानों पर जल मंदिर बनाए जा रहे हैं। इसमें चार सौ नल की टोंटी लगाकर भक्तों के लिए पेयजल आपूर्ति की

■ 11 मार्च से 21 मार्च तक बाबा श्याम का लक्खी मेला

जाएगी। इसके लिए तीन ट्ययूबवेल का निर्माण करवाया गया है तथा एक 90 हजार लीटर पानी की क्षमता की टंकी का निर्माण करवाया गया है।

श्याम बाबा के वार्षिक लक्खी मेले के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसमें लखदातार मैदान में तीन, रास्ते में एक, 52 बीघा पार्किंग में दो सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य प्रगति पर चल रहा है। इसके साथ ही आने वाले श्याम भक्तों को लखदातार मैदान में चलते-चलते स्क्रीन के माध्यम से लाइव दर्शन करवाए जायेंगे। ऐसे में पांच बडी स्क्रीन लगाई जाएगी। श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा सुरक्षा के लिहाज से मेले के दौरान 350 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे जो मेला क्षेत्र सहित सम्पूर्ण कस्बे में लगेंगे। मेले की व्यवस्था को लेकर चारण मैदान में साफ सफाई व बैरिकेडिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। चारण मैदान में पांच ब्लॉक में बैरिकेडिंग होगी। चारण मैदान में अभी 25 कर्मचारी लगाए और अब कर्मचारी बढ़ाकर कार्य को गति दी जाएगी।

विरोध करने वाले पहलवानों की तिकड़ी बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक को किसी भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा और वह महाराष्ट्र में होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनसे संपर्क करेंगे। -संजय सिंह

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष, पहलवानों के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

आर. अश्विन

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को जैक क्रॉली को आउट कर आर अश्विन ने 500 टेस्ट विकेट हासिल किया। इस विकेट के साथ ही अश्विन यह उपलब्धि हासिल करने वाले नौवें पुरुष और दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। 37 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने 98वें टेस्ट में यह कारनामा करने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2011 में पदार्पण करने वाले अश्विन घरेलू धरती पर बेहतरीन प्रदर्शन रहा हैं। पिछले एक दशक में अश्विन ने 34 बार पांच विकेट तथा आठ मैचों में दस या उससे अधिक विकेट लिए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीटवुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 37 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

राजकोट में बेन डकेट का शतक

इंग्लैंड के दो विकेट पर 207 रन, दूसरे दिन भारत पहली पारी में 445 रनों पर सिमटी

राजकोट, 16 फरवरी। राजकोट में तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हुआ। राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे दिन भारत की पहली पारी 445 रनों पर समिट गई। इसके बाद इंग्लैंड की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी। जिसकी शुरुआत बेहतरीन रही। इंग्लिश टीम ने 2 विकेट खोकर 207 रन बना लिए हैं जबकि भारत अभी भी 238 रन आगे है।

भारत और इंग्लैंड के बीच राजकोट में तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म हुआ। राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे दिन भारत की पहली पारी 445 रनों पर समिट गई। इसके बाद इंग्लैंड की टीम पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी। जिसकी शुरुआत बेहतरीन रही।

इंग्लिश टीम ने 2 विकेट खोकर 207 रन बना लिए हैं जबकि भारत अभी भी 238 रन आगे है। मेहमान टीम को तूफानी शुरुआत बेन डकेट और जैक क्रॉली ने दिलाई। हालांकि अश्विन ने भारत को पहली सफलता जैक क्रॉली के रूप में दिलाई। बेन डकेट ने शतक पूरा कर लिया है वहीं सिराज ने ओली पोप को पवेलियन भेज दिया है। जहां डकेट 118 गेंद में 21 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 133 रन बनाकर खेल रहे हैं।

उन्होंने जैक क्रॉली (15) के साथ पहले विकेट के लिए 89 और ओली पोप (55 गेंद में 39 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। स्टंप के समय जो रूट नौ रन बनाकर उनका साथ निभा रहे थे। भारत के पहली पारी के 445 रन से इंग्लैंड अब 238 रन पीछे है। इंग्लैंड के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि उसने अब तक 35 ओवर में 32 बाउंड्री लगाई है जिसमें 29 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। भारत ने पदार्पण कर रहे ध्रुव जुरेल (104 गेंद में 46 रन, दो चौके, तीन छक्के) और अश्विन (89 गेंद में 37 रन, छह चौके) के बीच आठवें विकेट की 77 रन की साझेदारी से पहली पारी में 445 रन बनाए।

कप्तान रोहित शर्मा (131) और रविंद्र जडेजा (112) ने कल शतक जड़े थे। जसप्रीत बुमराह (26 रन, 28 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) और मोहम्मद सिराज (नाबाद 03) ने अंतिम विकेट के लिए 30 महत्वपूर्ण रन जोड़े। डकेट ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 19 चौकों की मदद से सिर्फ 88 गेंद में अपना तीसरा शतक पूरा किया। इससे पहले अनुभवी ऑफ स्पिनर अश्विन पूर्व कप्तान अनिल कुंबले के बाद 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। अश्विन को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ एक विकेट की दरकार थी। क्राउली उनकी गेंद को स्वीप करने के प्रयास में हवा में उछाल गए और शॉर्ट फाइन लेग पर रजत पाटीदार ने आसान कैच लपका। डकेट ने इंग्लैंड को तूफानी शुरुआत दिलाई।

उन्होंने बुमराह पर पारी का पहला चौका जड़ने के बाद इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में दो और चौके मारे। डकेट ने कुलदीप यादव का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर सिर्फ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अश्विन ने अपने दूसरे ही ओवर में क्राउली को आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। डकेट को इसके बाद पोप के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। पोप ने कुलदीप पर छक्का जड़ा जबकि डकेट ने अश्विन की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। डकेट ने सिराज पर लगातार दो चौकों के साथ 88 गेंद में शतक पूरा किया। वह हालांकि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज की ओर से 86 गेंद में सबसे तेज शतक के क्राउली के रिकॉर्ड को तोड़ने से चूक गए। सिराज ने पोप को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत केपक्ष में गया।

इससे पहले बल्लेबाजों के पिच के बीच में दौड़ने के लिए भारत पर पांच रन का जुर्माना लगाया गया जिससे इंग्लैंड ने पारी की शुरुआत बिना विकेट खोए पांच रन से की। सुबह के सत्र में दो विकेट जल्दी गिरने के बाद जुरेल और अश्विन ने पारी को संभाला। अश्विन बढ़ा शॉर्ट खेलने की कोशिश में रेहान अहमद (85 रन पर दो विकेट) की गेंद को मिड ऑन पर जेम्स एंडरसन के हाथों में खेल गए। जुरेल पदार्पण करते हुए अर्धशतक की ओर से बढ़ रहे थे लेकिन चार रन से चूक गए जब रेहान ने उन्हें विकेटकीपर बेन फोक्स के हाथों कैच कराया। जुरेल ने आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करते हुए तीन छक्के लगाए।

जडेजा, अश्विन की गलती से इंग्लैंड को मिले जुर्माने के पांच रन

राजकोट 16 फरवरी। भारत पर तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहले सत्र में आर अश्विन के पिच के संरक्षित हिस्से में दौड़ते हुए पाये जाने पर पांच रन का जुर्माना लगाया गया। इससे पहले रवींद्र जाडेजा तीसरे टेस्ट के पहले दिन पिच के संरक्षित हिस्से पर दौड़ने पर भारत को चेतावनी दी गई थी। इंग्लैंड को 102वें ओवर में पांच पेनल्टी रन उस समय दिये गये जब भारत का स्कोर सात विकेट पर 358 रन था। अश्विन ने गेंद को कवर की ओर खेला और रन के लिए पिच पर दौड़ पड़े लेकिन ध्रुव जुरेल ने उनको वापस भेजा। अंपायर जोएल विल्सन और अश्विन के बीच बातचीत हुई जो पेनल्टी का सिग्नल देने से पहले निराश दिख रहे थे। इस पेनल्टी के कारण इंग्लैंड राजकोट टेस्ट में पहली पारी की शुरुआत पांच रन शून्य विकेट के साथ करेगा। नियम 41.14 में बल्लेबाजों के पिच को खराब करने के बारे में बताया गया है, जिसमें कहा गया है, पिच को जानबूझकर या ऐसी स्थिति जहां वह हट सकता था लेकिन ऐसा नहीं किया ता इसे क्षित पहुंचाना अनुचित है। यदि स्ट्राइकर गेंद खेलने या खेलते समय संरक्षित क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो उसे उसके तुरंत बाद वहां से हट जाना चाहिए। यदि कोई अंपायर मानता है कि पिच पर उसकी उपस्थिति उचित कारण के बिना है तो बल्लेबाज को क्षित पहुंचाने वाला माना जाएगा।

महिला हॉकी टीम सकारात्मक सोच के साथ ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से करेगी मुकाबला

राउरकेला, 16 फरवरी। भारतीय महिला हॉकी टीम सकारात्मक सोच के साथ एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और रविवार को अमेरिका से भिड़ेगी। भारतीय कप्तान सविता ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछला मुकाबला हार गए थे लेकिन इस बार हमारा ध्यान जीत हासिल करने पर है और हम अपना शत प्रतिशत देंगे। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया हमारे समान शैली में खेलता है। उनकी फिनिशिंग शानदार है। हमारा लक्ष्य उन्हें रोकना और आमने-सामने की लड़ाई जीतना होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही सविता पूनिया की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम एफआईएच प्रो लीग के मौजूदा सत्र में शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसने पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में चीन के खिलाफ 1-2, नीदरलैंड के खिलाफ 1-3 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी। भुवनेश्वर चरण के अंतिम मैच में भारत ने अमेरिका को 3-1 से हराया। ऑस्ट्रेलिया को हाल के दिनों में भारत के खिलाफ अधिक अनुकूल परिणाम मिले हैं, जिसमें इस महीने की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में 3-0 की जीत भी शामिल है, लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम अपनी 1-0 की जीत को दोहराने की कोशिश करेगी।

टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारतीय महिला टीम शुरुआती मुकाबले में चीन से हारी

बुसान, 16 फरवरी। भारतीय महिला टीम को विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल 2024 के ग्रुप एक के अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण कोरिया के बुसान में खेले जा रहे मुकाबले में भारत के अयहिका मुखर्जी ने चीन के सुन यिंग्शा को 3-1 (12-10, 2-11, 13-11, 11-6) से हराकर शानदार शुरुआत की। विश्व में 36वें नंबर की भारत की शीर्ष एकल खिलाड़ी मनिका बत्रा मुकाबले के दूसरे मैच में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी वांग मन्यु से 1-3 (3-11, 8-11, 15-13, 7-11) से हार गई। तीसरे मुकाबले में श्रीजा अकुला ने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग यिडी को 3-0 (11-7, 11-9, 13-11) से हराकर भारत को फिर से बढ़त दिलाई। सुन यिंग्शा ने मनिका पर चार गेमों में 3-1 (11-3, 11-6, 11-13, 11-9) की कठिन जीत के साथ टीम को स्थिर करने के लिए कदम बढ़ाया। स्कोर 2-2 से बराबर होने पर वांग मन्यु ने अयहिका को 3-0 (11-9, 13-11, 11-6) से हराकर मैच समाप्त कर दिया। भारतीय महिलाएं मैच रविवार को हंगरी के खिलाफ मुकाबला करेंगी। राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन शरत कमल की अगुआई में भारतीय पुरुष टीम शनिवार को चिली के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

विश्व स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं निश्चित समय सीमा में विकसित करें : रतूड़ी

देहरादून, 16 फरवरी। उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आज खेल विभाग को राज्य में प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों के मद्देनजर हुए विश्व स्तरीय खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं निर्धारित समयसीमा में विकसित करने के निर्देश दिये। आज यहां सचिवालय में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए गठित उच्चाधिकार समिति (एचपीसी) की बैठक रतूड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखण्ड को ग्रीन स्पोर्ट्स तथा ग्रीन टूरिज्म के विश्व स्तरीय मेजबान के रूप में स्थापित करने का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने राज्य में खेल सुविधाओं एवं खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने राज्य में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों को नेट ज़ीरो इम्पैक्ट अभियान, ग्रीन नेशनल गेम्स तथा राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने के अभियान से जोड़ने और इन खेलों को ग्रीन नेशनल गेम्स के रूप में आयोजित करने अवधारणा पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने रिसाइक्लड मेडल के उपयोग के निर्देश दिए हैं।

एनाबेल सदरलैंड ने रचा इतिहास, महिला टेस्ट क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया

नई दिल्ली, 16 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने इतिहास रच दिया है। एनाबेल ने टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयां छूते हुए शानदार दोहरा शतक लगाया है। मैच के दूसरे दिन चाय के समय 200 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड ने महिलाओं के टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शत लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने इतिहास रच दिया है। एनाबेल ने टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयां छूते हुए शानदार दोहरा शतक लगाया है। मैच के दूसरे दिन चाय के समय 200 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड ने महिलाओं के टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शत लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। बता दें कि, लंच ब्रेक के बाद सदरलैंड ने 113 रन से आगे खेलना शुरू किया और थके हुए दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी आक्रमण पर प्रहार जारी रखा। ड्रिंक्स के तुरंत बाद वह 150 के पार पहुंच गई थी। जिसके बाद उन्हें कोई भी

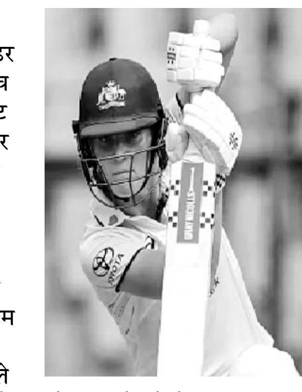

गेंदबाज रोकने में असफल रहा और उन्होंने 200 का आंकड़ा छू लिया। उन्होंने 248 गेंदों में अपना दोहरा शतक लगाया जो कि महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज डबल सेंचुरी है। एनाबेल से पहले ऑस्ट्रेलिया की ही कैरेन रोल्टन के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज था। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 2001 में 306 गेंदों में डबल सेंचुरी पूरी की थी। इस प्रक्रिया में एनाबेल सदरलैंड दोहरा शतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की ऑस्ट्रेलियाई महिला भी बन गई है। सदरलैंड ने इस मैच में 210 रन बनाए और वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बल्लेबाज बन गई हैं।

दीपा और प्रणति ने काहिरा जिम्नास्टिक विश्व कप के वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, 16 फरवरी। दीपा करमाकर और प्रणति नायक ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता एफआईजी अपरेटस विश्व कप के वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा ने कुल 13.449 अंक जुटाये जिससे वह क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रही और फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा करमाकर और प्रणति नायक ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता एफआईजी अपरेटस विश्व कप के वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा ने कुल 13.449 अंक जुटाये जिससे वह क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रही और फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

वहीं प्रणति नायक ने 13.166 अंक बनाये और वह सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। क्वालीफिकेशन राउंड से शीर्ष आठ जिमनास्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई करती हैं। पिछले महीने दीपा ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में वापसी करते हुए 'ऑल राउंड' स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, इसके अलावा इस 30 साल की जिमनास्ट ने वॉल्ट और अनइवन बार्स में भी रजत पदक जीते थे।

दीपा ने डोपिंग उल्लघंन के लिए 21 महीने के निलंबन के बाद पिछले साल जुलाई में वापसी की। वह अपनी स्पर्धा में चयन ट्रायल्स में शीर्ष पर रहने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों में नहीं जा सकी थीं क्योंकि वह खेल मंत्रालय के मानदंड को पूरा नहीं कर पायी थीं। प्रणति ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में वॉल्ट में स्वर्ण और बैलेंस बीम में कांस्य पदक जीता था।

गढ़वाल ने जीता दूसरी प्रीमियर लीग का खिताब

नयी दिल्ली 16 फरवरी। गढ़वाल हीरोज एफसी ने शुक्रवार को खेले गये निर्णायक मुकाबले में रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब को एक गोल से हरा कर दूसरी प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया है। आज यहां गढ़वाल ने अपने आखिरी मुकाबले में इशाकबोक के दर्शनीय गोल से बढ़त बनाते हुए आखिर तक बरकरार रखा। दूसरा स्थान रॉयल रेंजर्स को मिला, जिसने अति महत्वपूर्ण मैच में गत विजेता वाटिका एफसी पर 2-0 की जीत दर्ज की।

नागल ने कोलमैन वोंग को हराया, बेंगलुरु ओपन के क्वार्टरफाइनल में

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुमित नागल ने गुरुवार को कोलमैन वांग से कड़ी चुनौती का सामना किया और एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले को जीतकर बेंगलुरू ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये। नागल ने हांगकांग के खिलाड़ी पर 6-2, 7-5 से जीत हासिल की। भारत के दूसरे वरीय सुमित नागल ने गुरुवार को कोलमैन वांग से कड़ी चुनौती का सामना किया और एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले को जीतकर बेंगलुरू ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये।

अश्विन 500 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने

राजकोट 16 फरवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को जैक क्रॉली को आउट कर आर अश्विन ने 500 टेस्ट विकेट हासिल किया। इस विकेट के साथ ही अश्विन यह उपलब्धि हासिल करने वाले नौवें पुरुष और दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। 37 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने 98वें टेस्ट में यह कारनामा करने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2011 में पदार्पण करने वाले अश्विन घरेलू धरती पर बेहतरीन प्रदर्शन रहा हैं।

हांगकांग को हराकर भारतीय महिला टीम ने ऐतिहासिक पदक सुनिश्चित किया

नई दिल्ली, 16 फरवरी। शुक्रवार को भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग पर 3-0 की जीत के साथ बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) में अपना पहला पदक पक्का किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन को हराकर ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद भारत ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की युगल जोड़ी की जीत के दम पर हांगकांग को हराया।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग पर 3-0 की जीत के साथ बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) में अपना पहला पदक पक्का किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन को हराकर ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद भारत ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की युगल जोड़ी की जीत के दम पर हांगकांग को हराया।

अब भारत का मुकाबला जापान और चीन के बीच होने वाले एक अन्य क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी करते हुए सिंधु ने अपने से निचली रैंकिंग वाली लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-7, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज की। इसके बाद तनीषा और अश्विनी की महिला युगल जोड़ी ने येयुंग एनगा टिंग और येयुंग पुई लैम की दुनिया की 18वें नंबर की जोड़ी को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से हराकर भारत को बढ़त दोगुनी कर दी।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज), चौमूँ (जयपुर)

निविदा सुचना

क्रमांक-819-893 दिनाक-15-02-2023

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें / कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता फर्मो / व्यक्तियों से दिनांक 09.02.2024 को प्रातः 11.30 बजे निविदा निकाली गई थी जो अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई थी तथा पून. निविदा दिनांक 28.02.2024 को 11.30 बजे तक निर्धारित निविदा प्रपत्र में बन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. स.	कार्य/व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु. में)
1	किसान कलेवा योजना के संचालन हेतु	एक वर्ष	5.00
2	लेखन मुद्रण सामग्री (कार्यालय एवं व्यापारी)	एक वर्ष	1.60

प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बंधित अन्य विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
(अनाज) चौमूं जयपुर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 20.04.2021 को एक मांग पत्र कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. अजीत शर्मा, 2. सुमन शर्मा को जारी किया गया था, जिसमें 13.04.2021 को देय, मांग पत्र में उल्लेखित राशी रूपये 11,00,236.73/- (रूपये ग्यारह लाख दौ सौ छत्तीस और पैसा तिहत्तर मात्र) का भुगतान नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज फरवरी 2024 के 12वें दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तो के अधीन राशी रूपये 11,00,236.73/- (रूपये ग्यारह लाख दौ सौ छत्तीस और पैसा तिहत्तर मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

फ्लैट/यूनिट नं. एफ-303, क्षेत्रफल 570 वर्ग फिट, पहली मंजिल, प्लाट नं. जी-08, मंगलम सिटी विस्तार, ग्राम हाथोज, कलवाड रोड, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और प्लाट नं. जी-8 की सीमायें है- पूर्व-रोड 10 फिट, उत्तर-प्लाट नं. जी-7, पश्चिम-प्लाट नं. जी-11, दक्षिण-प्लाट नं. जी-9

दिनांक- 12 फरवरी 2024
स्थान- जयपुर
ऋण खाता संख्या- 12720512

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुननिर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तो की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	48423078	सम्पत्ति पर ऋण	1. लखा राम 2. किशनी लखा	23.12.2023	3,64,561.43/-	प्लाट पट्टा नं.08, ग्राम पंचायत-श्रीरामपुरा, पंचायत समिति-दूदू, जयपुर, राजस्थान-303348 का पूरा व प्रत्येक भाग क्षेत्रफल 300 वर्ग गज अर्थात 2700 वर्ग फिट, और सीमायें है- पूर्व-स्वयं का प्लाट, पश्चिम-रतना राम/भूरा राम गुर्जर का मकान, उत्तर-बन्ना राम/भूरा राम गुर्जर का मकान, दक्षिण-आम रास्ता

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चो, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
दिनांक- 17.02.2024
स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

स्कॉर्पियो कार आगे चल रहे ट्रक में घुसी, गुजरात के पांच लोगों की मौत

बीकानेर में भारत माला रोड पर यह हादसा हुआ, कार ड्राइवर को झपकी आने के कारण दुर्घटना होने का अंदेशा

- **स्कॉर्पियो कार इतनी तेज रफ्तार से जाकर ट्रक से भिड़ी की पूरी कार सिमट कर स्क्रैप के ढेर में तब्दील हो गई।**
- **जानकारी के अनुसार गुजरात निवासी परिजनों को सूचना दे दी गई है। ये लोग गुजरात जा रहे थे। राजस्थान में किस काम से आए थे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल सकी है।**

बीकानेर, 16 फरवरी (निसं)। गुजरात निवासी लोगों की स्कॉर्पियो कार शुक्रवार सवेरे भारत माला रोड से होकर गुजर रही थी और तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान अचानक चालक को संभवत: नींद की झपकी आई और गाड़ी आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जिस गाड़ी में वे लोग सवार थे उस गाड़ी की हालत ऐसी हो गई जैसे स्क्रैप का ढेर हो।

हादसा इतना भयंकर था कि स्कॉर्पियो की छत उधड़ती हुई पीछे डिक्की तक जा पहुंची। पांच लोग उसमें सवार थे एक ही पल में सभी की जान चली गई। लाशें ही आपस में चिपक गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शवों को अलग कर मुर्दाघर में रखवाया।

जानकारी के अनुसार, गुजरात निवासी परिजनों को सूचना दे दी गई है। ये लोग गुजरात की ओर जा रहे थे। राजस्थान में किस काम से आए थे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल सकी है। हादसा शुक्रवार तड़के का बताया जा रहा है, जो रासीसर गांव के नजदीक हुआ।

बीकानेर जिले की नोखा पुलिस ने बताया कि, सभी लोग गंगानगर से होते हुए गुजरात की ओर जा रहे थे। स्कॉर्पियो भारत माला रोड से होकर गुजर रही थी और बेहद ही तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान अचानक चालक को संभवत: नींद की झपकी आई और गाड़ी आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। उसे ट्रक से अलग करने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी। ट्रक चालक ने ही पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया कि, टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो कबाड़ में बदल गई। उसमें सवार गुजरात के डॉ. प्रतीक, उनकी पत्नी हेतल, गुजरात में ही कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर डॉ. पूजा, उनके पति के साथ ही प्रतीक और हेतल की 18 महीने की बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। नोखा पुलिस ने बताया कि, हादसा भयंकर था। क्रेन की मदद से कबाड़ बन चुकी गाड़ी को मौके से हटाया गया है। पांचों के शवों को मुर्दाघर में रखवाया गया है। परिवार के सदस्यों को मौत की सूचना दे दी गई है। वे लोग गुजरात से रवाना होकर बीकानेर आ रहे हैं। पुलिस ने बताया कि, भारत माला रोड पर ज्यादा यातायात नहीं रहता, इस कारण हादसे की जानकारी कुछ देरी से पुलिस को लगी। हांलाकि, सभी की मौत हो चुकी थी।

तेजस्वी यादव के कामकाज की जांच करायेंगे नीतीश

पटना, 16 फरवरी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार पूर्व उप मु.मंत्री तेजस्वी यादव और आर.जे.डी. के पूर्व मंत्रियों के फैसलों की समीक्षा करेगी। तेजस्वी के अलावा पूर्व मंत्री रामानंद यादव एवं ललित यादव के मंत्री रहते किए गए कार्यों और उनके विभागीय निर्णयों की समीक्षा होगी।

समीक्षा के दायरे में पिछले 10 माह के छह विभाग स्वास्थ्य विभाग, पथ परिवहन विभाग, नगर विकास व आवास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के कार्य शामिल हैं। कैबिनेट विभाग ने इन विभागों के प्रधान को इसके कार्यान्वयन का टास्क सौंपा है।

मौजूदा सरकार में ये विभाग उप मु.मंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के पास हैं। पिछले महीने शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा कि, आर.जे.डी. के पास रहे सभी विभागों की समीक्षा की जाएगी। एनडीए सरकार भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी। अगर अतीत में कुछ गलत हुआ है तो उसे सुधारा जाएगा।

पेपर लीक प्रकरण में रामकृपाल मीणा की जमानत याचिका खारिज

- **हाईकोर्ट ने आरोपी रामकृपाल मीणा को ई.डी. द्वारा दर्ज मनी लॉन्डरिंग केस में जमानत देने से इन्कार कर दिया।**
- **ई.डी. के अनुसार मीणा पर एक करोड़ 6 लाख रु. की मनी लॉन्डरिंग का आरोप है।**

जयपुर, 16 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रीट पेपर लीक से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज मनी लॉन्डरिंग के मामले में आरोपी राम कृपाल मीणा की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में आरोपी की ओर से कहा गया कि, स्पैशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) की ओर से दर्ज मूल प्रकरण में उसे जमानत मिल चुकी है। इसके अलावा ई.डी. के पास याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई बेस साक्ष्य भी नहीं है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राज दीपक रस्तोगी ने कहा कि, याचिकाकर्ता पर एक करोड़ 6 लाख रुपए की मनी लॉन्डरिंग का आरोप है। यह राशि आठ लोगों को रखने के लिए दी गई और बाद में इन लोगों ने इस रकम को उधारी दिखा दी। ई.डी. इस राशि को जब्त भी कर चुकी है। मनी लॉन्डरिंग के मामले में अदालत को जमानत देते समय यह देखना होता है कि, संबंधित व्यक्ति ने प्राथमिक रूप से भी यह अपराध नहीं किया है। इसके अलावा मनी लॉन्डरिंग का विशेष कानून है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट तय कर चुका है कि मूल केस में मिली जमानत से मनी लॉन्डरिंग का केस प्रभावित नहीं होगा। याचिकाकर्ता ने शिक्षा संकुल के सुरक्षित चेस्ट से पेपर चोरी कर उसे करोडों रुपए में बेचा। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

पेटीएम बैंक के ग्राहकों को मिला और 15 दिन का समय

- **पेटीएम बैंक की सेवाओं को बंद करने की अवधि को 15 दिन बढ़ाकर 15 मार्च 2024 कर दी गई है, पहले पेटीएम बैंक 29 फरवरी को ही बंद होने वाला था।**

नई दिल्ली, 16 फरवरी (वार्ता)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) ने पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए थोडा और समय देने के उद्देश्य से पीपीबील की सेवाओं को बंद करने की अवधि को 15 दिन बढ़ाकर 15 मार्च 2024 कर दी है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि व्यापक सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 15 मार्च, 2024 (29 फरवरी, 2024 की पूर्व निर्धारित समयसीमा से विस्तारित) के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेट, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि में कोई और जमा या क्रेडिट लेनदेन या टॉप अप की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी ब्याज, कैशबैक, पार्टनर बैंकों से स्वीप इन या रिफंड के अलावा जो कभी भी जमा किया जा सकता है। इसके ग्राहकों द्वारा बचत बैंक खाते, चालू खाते, प्रीपेड उपकरण, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि सहित अपने खातों से शेष राशि की निकासी या उपयोग की अनुमति उनके उपलब्ध शेष राशि (कोई परिवर्तन नहीं) तक बिना किसी प्रतिबंध के दी जाएगी। 15 मार्च, 2024 (29 फरवरी, 2024 की पूर्व निर्धारित समयसीमा से विस्तारित) के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेट, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि में कोई और जमा या क्रेडिट लेनदेन या टॉप अप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शंभू बॉर्डर पर तैनात एस.आई. की आँसू गैस से दम घुंटने से मौत

चंडीगढ़, 16 फरवरी। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर अंबाला शंभू बॉर्डर में तैनात जीआरपी के एस.आई (सब इंस्पैक्टर) हीरालाल की मौत हो गई। उनकी मौत की वजह आंसू गैस के गोले से दम घुटना बताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनरत एक बुजुर्ग किसान की मौत की भी खबर सामने आई है।

पानीपत के गांव चुलकाना निवासी एस.आई. हीरालाल की पोस्टिंग जी.आर.पी. समालखा चौकी में थी। हाल ही में इनकी ड्यूटी किसान आंदोलन के चलते अंबाला में लगाई गई थी। इस दौरान आंसू गैस के गोलों से दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। मालूम हो कि आज फिर शंभू बॉर्डर पर तनाव की स्थिति बन गई है। पुलिस और किसान आमने-सामने हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

वहीं, गुरदासपुर के किसान की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

मृतक किसान की पहचान ज्ञान सिंह के रूप में हुई है। 65 वर्षीय ज्ञान सिंह गुरदासपुर जिले के चाचौकी गांव के रहने वाले थे। उन पर बैंक का 3 लाख रुपये का कर्ज था।

पवार ने सुप्रीम कोर्ट से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ तत्काल सुनवाई करने की मांग की जिसमें आयोग ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को "असली" एन.सी.पी. के बतौर मान्यता प्रदान की है।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट के समक्ष मामले की तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया और यह कहा कि चुनाव आयोग के पैनल के आदेश के कारण, शरद पवार को महाराष्ट्र विधानसभा में सत्र चलने के दौरान अजीत पवार के व्हिप का सामना करना पड़ेगा, यह विधानसभा सत्र 20 फरवरी से प्रारंभ होने वाला है। सिंघवी ने तर्क दिया कि पवार के नेतृत्व वाले खेमे को अभी तक किसी प्रकार का कोई पार्टी का प्रतीक चिन्ह आवंटित नहीं किया गया है।

सिंघवी ने मामले की सुनवाई के लिए 19 फरवरी तय करने का अनुरोध शीर्ष अदालत से किया क्योंकि, "यह मामला अति आवश्यक श्रेणी का है। क्योंकि चुनाव आयोग के तथाकथित आदेशानुसार शरद पवार को अजित पवार के व्हिप के अधीन रहना होगा। महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र अगले सप्ताह शुरु होगा। हमें अभी तक कोई पार्टी प्रतीक चिन्ह आवंटित नहीं किया गया है।"

भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायाधीश जे.बी. पारदीवाला व न्यायाधीश मनोज मिश्रा भी उपस्थित थे, ने कहा कि वे मामले को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे।

शरद पवार मुख्य चुनाव आयोग के उस निर्णय के खिलाफ पहले ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए थे जिसमें आयोग ने अजित पवार गुट को "असली" एन.सी.पी. मानकर अधिकृत रुप से मान्यता प्रदान की थी तथा अजित गुट को पार्टी का प्रतीक चिन्ह उपयोग करने की इजाज़त प्रदान की थी।

एन.जी.टी. ने चम्बल रिवर फ्रंट के खिलाफ दर्ज याचिका खारिज की

- **नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बैंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा, कि चम्बल रिवर फ्रंट के निर्माण में पर्यावरण संबंधी नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ।**
- **ट्रिब्यूनल ने कहा कि, गुजरात इंजीनियरिंग रिसर्च की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि 'रिवर फ्रंट के निर्माण से नदी का जल प्रवाह प्रभावित नहीं हुआ है और जल प्रदूषण के कानूनी प्रावधानों का भी पालन किया गया है।**

जयपुर, 16 फरवरी (का.सं.)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की भोपाल बेंच ने कोटा में चंबल रिवर फ्रंट निर्माण के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अधिकरण ने कहा है कि, इसके निर्माण से पर्यावरण व जल प्रदूषण नियमों की अवहेलना नहीं हुई है। प्रकरण में पेश रिपोर्ट से स्पष्ट है कि रिवर फ्रंट के निर्माण में पर्यावरण के प्रावधानों को लेकर कोई परेशानी नहीं है और ऐसे में इस मामले में दखल देने की जरूरत नहीं है। ट्रिब्यूनल ने यह आदेश द्रुपद मलिक व अन्य की याचिका पर दिए।

ट्रिब्यूनल ने कहा कि, गुजरात इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि, रिवर फ्रंट के निर्माण से नदी के पानी का प्रवाह प्रभावित नहीं हुआ है और निर्माण में जल प्रदूषण के कानूनी प्रावधानों का भी सख्ती से पालन किया गया है। इसके अलावा, सेफ्टी दीवार के निर्माण के लिए नियमानुसार एन.ओ.सी. ली गई और बैराज से नयापुरा ब्रिज की ओर बाढ़ का पानी नहीं आया है।

ऐसे में रिवर फ्रंट के निर्माण में किसी भी तरह के कानूनी प्रावधानों की अवहेलना नहीं हुई है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से आरोप लगाए गए थे कि, चंबल रिवर फ्रंट निर्माण के लिए जरूरी पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं ली गई है, इसके कारण चंबल घड़ियाल सैंक्चुअरी व अन्य जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ गया है। वहीं, रिवर फ्रंट निर्माण से नदी का बहाव क्षेत्र कम हो गया है, क्योंकि इसका निर्माण अवैध तरीके से वैट लैण्ड यानी बफर ज़ोन में किया गया है।

सोनिया के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने हलफनामे में 12.53 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। सोनिया गांधी के इटली में अपने पिता की सम्पत्ति में 27 लाख रू. की हिस्सेदार हैं। इसके अतिरिक्त उनके पास 88 किलोग्राम चांदी व 1267 ग्राम सोने के आभूषण हैं। कांग्रेस नेता के पास डेरा मंडी गांव, नई दिल्ली में तीन बीघा कृषि भूमि है। उनकी आय स्रोत के रूप में सांसद वेतन, रॉयल्टी आय, पूंजीगत लाभ आदि बताए गए हैं। उनके पास कोई कार नहीं है।

भाजपा नेता ने लिखा कि, महत्वपूर्ण विवरण जैसे कि, संपत्ति की विशिष्ट "लोकेशन" नहीं दी गई हैं। यह नहीं बताया गया है कि संपत्ति रोम, फ्लोरैंस, मिलान या ट्रेंटो में है या किसी अन्य शहर में हैं, सिर्फ एक साथ जानकारी दे दी गई है। इसके साथ ही, पैतृक संपत्ति में भागीदारी का प्रतिशत नहीं बताया गया है कि यह 25 प्रतिशत है या इससे ज्यादा। सोनिया गांधी ने अपने चुनावी शपथ पत्र में बताया कि, उनके पास 90 हजार रु. की नकदी है। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के समय दायर चुनावी शपथ पत्र के अनुसार, उस समय उनकी कुल संपत्ति 11.82 करोड़ रुपये थी। जहां तक उनकी शैक्षणिक योग्यता का प्रश्न है, तो उन्होंने वर्ष 1964 में सिएना के "इंस्टिट्यूटो "सेंट टैरेसा" से अंग्रेजी और फ्रैंच में तीन वर्ष का विदेशी भाषा कोर्स पूरा किया था। वर्ष 1965 में उन्होंने केम्ब्रिज के "लैनोक्स कुक स्कूल" से अंग्रेजी में सर्टिफिकेट कोर्स किया था।

भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक आज से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **भारत मंडपम में होने जा रही दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन पार्टी अध्यक्ष जे. पी. नड्डा करेंगे और समापन भाषण प्र.मंत्री मोदी देंगे।**

नई दिल्ली,16 फरवरी । भारतीय जनता पार्टी "व्यापक संगठनात्मक एजेंडा" पर चर्चा करने के लिए,शनिवार से यहाँ भारत मंडपम में,भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक हो रही है। जिसमें 11500 सें अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

इसका उद्घाटन,पार्टी अध्यक्ष, जगत प्रकाश नड्डा करेंगे तथा समापन संबोधन,रविवार को प्रधानमंत्री मोदी देंगे। इसमें आगामी लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता, रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ,प्रधानमंत्री का भाषण और टिप्पणियां,देश भर से आने वाले पार्टी कार्यकताओं के लिए उदाहरण बन जाती हैं। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक, हमेशा लोकसभा चुनावों सें पहले होती है। प्रतिनिधियों के लिए, विकसित भारत की अवधारणा पर एक प्रदर्शनी, आयोजन स्थल पर आयोजित की जाएगी।

कांग्रेस पार्टी के सभी बैंक खाते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **"चुनाव के ठीक पहले देश के प्रमुख विपक्षी दल के अकाउन्ट फ्रीज़ करने का एक ही मतलब है कि, कांग्रेस चुनाव में प्रभावी ढंग से सक्रिय न हो और इस तरह देश में एक ही पार्टी का राज चले और प्रजातंत्र खत्म हो जाये।**

के खाते ही सीज़ कर दिए गए हैं। मैं न्यायपालिका से अपील करता हूं कि वह आगे आए और हमारे लोकतंत्र को एक सत्तारुढ़ पार्टी के शिकंजे से मुक्त कराए जो समूचे विपक्ष को ध्वस्त करने में व्यस्त है। मैं मीडिया से अपील करुंगा कि वह हमारा साथ दे और कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरने जा रही है।

उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि कांग्रेस के बैंक खातों को लेकर उठाया गया सख्त कदम क्या देश में वन पार्टी सिस्टम लागू करने के लिए है और क्या अन्य सभी राजनीतिक दलों के अकाउन्ट फ्रीज़ कर दिए जाएंगे। चूंकि कांग्रेस के बैंक खाते लोकसभा चुनावों के आसन्न रहते फ्रीज़ किए गए हैं तो क्या किसी भी अन्य पार्टी देश में राजनीति करने का कोई अधिकार नहीं है। अखिल भारतीय आंदोलन की घोषणा करते हुए उन्होंने कहाकि कांग्रेस ने इनकम टैक्स अपीलेट ट्रायब्यूनल में एक आवेदन पहले ही प्रस्तुत कर दिया है तथा हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। कांग्रेस सांसद एवं सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा ट्रायब्यूनल के समक्ष उपस्थित हुए और ट्रायब्यूनल इस पर सहमत हुआ कि बुधवार को कोई सुनवाई होने से पूर्व पार्टी के बैंक खातों पर लगी पाबंदियां हटा ली जाए। कांग्रेस ने अकाउन्ट्स फ्रीज़ की कार्रवाई को ओछी व हास्यास्पद हरकत बताया है। तन्खा ने ट्रायब्यूनल को बताया कि यदि खाते फ्रीज़ रहते हैं तो कांग्रेस लोकसभा चुनावों में हिस्सा नहीं ले पाएगी।

24 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **सेमीनार में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश व कानून व लॉ की कई जानी-मानी हस्तियां भाग लेंगी।**

लेकर चिन्ता व्यक्त की थी।

उक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को 6 साल हो चुके अब तक कई चीफ जस्टिस आए पर उक्त चिंताएं अभी भी हैं और अदालत एक संस्थान के रुप में इन मुद्दों का समाधान करने में ज्यादा कुछ नहीं कर पायी है।

न्यायिक आदेशों को लिखे जाने के बावजूद केसों को लिस्ट ना किए जाने के उदाहरण मौजूद हैं, जिससे कोर्ट रजिस्ट्री के आचरण और अधिकार पर सवाल खड़े होते हैं।

राजनीतिक रुप से संवेदनशील केसों को कथित रुप से बैंच विशेष को आवंटित करने सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.), सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) और नैशनल इन्वैस्टिगेशन अथॉरिटी (एन.आई.ए.) जैसी केन्द्रीय एजेन्सियों द्वारा सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और राजनीतिक अधिकारों का मुद्दा महत्वपूर्ण बन गया है।

प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉण्ड्रिंग एक्ट, अनलॉफुल एक्टीविटीज़ (प्रिवैन्शन) एक्ट और नारकोटिक्स एण्ड साइकोट्रॉपिक सब्सटैंसेज़ एक्ट जैसे कानूनों के क्रूर प्रावधान केन्द्रीय जांच एजेंसियों की शक्तियों में इजाफा करते हैं जिसके कारण वे आरोपी को लम्बी अवधि तक बन्दी बनाए रख सकती हैं, कोर्ट की सुनवाईयों में दोष स्वीकारोक्ति का इस्तेमाल किया जाता है तथा आरोपी को जमानत मिलना भी मुश्किल होता है। केन्द्रीय जांच एजेन्सियों द्वारा विपक्षी पार्टियों और सरकार के आलोचकों को टारगैट करने से रोकने के लिए एक सतर्क न्यायपालिका का होना जरुरी है।

इन मुद्दों पर चर्चा के लिए 24 फरवरी को तीन सत्र आयोजित किए जाएंगे। "सुप्रीम कोर्ट जूडीशियल एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मैनेजमैंट -इश्यूज़ एण्ड फन्सर्न्स" शीर्षक वाला पहला सत्र प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। विधि सैन्टर फॉर लीगल पॉलिसी के सह संस्थापक आलोक प्रसन्ना इस पर प्रकाश डालेंगे।

वक्ताओं में, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन लोकुर और कुरियन जोसफ, दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अजित प्रकाश शाह, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज रेखा शर्मा, इलाहबाद हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस गोविन्द माथुर, सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट कामिनी जायसवाल, सीनियर एडवोकेट मीनाक्षी अरोड़ा, एडवोकेट गौतम भाटिया तथा एडवोकेट एवं "कैंपेन फॉर जूडीशियल अकाउन्टेबिलिटी एण्ड रिफॉर्म्स (सी.जे.ए.आर.) के समन्वयक प्रशांत भूषण शामिल हैं।

"द सुप्रीम कोर्ट्स रीसैन्ट ट्रैण्ड ऑन केसेस इन्वॉल्विंग सिविल लिबर्टीज़ एण्ड पोलिटिकल राइट्स" शीर्षक वाला दूसरा सत्र दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित होगा। इस पर आर.टी.आई. कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, सतर्क नागरिक संगठन और सी.जे.ए.आर. व्याख्यान देंगे।

वक्ताओं में, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ए.के. पटनायक और इंदिरा बनर्जी, नैशनल जूडीशियल एकेडमी के पूर्व निदेशक प्रो. मोहन गोपाल, सीनियर एडवोकेट त्रिदीप पायस, कपिल सिब्बल, मिहिर देसाई तथा दिल्ली हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट वारिशा फ़रासत शामिल हैं।

तीसरा एवं अंतिम सत्र संकल्पो व आगे के मार्ग पर फोकस होगा। इसमें सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट इन्दिरा उन्नीनायर और आर.टी.आई कार्यकर्ता अमृता जौहरी अपना संबोधन देंगे।

विधायकों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कोई भी दस्तावेज रिकॉर्ड पर नहीं है। राठौड़ की ओर से अदालत को बताया गया कि विधायकों द्वारा दिए गए त्याग पत्रों में महिला विधायकों जैसे मंजू देवी, ममता भूपेश, गायत्री देवी, कृष्णा पूनिया, मनीषा पवार, तथा अन्य महिला विधायकों के त्याग पत्र में स्त्रीलिंग शब्दों की जगह पुलिंग शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिस पर भी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कोई टिप्पणी या संदेह कभी भी व्यक्त नहीं किया। यहां तक कि त्याग पत्र वापस लिए जाने की भाषा भी एक जैसी है। फिर भी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के दस्तावेजों के रिकॉर्ड में इसे संदेहास्पद नहीं बताया गया।

हैरानी की बात है कि अदालत में प्रस्तुत किए गए दस्तावेज यह दर्शाते हैं कि सभी 81 विधायक, जिन्होंने अपने इस्तीफे वापस लिए, उन्होंने अपने पत्रों में कहा है कि उनके द्वारा दिए गए त्याग पत्र पर उन्होंने "स्वैच्छिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किये हैं।"

ग़ौरफरमाने योग्य है कि कई वरिष्ठ सीनियर विधायक और मंत्री जैसे शांति धारीवाल, अशोक चांदना, महेश जोशी, उदयलाल आंजना का भी यही कहना था कि उन्होंने त्याग पत्र स्वेच्छा से नहीं दिए थे। टीकाराम जूली, जो तत्कालीन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं कारागार विभाग के मंत्री थे, वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष हैं, उन्हें विधानसभा में इस सवाल पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए कि उन पर भी किस का दबाव था कि उन्होंने अपने त्यागपत्र पर हस्ताक्षर किए? और क्या वर्तमान में भी उन पर किसी का दबाव है, जिस कारणवश उन्होंने आज तक इस विषय पर अपने मतदाताओं को कोई जानकारी नहीं दी? यह प्रकरण विधानसभा के अंदर व बाहर विधायकों पर बनाए जा रहे दबाव और प्रजातंत्र की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाता है।

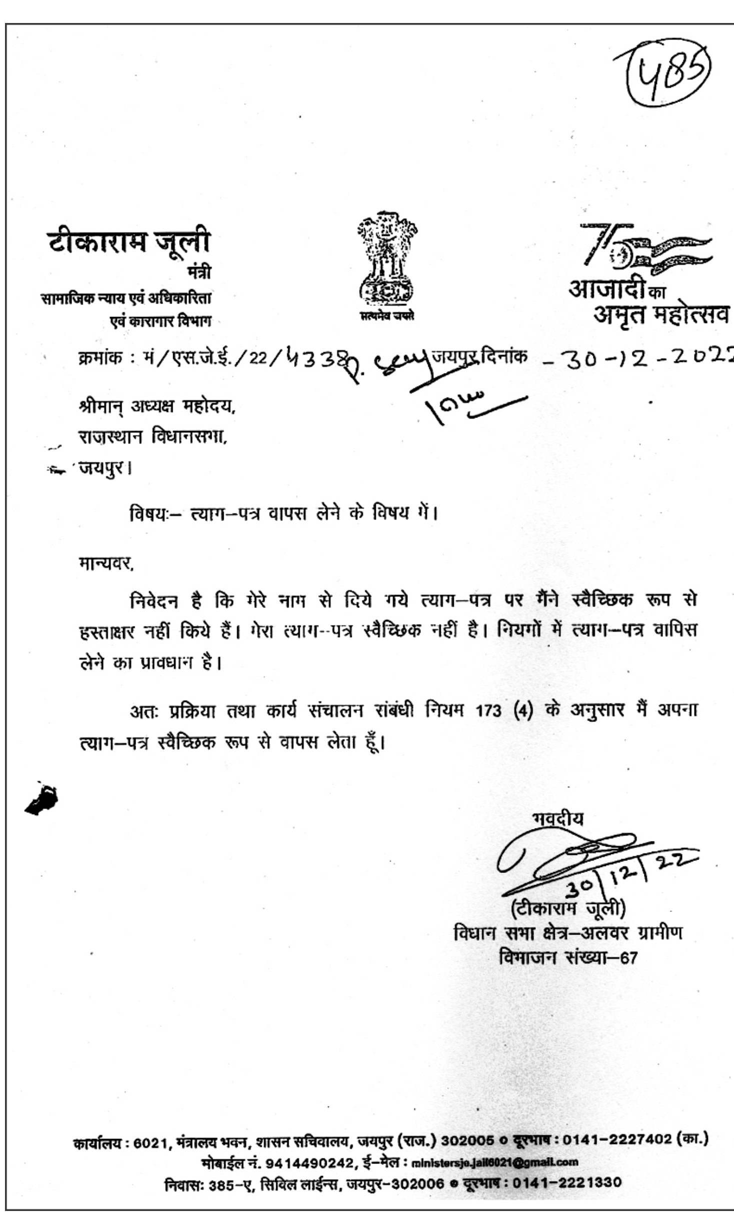

(485)

टीकाराम जूली
मंत्री
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एवं कारागार विभाग

सत्यमेव जयते

आजादी का अमृत महोत्सव

क्रमांक : मं/एस.जे.ई./22/4338 जयपुर दिनांक - 30-12-2022

श्रीमान् अध्यक्ष महोदय,
राजस्थान विधानसभा,
जयपुर।

विषय:- त्याग-पत्र वापस लेने के विषय में।

मान्यवर,

निवेदन है कि मेरे नाम से दिये गये त्याग-पत्र पर मैंने स्वैच्छिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किये हैं। मेरा त्याग-पत्र स्वैच्छिक नहीं है। नियमों में त्याग-पत्र वापिस लेने का प्रावधान है।

अतः प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम 173 (4) के अनुसार मैं अपना त्याग-पत्र स्वैच्छिक रूप से वापस लेता हूँ।

भवदीय
30/12/22
(टीकाराम जूली)
विधान सभा क्षेत्र-अलवर ग्रामीण
विभाजन संख्या-67

कार्यालय : 6021, मंत्रालय भवन, शासन सचिवालय, जयपुर (राज.) 302005 ○ दूरभाष : 0141-2227402 (का.)
मोबाईल नं. 9414490242, ई-मेल : ministersje.jail6021@gmail.com
निवास: 385-ए, सिविल लाईन्स, जयपुर-302006 ● दूरभाष : 0141-2221330

तत्कालीन सामाजिक न्यायमंत्री और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी को अपना त्याग पत्र वापस लेने के संदर्भ में लिखा गया यह पत्र विधानसभा अध्यक्ष, वासुदेव देवनानी, की ओर से दायर जवाब के साथ अदालत में साझा किया गया है।

प्रियंका न्याय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य कांग्रेस नेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि जैसे ही वे स्वस्थ होंगी वे भी शीघ्र यात्रा का हिस्सा बनेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकल रही यात्रा 16 फरवरी की देर शाम को उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर गई।

प्रियंका ने अपने संदेश में यह तो उल्लेख नहीं किया कि वे किस अस्पताल में भर्ती हैं, परंतु कहा कि, "मैं बहुत ही उत्सुकता से भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश में पहुंचने का उत्साह से इंतजार कर रही थी। परंतु एक बीमारी के कारण मुझे स्वयं को शुक्रवार के दिन एक चिकित्सालय इलाज के लिए भर्ती होना पड़ा है। जैसे ही मैं अपने को स्वस्थ महसूस करूंगी शीघ्र यात्रा में शामिल हो पाऊंगी।"

प्रियंका ने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा, "तब तक, मैं यात्रा के सभी यात्रियों के लिए शुभकामनाएं देती हूँ मेरे प्रिय भाई व मेरे उत्तर प्रदेश के सभी सहयोगी- जो पूरी लगन व तत्परता से यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, चंदौली-बनारस पहुंच रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मणिपुर से मुम्बई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं।

केन्द्र और किसानों के बीच बातचीत रविवार को

नई दिल्ली, 16 फरवरी (वार्ता)। एम.एस.पी. को कानूनी गारंटी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों के साथ केंद्र सरकार की अगले दौर की वार्ता रविवार को होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि कल देर रात तक किसान संगठनों के साथ बातचीत चली जो बहुत ही सकारात्मक रही। उन्होंने बताया कि बैठक में ही अगली दौर की बातचीत के लिए रविवार का दिन निर्धारित किया गया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने प. बंगाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटना के बाद क्षेत्र के लोग अपनी शिकायते मुखर होकर बता रहे हैं। यह सारा मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में है। राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों ने स्थानीय महिलाओं से बात की है। राज्य पुलिस ने महिलाओं से यौन हमले के प्रमाण मांगे हैं।

स्थानीय महिलाओं ने जवाब दिया कि "क्या ये आरोपी महिलाओं का उत्पीड़न करेंगे और बलात्कार करेंगे फिर बलात्कार की मैडिकल रिपोर्ट भी देंगे।"

उनके बच्चों का क्या होगा जब वे बड़े हो जाएंगे और तृणमूल नेताओं द्वारा इन महिलाओं के साथ बलात्कार की शिकायतें सुनेंगे।

महिलाओं ने बताया कि बलात्कार जैसे अपराध सामने लाने के लिए उन्हें भारी मशक्कत करनी पड़ी। राज्य पुलिस ने अपराधियों को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। राज्य सरकार स्थानीय पुलिस के साथ मिल उन महिलाओं को धमका रही है जो मीडिया से बात कर रही है। एक मामले में तो एक महिला को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा किया गया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि राज्य के इन सुदूर भागों में महिलाओं पर अत्याचार के साथ सत्तारुढ़ पार्टी के गुंडे जो दुर्व्यवहार कर रहे है उसमें राज्य सरकार दोषी है। सरकार के बयान और आरोपियों को बचाने की मुख्यमंत्री की कोशिश ने आंदोलन को और बढ़ा दिया है।तृणमूल के नेता भड़काऊ बयान दे रहे हैं, महिलाओं के साथ हुए बलात्कार, उनके शरीर को लेकर भद्दी व अश्लील टिप्पणियां कर रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908